शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 33 | गुवाहाटी | रविवार, 27 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

यूपीपीएल ने एपीसीसी के अध्यक्ष के बयान पर किया पलटवार — पेज 3
प्रधानमंत्री मिले इसरो प्रमुख एस सोमनाथ से, बेंगलुरु पहुंचकर चंद्रयान-3 ... — पेज 4
संस्कृति में एकजुट करने की होती है अंतर्निहित क्षमता : नरेंद्र मोदी — पेज 5
राज्यपाल के सभी पत्रों का जवाब दूंगा पर पावर हंगर पत्र न लिखें : भगवंत मान — पेज 8

विकास की यात्रा में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं कर्मचारी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि हमारे कर्मचारी राज्य के विकास की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें आज गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित अखिल असम कर्मचारी परिषद के 38वें वार्षिक सत्र में भाग लेते हुए बहुत खुशी -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के सात रास सांसद एमपीएलएडी फंड का उपयोग नहीं कर सके

गुवाहाटी। असम के सात राज्यसभा सांसद अपने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीएलएडी) फंड का केवल 45 प्रतिशत ही उपयोग कर पाए हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। जो सांसद फंड के खराब उपयोग के लिए जांच के दायरे में आए हैं, उनमें भुवनेश्वर कलिता, बीरेंद्र प्रसाद बैश्य, कामाख्या प्रसाद तासा, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, अजीत कुमार भुइयां, रंगव्रा नार्जारी और पबित्रा मार्गेरिटा शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सातों सांसद एमपीएलएडी योजना के तहत कुल 60 करोड़ रुपए के हकदार थे। लेकिन, वे जारी किए गए 40 करोड़ रुपए में से केवल 18.24 करोड़ रुपए ही वितरित कर पाए। इस प्रकार, 21.76 करोड़ रुपए अप्रयुक्त रह गए, जिसका अर्थ है कि कुल आवंटित धनराशि का केवल 45.60 प्रतिशत ही उपयोग किया गया। उदाहरण के लिए, -शेष पृष्ठ दो पर

धेमाजी विस्फोट मामला

सीएम ने डीजीपी से न्यायालय के फैसले का अध्ययन करने को कहा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह से राज्य उच्च न्यायालय के फैसले का अध्ययन करने को कहा है, जिसमें 2004 के धेमाजी बम विस्फोट मामले के सभी छह दोषियों को बरी कर दिया गया था। पुलिस ने धेमाजी विस्फोट के बारे में बहुत पहले पूछताछ की थी। शर्मा ने पत्रकारों से कहा कि मैंने डीजीपी से गुवाहाटी उच्च न्यायालय के फैसले का अध्ययन करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अगर -शेष पृष्ठ दो पर

दानपात्र, गाय व भंडारे के नाम से मचा रखी है लूट, भागचंद है भागीदार

आरोपों को गलत साबित करने की चंद्र प्रकाश को खुली चुनौती

गुवाहाटी (विभास)। गत 15 अगस्त को महानगर के सदाफल देव विहंगम योग आश्रम से जब कलंकित भागचंद जैन को शराबखोरी और जिस्मफरोशी करते रंग हाथों पकड़ा गया, तभी से चंद्र प्रकाश शर्मा और उसके चेले चपाटी उसे बचाने में सक्रिय हो गए। यहां यह बात दीगर है कि भागचंद जैन ने अपने गुनाह कैमरे के सामने स्वीकार कर लिए हैं। उसने अपने कुकृत्यों का लिखित कबूलनामा भी दिया है, जो अब सार्वजनिक हो चुका है। सारे सबूत भागचंद के खिलाफ होने के बावजूद चंद्रप्रकाश और उसके कुछ गुर्गे बेशर्मी की सारी हदें पार कर उसे बचाने में लगे हैं। पिछले अंक में हमने चंदे और ब्लैकमेलिंग के धंधे में इनकी मिली भगत को प्रामाणिक तथ्यों के साथ प्रकाशित किया था। चंद्रप्रकाश को धमकी देकर तथा ब्लैकमेलिंग कर उगाही करने की आदत से त्रस्त लोग व हमारे पाठक चाहते हैं कि इनका कच्चा चिट्ठा पूरी तरह पब्लिक के सामने खोल कर रख दिया जाए। चंद्रप्रकाश के काले इतिहास को ठीक से खंगाले तो एक लंबी-चौड़ी किताब बन जाएगी। हम फिलहाल विहंगम योग के नाम पर चल रही उसकी चंदे की दुकानदारी और भागचंद जैन से उसकी सांठगांठ पर फोकस करेंगे। समाज के प्रतिष्ठित लोगों के नाम का सहारा लेकर या फिर धमकी देकर उगाही करना ही चंद्रप्रकाश शर्मा का मुख्य पेशा है। उगाही के नए-नए तरीके वह ईजाद करते रहता है। पिछले कुछ वर्षों से विहंगम योग के नाम से उसने राज्य के हर छोटे-बड़े शहर और कस्बों में डिब्बे (दानपात्र) रखवाए हैं। लोगों को भ्रमित करने के लिए शातिर और चालक चंद्रप्रकाश ने नॉरेटिव गढ़ा कि इन दान पात्रों से मिलने वाली राशि को जन सेवा तथा गौ सेवा के कामों में लगाया जाएगा। श्रद्धालु जनता ने उसकी चिकनी-चुपड़ी बातों में आकर मुक्त हस्त से इन डिब्बों (दान पात्रों) में रकम डाली, जिसे चंद्रप्रकाश अपने चुनिंदा लोगों के माध्यम से हर वर्ष उठा लेता है। डिब्बा (दानपात्र) का सारा काम एक सोचे-समझे मार्केटिंग नेटवर्क के तहत होता है। चंद्रप्रकाश शर्मा ने हर मुकाम पर अपने लोग ठीक कर रखे हैं जो साल में एक बार इन डिब्बों से मिलने वाली राशि उस तक पहुंचाते हैं। इनमें से कइयों को 25 से 30 फीसदी कमीशन तक दिया जा रहा है। इस पाप कर्म में उसने अपने कई संवाददाताओं को भी लगा रखा है। इन डिब्बों (दान पात्रों) से प्राप्त हुई राशि का कोई हिसाब-किताब विहंगम योग संस्थान को उसने नहीं दिया -शेष पृष्ठ दो पर

इधर-उधर की बातें न कर, यह बता की काफिला कैसे लूटा...

गुवाहाटी। जब से *विकसित भारत समाचार* ने चंद्र प्रकाश शर्मा के ब्लैकमेलिंग और चंदे के नाम पर लूट-खसोट करने की घटनाओं को सिलसिलेवार तरीके से उठाना शुरू किया है, वह पूरी तरह बौखला गया है। वह विहंगम योग और श्रद्धेय गुरुदेव की आड़ लेकर खुद को बचाने की असफल कोशिश कर रहा है। उल्लेखनीय है कि *विकसित भारत समाचार* के संपादक राकेश शर्मा पिछले करीब 33 वर्षों से विहंगम योग से जुड़े हुए हैं। इस लंबे कालखंड में गुरु और संस्थान के प्रति उनकी निष्ठा असंदिग्ध रही है। इसके विपरीत चंद्र प्रकाश शर्मा ने हमेशा विहंगम योग का सहारा लेकर अपनी चंदे की दुकान ही चलाई है। जहां तक भागचंद जैन प्रकरण का सवाल है तो ऐसे तत्वों से महानगर के फटासील आमबाड़ी स्थित महर्षि सदाफल देव विहंगम योग आश्रम को मुक्त कराना संस्थान के हितों के विरुद्ध कैसे हुआ? यहां पर चंद्र प्रकाश शर्मा की दबंगई के चलते चल रही अनियमितताओं को उजागर करना गुरु द्रोह कैसे हो गया? उल्टे अपनी हरकतों से आश्रम को बदनाम करने वाले भागचंद जैन जैसे कलंकित व्यक्ति को बचाने की नापाक कशिश कर गुरु द्रोह तो चंद्र प्रकाश शर्मा कर रहा है। आश्रम के नाम पर बड़े पैमाने पर उगाही करना और उसका कोई हिसाब नहीं देना सही मायने में गुरु द्रोह है। आश्रम की संपत्ति को भागचंद जैन जैसे को गलत काम में इस्तेमाल करने की इजाजत देना गुरु द्रोह है। ऐसे में चंद्र प्रकाश शर्मा से अपील है कि वह होश की दवा करें। बौखलाहट में किसी पर व्यक्तिगत आक्षेप लगाने की बजाय अपने ऊपर लगे ब्लैकमेलिंग, आश्रम में हनी ट्रेपिंग और चंदे के नाम पर लूट खसोट के निर्दिष्ट (पीन प्वाइंट) आरोपों का जवाब दें। बहरहाल, अब जब उसके कुकृत्यों का पर्दाफाश हो चुका है, तो उसे विहंगम योग और गुरु की आड़ लेकर खुद को बचाने की कोशिश करने की बजाय अपने ऊपर लगे गंभीर आरोपों का जवाब समाज को देना चाहिए।

पूर्वांচল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

गुवाहाटी में होगी भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

गुवाहाटी। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन असम में होने जा रहा है। इस बैठक में पूरे देश से करीब 180 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। असम भाजपा महिला विंग की अध्यक्ष अंगूरलता डेका ने बताया कि पूर्वोत्तर में पहली बार राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक आयोजित की जा रही है। मीडिया से बातचीत में डेका ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक में पूरे देश से 180 से अधिक प्रतिनिधि पूर्वोत्तर क्षेत्र में पहली बार आयोजित होने वाली दो दिवसीय बैठक -शेष पृष्ठ दो पर

गांधी पर अपमानजनक टिप्पणी एक दैनिक के पूर्व संपादक गिरफ्तार

हैलाकांदी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में बराक घाटी में एक प्रमुख बांग्ला दैनिक के पूर्व संपादक अतीन दास को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उप-निरीक्षक फारुक हुसैन ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि अतिन दास के खिलाफ कांग्रेस नेता समसुद्दीन बारलास्कर ने हैलाकांदी सदर पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसी प्राथमिकी के आधार पर शुक्रवार को अतिन को कछार जिले के सिलचर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। पूर्व संपादक ने 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में राहुल गांधी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने कथित तौर पर आजादी में महात्मा गांधी के योगदान पर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

चतुरंगणी सेना (हाथी, घोड़े, रथ और पैदल) होने पर भी इंद्रियों के वश में रहने वाला राजा नष्ट हो जाता है।

- आचार्य चाणक्य

बिहार के कोर्ट परिसर में फायरिंग दो कैदियों को लगी गोली

पटना। बिहार के समस्तीपुर कोर्ट परिसर में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गोलियों की आवाज सुनाई दी। इससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। अपराधियों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए दो कैदियों को गोली मार दी, जिससे दहशत और अफरातफरी मच गई। जेल में बंद व्यक्तियों की पहचान प्रभात चौधरी और प्रभात तिवारी के रूप में की गई, जिन्हें सुनवाई के लिए अदालत में लाया गया था। दोनों घायल कैदियों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है, जबकि हमलावर मौके से भागने में सफल रहे। मिली जानकारी के मुताबिक -शेष पृष्ठ दो पर

चांद के रहस्यों की खोज में जुटा प्रज्ञान रोवर

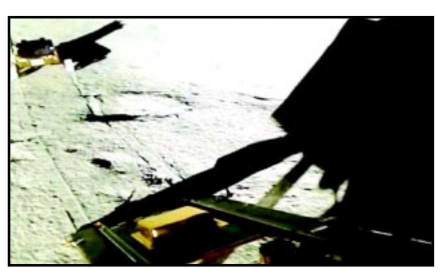

भुवनेश्वर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर का चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 के लैंडिंग बिंदु *शिव शक्ति* प्वाइंट के आसपास घूमते हुए एक नया वीडियो जारी किया। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर दृश्य जारी करते हुए, भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि चंद्रयान -3 मिशन: यहां नया क्या है? प्रज्ञान रोवर दक्षिणी ध्रुव पर चंद्र रहस्यों की खोज में शिव शक्ति प्वाइंट के आसपास घूमता हुआ। अंतरिक्ष एजेंसी ने यह भी कहा कि मिशन के तीन उद्देश्यों में से दो को पूरा कर लिया गया है, जिसमें चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और नरम लैंडिंग का प्रदर्शन और चंद्रमा पर रोवर के घूमने का प्रदर्शन शामिल है। इसमें आगे कहा गया कि इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोग चल रहे हैं, जबकि सभी पेलोड सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। इसरो के अनुसार, इससे पहले शुक्रवार को, प्रज्ञान रोवर चंद्रमा की सतह पर लुढ़का और 8 मीटर की दूरी तय की। अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और भारतीय प्रतीक चिन्ह वाले रोवर के पिछले पहियों ने चंद्रमा -शेष पृष्ठ दो पर

अब *व्योममित्र* को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी में भारत

नई दिल्ली। भारत के चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने के कुछ दिनों बाद, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि देश गगनयान मिशन के तहत एक महिला रोबोट *व्योममित्र* को अंतरिक्ष में भेजेगा। सिंह ने कहा कि अक्तूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में अंतरिक्ष उड़ान का प्रायोगिक अभ्यास आयोजित किया जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी 28 को 51 हजार युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए भर्ती किए गए 51,000 से अधिक उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस कार्यक्रम का आयोजन 28 अगस्त को होगा। इससे पहले, पीएम मोदी ने 22 जुलाई को 70,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए थे। सीमा सुरक्षा बल ने बताया कि केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी 28 अगस्त को पंजाब में नियुक्ति पत्र बांटेंगे। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सोनपुर सुरंग फिर बाधित, तीन राज्यों का सड़क संपर्क टूटा

शिलांग। पूर्वोत्तर राज्यों के पहाड़ी इलाकों मे लगातार हो रही बारिश अब आफत की बारिश हो गई है। भारी बारिश की वजह से जन-जीवन प्रभावित होने लगा है। शनिवार (26 अगस्त) को मेघालय के पूर्वी जैंतिया हिल्स जिले बारिश के कारण भूस्खलन हो गया, जिसके कारण एनएच 6 पर सोनापुर सुरंग बाधित हो गई। सोनापुर सुरंग बाधित होने से त्रिपुरा, मिजोरम और असम की बराक घाटी में ट्रैफिक बाधित हो गया। मेघालय में पिछले 24 घंटों से लगातार -शेष पृष्ठ दो पर

संस्कृति में अंतर्निहित होती है एकजुट करने की क्षमता : मोदी

वाराणसी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी में जी-20 के संस्कृति मंत्रियों की बैठक के दौरान अपने वीडियो संदेश में कहा कि संस्कृति में एकजुट करने की क्षमता अंतर्निहित होती है। यह हमें विविध पृष्ठभूमि और दृष्टिकोणों को समझने में सक्षम बनाती है। हम अपनी शाश्वत और विविध संस्कृति पर बहुत गर्व करते हैं। हम अपनी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी बहुत महत्व देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत सिर्फ वह नहीं है जो पत्थरों पर गढ़ी जाती है, यह परंपराएं, रीति-रिवाज और त्योहार -शेष पृष्ठ दो पर

चीन ने बनाई दुनिया की सबसे शक्तिशाली कॉइल गन

बीजिंग। एक तरफ भारत ने चांद पर चंद्रयान पहुंचा कर सारी दुनिया को चौंका दिया है वहीं चीन अपने हथियार का परीक्षण करने में मशगूल है। अभी तक चीन की तरफ से भारत की इस उपलब्धि पर कोई खास टिप्पणी नहीं आई है। लेकिन इस बीच चीनी नौसेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली कॉइल गन का परीक्षण करने में लगी हुई है जो भविष्य में भयंकर तबाही मचा सकती है। यह गन इतनी शक्तिशाली है कि 3540 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गोले दाग सकती है। इसे भविष्य का हथियार बताया जा रहा है, जो मिसाइल के आकार के प्रोजेक्टाइल (गोले) को फायर कर सकती है। यह इतनी सटीक और विनाशकारी हथियार होगा, जिससे दुश्मन का बचना लगभग नामुमकिन होगा। इस गन को चीनी नौसेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी ऑपरेट कर रही है। इस गन में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्चर लगे हुए हैं, जो गोले की रफ्तार को कई गुना बढ़ा देते हैं। गन तैयार करने वाली टीम के अनुसार अपने पहले फायरिंग टेस्ट में इस मेगा वेपन ने 0.05 सेकेंड -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

रावलपिंडी में सिखों को कट्टरपंथी भेज रहे धमकी भरे पत्र

मुसलमान बनो या छोड़ो पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सिखों-हिंदुओं और अन्य अलपसंख्यक समुदायों पर अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। पाकिस्तान में जरनवाला चर्च जलाने की घटनाओं के बाद अब रावलपिंडी में सिखों को धमकाया जा रहा है। पाकिस्तान में सिख समुदाय को मिल रही हालिया धमकियों के मद्देनजर इस अल्पसंख्यक समूह की दुर्दशा एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। रावलपिंडी के गुरुघरों में रहने वाले सिखों वहां के कट्टरपंथियों की ओर से मुसलमान बनने के लिए पत्र भेजे जा रहे हैं। इन पत्रों की सिखों के पांचवें तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कड़े शब्दों में निंदा की है। ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि 30-35 साल पहले अफगानिस्तान, काबुल और कंधार में डेढ़ लाख सिख रहते थे। लेकिन वहां का माहौल इतना ज्यादा बिगड़ गया और सिखों की टारगेट किलिंग की गई जिसके बाद सिख परिवारों ने अफगानिस्तान छोड़ दिया और वहां करीब पांच या छह परिवार ही बचे हैं। ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि पेशावर से आकर पंजाब में बसने वाले सिखों को हाल ही में धमकी भरे पत्र मिले हैं। ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि सिखों से कहा गया है कि या तो वे मुस्लिम बन जाएं या पाकिस्तान छोड़ दें। ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि पाकिस्तान सरकार को सिखों की जान-माल की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि इससे बुजुर्गों, कारोबारियों और बच्चों में दहशत का माहौल है। धमकी भरे पत्रों के माध्यम से सिखों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से इन शरारती तत्वों को गिरफ्तार करने की अपील करते हुए कहा कि इस तरह के पत्रों से दुनियाभर के सिखों में रोष है।

असम एथलेटिक्स एसोसिएशन की बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित असम प्रशासनिक पदाधिकारी प्रशिक्षण महाविद्यालय प्रेक्षागृह में आज असम एथलेटिक्स एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता असम सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण आदि मामलों के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने की। बैठक के बाद ट्वीट कर उन्होंने बताया कि %%मुझे असम एथलेटिक्स संघ की पहल पर आयोजित असम एथलेटिक्स एसोसिएशन की बैठक में भाग लेने का मौका मिला। एसोसिएशन के सचिव और निदेशक, खेल विभाग, असम सरकार की उपस्थिति में आज आयोजित जिला खेल अधिकारी, जिला खेल संघ, असम एथलेटिक्स प्लेयर्स एसोसिएशन के साथ समन्वय बैठक की अध्यक्षता करते हुए खुशी हो रही है।

हैप्पी चाइल्ड हाई स्कूल में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। गुवाहाटी एलीट लायंस और लियो क्लब, समुदाय के स्वास्थ्य के प्रति अपनी निष्ठावानी प्रतिबद्धता के तहत, 26 अगस्त 2023 को हैप्पी चाइल्ड हाई स्कूल में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन ने लोगों को साक्षरता और समय पर कैंसर की पहचान के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस आयोजन में उपस्थित माननीय वक्ताओं में शामिल हैं, डॉ. जे.एन. बुढ़ागोहाईं, कुमार नर्सिंग होम के वरिष्ठ सलाहकार ऑन्कोसर्जन और प्रबंध निदेशक; डॉ. जुनमोनी बरगोहाईं, कुमार नर्सिंग होम के वरिष्ठ सलाहकार तथा स्त्रीरोग विशेषज्ञ और प्रबंध निदेशक; और डॉ. महामया प्रसाद सिंह, एक प्रमुख मानव और गले-मुंह कैंसर विशेषज्ञ और माइक्रोवास्कुलर और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सक। वक्ताओं ने महत्वपूर्ण विषयों पर जैसे कि स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर, तंबाकू के हानिकारक प्रभाव पर बल दिया। वक्ताओं ने पहचान के लिए सवालों को बढ़ावा देते हुए नए और स्वस्थ जीवनशैली की महत्वपूर्णता को साझा करके उपस्थित लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम का प्रोजेक्ट हेड थे लायन अंकिता अग्रवाल, लायन सरिता साहा, और लियो साई चरण। विशेष रूप से, लियो प्रमित गंग, लियो डिस्ट्रिक्ट 322 जी के जिला प्रेसिडेंट, ने उपस्थिति से इस पहल की महत्वपूर्णता को स्वीकार किया।

एपीयूएपीए को रद्द करने की मांग

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 2014 (एपीयूएपीए) को रद्द करने की मांग करते हुए, अरुणाचल लॉ स्टूडेंट्स यूनियन (एएलएसयू) ने आज यहां राज्य की इटानगर में एक शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया। सैकड़ों छात्रों और जनता ने हाथ में बैनर, पोस्टर आदि लेकर रैली में भाग लिया, जो आकाशदीप बाजार से शुरू हुई और आईजी पार्क टेनिस कोर्ट, इटानगर में समाप्त हुई। रैली के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए एपईयूएपईए समिति के अध्यक्ष ग्यामर माया ने कहा कि हमारी रैली का मुख्य उद्देश्य जनता को एपीयूएपीए के बारे में जागरूक करना है और राज्य सरकार से एपीयूएपीए को पूरी तरह से रद्द करने की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि यह कानून एक क्रूर कानून और सत्तावादी कानून है। हमारे राज्य में इस प्रकार के कानून की कोई आवश्यकता नहीं है। अब इस कानून का दुरुपयोग हो रहा है और आगे चलकर राज्य सरकार के साथ-साथ जिला प्रशासन भी इसका दुरुपयोग कर सकता है। यह कानून एक ऐसा कानून है जिसमें बचाव पर बोलने का कोई विकल्प नहीं है। किसी भी गैरकानूनी गतिविधियों से निपटने के लिए, देश में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत पर्याप्त कानून और धाराएं हैं और हर आपराधिक और गैरकानूनी गतिविधियों को आईपीसी के माध्यम से कानूनी कारवाई किया जा सकती है, लेकिन राज्य में इस एपीयूएपीए अधिनियम को लाने से सरकार लोगों की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा रही है। अरुणाचल प्रदेश एक शांतिपूर्ण राज्य है और यहां कोई भी ऐसा संगठन नहीं है जो देश के खिलाफ बोलता हो।

असम से सिंगापुर फलों की पहली एयर कार्गो शिपमेंट

गुवाहाटी (हिंस)। फलों की पहली एयर कार्गो शिपमेंट आज असम से सिंगापुर जा रही है। इस आशय की जानकारी आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट कर दी। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि यह शानदार है कि पहली बार असम के किसानों ने गुवाहाटी से सीधे सिंगापुर के लिए अपनी उपज भेजी है। केवल कुछ घंटे की उड़ान के समय के साथ यह पूर्वोत्तर के कृषि निर्यात को दोगुना करने में मदद करने के लिए नए रास्ते खोल रहा है। इधर, सिंगापुर के उच्चायुक्त एचसी वोंग ने भी आज ट्वीट कर कहा कि उन्हें असम से सिंगापुर के लिए फलों की पहली एयर कार्गो शिपमेंट भेजने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह पूर्वोत्तर से सिंगापुर तक एक प्रत्यक्ष कृषि-निर्यात स्रोत स्थापित करेगा। हम इस अग्रणी पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को धन्यवाद देते हैं।

ड्रोन अटैक से मॉस्को में दहशत

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में शनिवार को ड्रोन हमला हुआ। रूस की सरकारी मीडिया का कहना है कि इस हमले के बाद राजधानी मॉस्को के तीन प्रमुख एयरपोर्ट्स का संचालन अस्थाई रूप से बंद किया गया। ड्रोन हमले के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया गया है। दरअसल, पिछले कुछ हफ्तों से यूक्रेन की तरफ से राजधानी मॉस्को और आसपास के इलाकों को ड्रोन से निशाना बनाया जा रहा है। अब तक सीमा पर चल रही लड़ाई धीरे-धीरे मॉस्को तक आ गई है और इसमें ड्रोन सबसे बड़ा हथियार बना है। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध की शुरुआत फरवरी में हुई थी। शुरुआत में रूस ने बड़े पैमाने पर युद्ध में बढ़त हासिल की। यूक्रेन कई सारे इलाकों को कब्जाया गया। हालांकि, पिछले कुछ समय से यूक्रेन ने युद्ध की दिशा बदलने का काम किया है। यूक्रेन की तरफ से अब रूस के शहरों को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया जा रहा है। सबसे ज्यादा निशाना मॉस्को को ही बनाया जा रहा है। इसका अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि रूस ने हाल ही में कहा था कि उसने क्रीमिया में 42 ड्रोन्स को मार गिराया है। दरअसल, यूक्रेन ने इस साल की शुरुआत में साफ कर दिया था कि अब युद्ध को रूस के भीतरी इलाकों तक ले जाया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

आरोपों को गलत...

और संस्था के नाम पर उठी लाखों की रकम खुद ही डकार गया। इन डिब्बों से मिलने वाली रकम सहित चंदे के धंधे में दूसरे स्रोतों से हो रही भारी उगाही का सारा हिसाब चंद्र प्रकाश का शुभम अग्रवाल नाम का गुर्गा रखता है। यह मूल रूप से शिवसागर का रहने वाला एक पथभ्रष्ट युवा है। डिब्बों (दान पात्र) के अलावा इन दिनों चंद्र प्रकाश ने गायों के नाम पर उगाही शुरू कर दी है। कभी गौशाला खोलने के नाम पर तो कभी किसी गौ कुंभ के नाम पर उसने चंदे का बड़ा कारोबार फैला लिया है। आरोप है कि पिछले दिनों तेजपुर के पास घोड़ामारा में हुए कथित गौ कुंभ के नाम पर उसने बड़ी रकम चंदे के रूप में उठाई थी। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि उठाई गई रकम का 10 फीसदी भी उसने इस आयोजन पर खर्च नहीं किया। इस तरह के आयोजनों को लेकर शर्मा का फंडा साफ है। पहले वह समाज के कुछ प्रतिष्ठित लोगों को अपने आयोजन से संरक्षक या और किसी नाम से जोड़ता है। लोग आस्था के वशीभूत होकर उसकी बातों में आ जाते हैं। फिर उन बड़े नामों का हवाला देकर वह लोगों से चंदा उठाता है। कुछ मझौले किस्म के नए उगे तथाकथित समाजसेवी अखबारों में फोटो छपवाने के लालच में उसके साथ हो लेते हैं। यह स्कीम वह अपने यज्ञ या फिर अन्य आयोजनों में भी सफलतापूर्वक आजमा रहा है। चंद्र प्रकाश शर्मा की कारगुजारियों पर नजर रखने वाले बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में चंदे से उगाही ही उसका एकमात्र धंधा बन गया है। मजे की बात यह है कि इस चंदे की सारी रकम वह खुद ही डकार जाता है। आयोजनों में इसका एक छोटा-सा भाग ही खर्च करता है। विहंगम योग संस्थान उसकी चंदे की दुकानदारी का जरिया बना हुआ है। जानकार बताते हैं कि विहंगम योग संस्थान के नाम पर उसने डुप्लीकेट चंदे की रसीद तक छपवा रखी है। चंदे के धंधे से आराम से हो रही कमाई से उत्साहित होकर चंद्र प्रकाश ने धंधे को विस्तार देने की सोची और एक अन्य शातिर चंदाखोर भागचंद जैन के साथ मिलीभगत कर ली। दोनों ने मिलकर अमृत भोग भंडारा के नाम पर बड़ा खेल करने की योजना भी बना ली थी। पर 15 अगस्त को भागचंद के साथ हुई घटना ने चंद्र प्रकाश को गहरी चोट पहुंचाई है। बौखलाया चंद्रप्रकाश अब अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब देने की बजाय लोगों का ध्यान अन्य बातों में भटकना चाहता है। इन पंक्तियों के माध्यम से हम चंद्र प्रकाश को एक बार फिर हमारे आरोपी को गलत साबित करने की खुली चुनौती देते हैं। अमृत भोग भंडारे के नाम से क्या खेल करना चाहते थे भागचंद और चंद्र प्रकाश, एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल के नाम से चंद्रप्रकाश ने चुनाव के वक्त कितनी उगाही की, महिला छात्रावास वालों को कैसे किया था ब्लैकमेल— जैसी अनेकों वारदातों की पोल खोलेंगे अगले अंक में...

विकास की यात्रा ...

हो रही है। हमारे कर्मचारियों की भूमिका और कौशल हमारे राज्य की विकासोन्मुखी यात्रा में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हम राज्य में मास्टर रोल, निश्चित वेतन, आकस्मिक कर्मचारियों के वेतन में 3 प्रतिशत की वृद्धि करके लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै की पावन पुण्यतिथि के दिन हमारी सरकार ने जनकल्याण दिवस के रूप में मनाते हुए जनसेवा पुरस्कार देने के उपाय किए हैं। हम मुख्यमंत्री लोक सेवा आरोग्य योजना नामक योजना के साथ आगे बढ़ रहे हैं, ताकि राज्य के कर्मचारियों को माता-पिता वंदना, आपना घर और अपना वाहन योजना के साथ अब अपनी चिकित्सा का खर्च आसानी से पूरा करने की व्यवस्था कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दो अक्तूबर को शुरू होने वाली इस योजना में प्रथम वर्ष में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों में से प्रत्येक में 50 प्रतिशत का योगदान सरकार की ओर से दिया जाएगा। मिशन बसुंधरा के अलावा हमने मिशन सद्भावना, मिशन भूमिपुत्र, परिवहन विभाग में डिजिटल सिस्टम से विभिन्न सेवाएं प्रदान करना, पोर्टल के माध्यम से लोक सेवा का अधिकार अधिनियम के लाभ जैसे कदम उठाए हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ सांसद पल्लव लोचन दास, आयुक्त सचिव सिद्धार्थ सिंह, असम साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत हजारिका, अखिल असम कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष दीपेन शर्मा, स्वागत समिति के अध्यक्ष बासव चंद्र कलिता और अन्य उपस्थित थे।

सीएम ने डीजीपी से ...

हमें कानूनी सलाह मिलती है, तो हम (उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ) उच्चतम न्यायालय में अपील करेंगे। धेमाजी कॉलेज के खेल के मैदान में स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान विद्रोही समूह यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) द्वारा किए गए विस्फोट में 10 स्कूली बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हो गई थी और 19-20 अन्य घायल हो गए थे। शुरुआती इनकार के बाद अल्फा ने विस्फोट की जिम्मेदारी ली थी। अल्फा के स्वयंभू कमांडर-इन-चीफ परेश बरुआ ने माफी मांगी। उन्होंने इस घटना को अल्फा के क्रांतिकारी इतिहास का सबसे कलंकित अध्याय और बच्चों और महिलाओं की सबसे क्रूर और जघन्य हत्या बताया था। 24 अगस्त को, उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने जिला और सत्र न्यायालय, धेमाजी के 2019 के आदेश को पलट दिया, जिसमें चार व्यक्तियों को आजीवन कारावास और दो अन्य को चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। हाईकोर्ट ने संदेह का लाभ देते हुए उन्हें बरी कर दिया। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि चूंकि अभियोजन अपीलकर्ताओं के खिलाफ लगाए गए आरोपों के संबंध में उनका अपराध साबित नहीं कर सका, इसलिए उन्हें संदेह का लाभ देते हुए उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों से बरी किया जाता है। अदालत ने राज्य के अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि छह व्यक्ति किसी अन्य आपराधिक मामले में वांछित नहीं हैं तो उन्हें तुरंत न्यायिक हिरासत से रिहा किया जाए।

गुवाहाटी में होगी ...

में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक 9 और 10 सितंबर को गुवाहाटी के अटल बिहारी वाजपेयी भवन में भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन की मौजूदगी में होगी। डेका ने बताया कि बैठक में पूर्वोत्तर राज्यों की महिला शाखाओं की सभी सदस्य हिस्सा लेंगी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

गांधी पर अपमानजनक ...

सवाल उठाया था और उन पर आबादी के एक वर्ग को खुश करने का आरोप लगाया था। मामले के जांच अधिकारी फारुक हुसैन ने कहा कि अतिन के खिलाफ हैलाकांदी सदर पुलिस स्टेशन में 18 अगस्त को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके आधार पर, उन्हें उनके सिलचर आवास से गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि बाद में उन्हें निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

बिहार के कोर्ट परिसर...

दोनों कैदी शराब से जुड़े मामले में जेल में बंद थे। शनिवार की सुबह, जब उन्हें अदालत ले जाया जा रहा था, चार हमलावरों ने उनका सामना किया और गोलियां चला दीं, जिससे प्रभात चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी जांघ में गोली लगी, जबकि प्रभात तिवारी के हाथ में गोली लगी। घटना के बाद, सभी हमलावर मुख्य द्वार से लगभग 30 से 40 मीटर की दूरी पैदल तय करके अदालत परिसर से भागने में सफल रहे। तनावपूर्ण माहौल के बीच कैदियों के साथ मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद, स्थानीय और ग्रामीण पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों सहित जिला जांच इकाई की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। उच्च पदस्थ अधिकारी डीएसपी अमित कुमार और एसपी विनय तिवारी ने भी घटनास्थल का दौरा किया और अस्पताल में पूछताछ की। इस बीच, बिहार बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की आलोचना करते हुए कहा कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार राज्य को संभालने में सक्षम नहीं हैं... राज्य में स्थिति अच्छी नहीं है और जब कोर्ट परिसर के अंदर गोलीबारी हो रही है तो फिर राज्य में कानून-व्यवस्था सख्त कैसे है...नीतीश कुमार को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। सुशील मोदी ने कहा कि ऐसे में गवाह सुरक्षित नहीं हैं। कुछ दिन पहले अररिया में एक पत्रकार की हत्या कर दी गई, वह एक हत्या के मामले में गवाह था...अगर गवाह सुरक्षित नहीं होंगे तो अपराधियों को सजा नहीं मिलेगी। अक्सर कोयला माफिया और बालू माफिया पुलिस पर हमला कर रहे हैं। लगातार हो रहे इन हमलों से पता चलता है कि नीतीश कुमार की लॉ एंड ऑर्डर की यूएसपी खत्म हो चुकी है।

चांद के रहस्यों ...

की सतह पर हल्के निशान छोड़े। इसरो ने कहा कि एक सौर पैनल ने रोवर को बिजली पैदा करने में सक्षम बनाया। वीडियो में यह भी दिखाया गया कि रोवर के रोलडाउन से पहले रैंप और सौर पैनल की तेजी से तैनाती कैसे हुई। इसरो ने वीडियो साझा करते हुए एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर लिखा कि सीएच-3 मिशन में कुल 26 तैनाती तंत्र, यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी)/इसरो, बेंगलुरु में विकसित किए गए थे। इस बीच, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क मिशन कंट्रोल कॉम्प्लेक्स (आईएसटीआरएसी) में इसरो वैज्ञानिकों से मुलाकात की और बधाई दी, जहां सफल चंद्र लैंडिंग में शामिल चंद्रयान - 3 नायकों की सराहना की। पीएम मोदी ने घोषणा की कि चंद्रयान 3 के टचडाउन पॉइंट को *शिव शक्ति* कहा जाएगा, जबकि, जिस स्थान पर चंद्रयान 2 ने अपने पैरों के निशान छोड़े थे उसे *तिरंगा* कहा जाएगा। उन्होंने चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग के उपलक्ष्य में 23 अगस्त को *राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस* के रूप में मनाने की भी घोषणा की।

अब व्योममित्र को ...

उन्होंने कहा कि शुरुआती परीक्षणों के बाद ही महिला रोबोट को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। मंत्री ने आगे बताया कि महामारी के कारण परियोजना में देरी हुई। जितेंद्र सिंह ने कहा कि महामारी के कारण गगनयान परियोजना में देरी हुई। अब हम अक्तूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में पहले परीक्षण मिशन की योजना बना रहे हैं। अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उन्हें भेजना। सिंह ने पुष्टि की कि दूसरे मिशन में ही एक महिला रोबोट भेजी जाएगी और वह सभी मानवीय गतिविधियों की नकल करने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि दूसरे मिशन में एक महिला रोबोट होगी और वह सभी मानवीय गतिविधियों की नकल करेगी। अगर सबकुछ ठीक रहा तो हम आगे बढ़ सकते हैं। व्योममित्र रोबोट की मदद से इंसानों के जाने का रास्ता साफ होगा। 24 जनवरी 2020 को यह रोबोट पेश किया था। यह इसरो द्वारा निर्मित है। यह संस्कृत भाषा के दो शब्दों *व्योम* और *मित्र* से मिलकर बना है, जिसका अर्थ क्रमशः अंतरिक्ष एवं मित्र है। अर्द्ध-मानव का यह प्रोटोटाइप एक महिला रोबोट है। इसके जरिए अंतरिक्ष में इंसानों पर पड़ने वाले असर को समझने की कोशिश की जाएगी। इसे दुनिया की बेस्ट स्पेस एक्सप्लोरर ह्यूमेनॉयड रोबोट का खिताब भी मिल चुका है। यह भी अंतरिक्ष यात्रियों की तरह ही वहां काम करेगी। यह की चीजों को पढ़ेगी और जरूरी निर्देशों को समझेगी। उसे ग्राउंड स्टेशन में मौजूद वैज्ञानिकों और मिशन की टीम से सम्पर्क कर उन्हें बताएगी।

पीएम मोदी 28 को...

नियुक्ति पत्र वितरण की आठवीं किस्त केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की मौजूदगी में जालंधर में दी जाएगी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करेंगे। इससे पहले, पीएम मोदी ने 22 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 70,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए थे। पीएम मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा था कि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान जब देश विकास के पथ पर काम कर रहा है। सरकारी कर्मचारी के रूप में काम करने का अवसर मिलना बहुत सम्मान की बात है। इस देश के लोगों ने भारत को एक देश बनाने का संकल्प लिया है। पीएम ने कार्यक्रम के दौरान कहा था कि अगले 25 साल भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज हर विशेषज्ञ कह रहा है कि कुछ सालों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में होगा। इसका मतलब है कि रोजगार के अवसर और नागरिक की प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी। बता दें कि रोजगार मेले का आयोजन देश भर में 44 स्थानों पर किया गया। इस पहल का समर्थन करने वाले केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों में भर्तियां हो रही हैं। रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

संस्कृति में अंतर्निहित...

भी है जो पीढ़ियों से चली आ रही हैं। हमारा मानना है कि विरासत आर्थिक विकास और विविधीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति है। यह हमें विविध पृष्ठभूमियों और दृष्टिकोणों को समझने में सक्षम बनाता है। इसलिए आपका कार्य संपूर्ण मानवता के लिए बहुत महत्व रखता है। हम भारतवासियों को अपनी सनातन और विविध संस्कृति पर बहुत गर्व है। जी-20 के संस्कृति मंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री का वीडियो संदेश केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय संस्कृति राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी, संस्कृति मंत्रालय के सचिव, जी-20 सीडब्ल्यूजी के अध्यक्ष गोविंद मोहन और जी-20 देशों के संस्कृति मंत्रियों ने पूरे उत्साह के साथ देखा व सुना। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि हम अपनी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी बहुत महत्व देते हैं। हम अपने विरासत स्थलों को संरक्षित और पुनर्जीवित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि भारत के सभी गांवों के स्तर पर भी अपनी सांस्कृतिक संपदा और कलाकारों का मानचित्रण किया है। हम अपनी संस्कृति का जश्न मनाने के लिए कई केंद्र भी बना रहे हैं। उनमें से प्रमुख हैं देश के विभिन्न हिस्सों में जनजातीय संग्रहालय। ये संग्रहालय भारत के जनजातीय समुदायों की जीवंत संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि नई दिल्ली में हमारे पास प्रधानमंत्रियों का संग्रहालय है। यह अपनी तरह का अनोखा प्रयास है जो भारत की लोकतांत्रिक विरासत को प्रदर्शित करता है। हम *युगे-युगीन भारत* राष्ट्रीय संग्रहालय भी बना रहे हैं। पूरा होने पर यह दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय होगा। इसमें भारत के 5000 साल से अधिक पुराने इतिहास और संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सांस्कृतिक संपत्ति की बहाली का मुद्दा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इस संबंध में आपके प्रयासों का स्वागत करता हूं। मूर्त विरासत का केवल भौतिक मूल्य नहीं होता। यह किसी राष्ट्र का इतिहास और पहचान भी है। हर किसी को अपनी सांस्कृतिक विरासत तक पहुंचने और उसका आनंद लेने का अधिकार है। मोदी ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद से भारत सैकड़ों ऐसी कलाकृतियां वापस लाया है जो हमारी प्राचीन सभ्यता की महिमा को प्रदर्शित करती हैं। उन्होंने कहा कि विरासत आर्थिक विकास और विविधीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति है। भारत को लगभग 3,000 अद्वितीय कलाओं और शिल्पों के साथ अपनी 2,000 साल पुरानी शिल्प विरासत पर गर्व है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में 4सी- कल्चर, क्रिएटिविटी, कॉमर्स और कॉरपोरेशन (सहयोग) का बड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि आपके समूह ने *कल्चर यूनाइट्स ऑल* अभियान शुरू किया है। यह वसुधैव कुटुंबकम की भावना को ही समाहित करता है। यह हमें एक करुणामय, समावेशी और शांतिपूर्ण भविष्य के निर्माण के लिए संस्कृति की शक्ति का उपयोग करने में समर्थ बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि हम वाराणसी में मिल रहे हैं जो मेरा संसदीय क्षेत्र है। काशी न केवल दुनिया का सबसे पुराना जीवित शहर है, यहां से कुछ ही दूरी पर सारनाथ भी है, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था। यह वास्तव में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी है। यह वास्तव में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक राजधानी है।

चीन ने बनाई दुनिया...

से भी कम समय में 124 किलोग्राम वजनी गोले को 700 किलोमीटर प्रति घंटे की आश्चर्यजनक रफ्तार से फायर किया था। अभी तक पूरी दुनिया में इतने बड़े गोले को किसी गन से फायर नहीं किया गया था। अगर यह कॉइल गन चीनी नौसेना में शामिल होती है तो वह किसी भी देश की तट रेखा से दूर रहते हुए उसके इलाके में जबरदस्त फायरिंग कर सकती है। ऐसे गोले को डिटेक्ट करना और एयर डिफेंस सिस्टम से मार गिराना भी काफी कठिन होता है।

कॉइल गन की खासियतें

कॉइल गन को गॉस गन या चुंबकीय त्वरक के रूप में भी जाना जाता है।
यह गन 540 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गोले दाग सकती है।
इसका बैरल कई इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कॉइल से लैस होता है और इन्हें प्रोजेक्टाइल को चलाने में सक्षम चुंबकीय क्षेत्र बनाने के लिए एक के बाद एक सक्रिय किया जाता है।
हालांकि चीनी नौसेना के वैज्ञानिकों ने कॉइल गन की सटीक विशेषताओं का खुलासा नहीं किया है और न ही यह बताया है कि इसे कब परिचालन में लाया जाएगा।
उन्होंने बस इतना कहा है कि ऐसी गन से जागा गया प्रक्षेप्य कई किलोमीटर की दूरी पर लक्ष्य को मार सकता है।
किसी भी देश की तट रेखा से दूर रहते हुए उसके इलाके में जबरदस्त फायरिंग कर सकती है।
इस गन की गति, सीमा, शक्ति, सटीकता, सुरक्षा, लचीलेपन और विश्वसनीयता के मामले में क्रांतिकारी सफलताओं की क्षमता है।
यह हथियार चीनी सशस्त्र बलों को युद्ध की प्रकृति को बदलने में मदद करेगा क्योंकि यह हर वार की विश्वसनीयता और सुरक्षा के साथ-साथ प्रक्षेप्य की गति और सटीकता को बढ़ाएगा।
वैज्ञानिक ने कहा कि इस कॉइल गन के परीक्षण में प्राप्त अनुभव का उपयोग पृथ्वी के निकट उपग्रहों और उच्च गति वाले रॉकेटों को लॉन्च करने में भी किया जा सकता है

सोनपुर सुरंग फिर ...

बारिश हो रही है, जिसकी वजह से यहां भूस्खलन हुआ। पुलिस अधीक्षक जगपाल एस धनोआ ने बताया कि दो वाहन कीचड़ में धंसने से फंस गए। जगपाल एस धनोआ ने आगे कहा कि एनएचएआई को जरूरी मंजूरी के लिए और तीन अन्य उत्तर पूर्वी राज्यों को जोड़ने वाले एनएच 6 पर ट्रफिक सामान्य रूप से सुनिश्चित करने के लिए सूचित किया गया है। एनएचएआई के एक अमलबे और फंसे हुए वाहनों को हटाने के धिकारी ने कहा कि मलबे और फंसे हुए वाहनों को हटाने के लिए जेसीबी और कर्मियों को काम पर लगाया गया है।

राज्य के सात रास...

सांसद पबित्रा मार्गेरिटा ने उन्हें आवंटित 2.50 करोड़ रुपए में से 1.10 करोड़ रुपए का वितरण किया, जबकि रंगव्रा नार्जारी ने अपनी पात्रता के 2.50 करोड़ रुपए का उपयोग किया। अजीत कुमार भुद्यां और बीरेंद्र प्रसाद बैश्य ने क्रमशः 7.50 करोड़ रुपए और 9.50 करोड़ रुपए के अपने आवंटन में से प्रत्येक ने 2.51 करोड़ रुपए खर्च किए। भुवनेश्वर कलिता ने अपनी 9.50 करोड़ रुपए की पात्रता में से 1.53 करोड़ रुपए खर्च किए। फंड के पीछे का उद्देश्य सांसदों को विकास-संबंधी कार्यों की सिफारिश करने में सक्षम बनाना है। वार्षिक एमपीएलएडी निधि पात्रता प्रति सांसद 5 करोड़ रुपए है। इसे 2.5 करोड़ रुपए की दो किस्तों में जारी किया जाता है। सूत्रों ने कहा कि इसलिए, फंड का उपयोग न होना स्थानीय क्षेत्र के विकास के प्रति सांसदों की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कमी को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि चूंकि ये सांसद असम के हितों का प्रतिनिधित्व करने और इसके विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए एमपीएलएडी फंड का उपयोग न होना राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के उनके समर्पण पर एक गंभीर सवाल खड़ा करता है।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल तृतीय अध्याय अध्याय

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(8)

एक भाग में सृष्टि है, तीन सच्चिदानन्द।
लीला वर अस्कम्भ है, शुद्ध सुधा सुख कन्द॥ 19॥

शब्दार्थ : (एक भाग) एक अंश (सुधा) अमृत (सुख कन्द) सुख का मूल।

भाष्य : स्कंभ के एक भाग में सृष्टि है और तीन भाग शुद्ध अमृत चेतन आनंदस्वरूप है। यह महान स्कंभ की अद्भुत लीला है। इन दोहों में प्रश्नों के उत्तर हैं और कहीं-कहीं प्रश्नों के संकेत भी दोहे में करके उसका उत्तर दिया गया है। स्कंभ, खंभा या स्तंभ को कहते हैं।

(9)

एक भाग अस्कम्भ का, व्यापक काल मझार।
त्रिभाग एक ही भाग में, तीन काल व्यवहार॥ 20॥

शब्दार्थ : (एक भाग) एक अंश (काल) सृष्टि।

भाष्य : व्यापक स्कंभ के एक भाग में जगत अर्थात काल-सृष्टि का विस्तार है और त्रिभाग हो कर तीनों काल का व्यवहार एक ही भाग में होता है।

यूपीपीएल ने एपीसीसी के अध्यक्ष के बयान पर किया पलटवार

भूपेन बोरा के आरोप निराधार : माधव छेत्री

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला शहर स्थित यूपीपीएल के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के केंद्रीय सांगठनिक सचिव माधव छेत्री ने बीते कल असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन बोरा द्वारा यूपीपीएल के अध्यक्ष तथा बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोड़ो पर लगाये गये आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने बोरा के बयानों की आज निंदा करते हुए कहा कि असम के ब्रह्मपुत्र के उत्तर में रह रहे बोड़ो समुदाय की उन्नति के लिए जो असम 50 /50 की मांग को लेकर आंदोलन किया गया था उसकी लाज रखते हुए असम सरकार और केंद्रीय सरकार ने 2020 के 27 जनवरी को बीटीआर के रूप में एक शांति समझौता किया था। उन्होंने कहा कि 2020 के 27 जनवरी के बाद से बीटीआर में जो माहौल बना है उससे सभी समुदाय खुश हैं। इसकी वजह से बोड़ोलैंड में यूपीपीएल, भाजपा और जीएसपी की गठबंधन से सरकार बनी हैं जिस पर आज एपीसीसी के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने जो बयान दिया है उसकी हम निंदा करते हैं। उन्होंने जो डिवाइड मनी 50 /50 की बात कही है, उस संबंध में हम आज हम भूपेन बोरा को चुनौती देते हैं की इस बात को साबित करें वरना मीडिया के जरिए माफी मांगें नहीं तो यूपीपीएल उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करेगी। क्योंकि उनके जैसा वरिष्ठ नेता इस प्रकार का बयान दे तो यह बहुत ही दुर्भाग्य की बात है। छेत्री ने कहा कि केंद्रीय सरकार और असम सरकार के नेतृत्व में जो बीटीआर समझौता हुआ था उसके बाद से बीटीआर में शांति, उन्नति का एक माहौल बना है, जिसकी वजह से बीटीआर को शांति पुरस्कार भी मिला है। इस बात को सभी समुदाय ने माना भी है, क्योंकि कांग्रेस के समय में जो अशांति और भय का माहौल था अब वह समय बदल गया हैं और बोड़ोलैंड में अब सिर्फ शांति और उन्नति की बात सोची जाती है। बोड़ोलैंड में यूपीपीएल, भाजपा और जीएसपी गठबंधन सरकार से सभी समुदाय खुश हैं। मीडिया के एक सवाल पर छेत्री ने जवाब देते हुए कहा की बोरा ने जो बयान दिया है कि यूपीपीएल पार्टी भाजपा और मुख्यमंत्री की शतरंज का एक मोहरा हैं तो इसपर चर्चा करना बेकार है, क्योंकि मुख्यमंत्री के नेतृत्व असम की जो उन्नति हो रही है और असम को भारत के प्रथम 5 राज्य में लाने की जो कोशिश हो रही है, इसी कड़ी में यूपीपीएल और प्रमोद बोड़ो उनके साथ हैं और रहेंगे और रही बात आंचलिकतावाद की तो आंचलिकतावाद की राजनीति हम कर रहें हैं और मुख्यमत्री आंचलिकतावाद को साथ लेकर असम और बोड़ोलैंड की जो उन्नति कर रहें हैं। साथ ही प्रमोद बोड़ो ने जो सपना देखा है कि शांति, उन्नति और ग्रेट बोड़ोलैंड की उससे बोड़ोलैंडवासी संतुष्ट हैं। उन्होंने भूपेन बोरा के आरोपों का पूरी तरह से जवाब दिया।

बढ़मपुर उप-जिला घोषित : भाजपाइयों ने की आतिशबाजी

नगांव (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार की 100वीं कैबिनेट बैठक में 81 उप-जिलों के गठन का प्रस्ताव रखा गया। इसी घोषणा के हिस्से के रूप में बढ़मपुर को एक उप-जिला भी घोषित किया। इसको लेकर निर्वाचन क्षेत्र के लोग बेहद खुश हैं। बढ़मपुर विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार से ही खुशियां मनाई जा रही है। कामपुर के लोगों के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर खुशी का इजहार किया। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा जिंदाबाद, विधायक जीतू गोस्वामी जिंदाबाद के नारे लगाए। कामपुर में एक तरह की दिवाली मनायी गई। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी सदस्य बाबुल बोरा, कामपुर नगरपालिका उपाध्यक्ष जयंत फूकन, सामाजिक कार्यकर्ता माधव लस्कर और अन्य उपस्थित थे।

फकीराग्राम में बीपीएफ कार्यकर्ता मिलन समारोह आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम शहीद वेदी के पास स्थित कॉमिनिटी हाल में आज फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ का वर्कर मीटस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीपीएफ के प्रमुख हंग्रमा महिलारी उपस्थित थे। सभा में यूपीपीएल, भाजपा और पूर्व आक्रासू के लगभग 180 कार्यकार्ताओं ने भाग लिया। इन सभी उपस्थित मेहमानों को हग्रामा महिलारी ने गमछा पहनाकर स्वागत किया। इसके अलावा सभा में अतिथि के रूप में उपस्थित बीपीएफ के स्पोक परसन एवं बीटीसी के पूर्व डिप्टी चीफ खांफा बरगयारी, 29 नंबर कोकराझाड़ के विधायक रबिराम नार्जारी, पूर्व मंत्री प्रर्मिला रानी ब्रम्ह, बीपीएफ के कोकराझाड़ जिला समिति के अध्यक्ष एवं बीटीसी के एमसीएलए देरहासात बसुमतारी उपस्थित थे। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए हग्रामा महिलारी ने कहा कि बीटीसी समझौता के अनुसार यहां रह रहे हर व्यक्ति बीटीसी का निवासी है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बीटीसी में अतिक्रमण हटाव जो नोटिस दिया जा रहा है इसका हम पूरजोर विरोध करते हैं। वहीं महिलारी ने संवाददाताओं को बताया कि आज फकीराग्राम बीपीएफ के तहत वर्कर मीट कार्यक्रम सफल समामन हुआ। कार्यक्रम में लगभग 180 भाजपा, यूपीपीएल और पूर्व आक्रासू के कार्यकर्ताओं ने बीपीएफ का दामन थामा। उन्होंने कि आगामी लोकसभा चुनाव में फकीराग्राम बूथ के तरफ से काफी अच्छा रिजल्ट मिलेगा मैं आशावादी हूं। साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले लोकसभा में बीपीएफ ऐकले ही चुनाव लड़ेगा और दोनों सीटों पर परचम लहराएगा।

रनदिया शतदल साहित्य सभा का विशेष सम्मान कार्यक्रम

रंगिया (विभास)। रनदिया शतदल साहित्य सभा की ओर से रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य और रंगिया के प्रमुख विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. भरत वैश्य को आजीवन सदस्य और असम साहित्य सभा का हितैषी सदस्य का प्रमाण पत्र प्रदान किए गया। असम साहित्य सभा के मातृभाषा-राज्यभाषा प्रयोग समिति के संयोजक तथा रनदिया शतदल साहित्य सभा के संस्थापक सचिव हेमंत कलिता के नेतृत्व में शाखा के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा असम साहित्य सभा के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम के अंश स्वरूप दोनों विशिष्ट चिकित्सकों को यह सम्मान प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि इसी कार्यक्रम के अंतर्गत रनदिया शतदल साहित्य सभा द्वारा क्रमश: पत्रकार सैयद मुस्तफा अहमद, भास्कर कलिता, पहरेद अली अहमद, नसीउर रहमान, खाईरुल हुसैन, मोइनुल हक, इनामुल हक, सामसुल हक, अंकुर कलिता, तन्मय दास और टिंकू लहकर को प्रशंसा पत्र प्रदान किया। साथ ही इस मौके पर असम साहित्य सभा के निदेशक मंडल ने अपने अध्यक्ष जेसीमुद्दीन अहमद, उपाध्यक्ष जतिन चंद्र डेका, कलाकार अकन कलिता, साहित्यिक उत्साही पार्थ प्रतिम शर्मा, नसीउर रहमान, पहरेद अली अहमद, कामालुर जामान और जाकिर हुसैन को असम साहित्य सभा के आजीवन सदस्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

पुलिस उप महानिरीक्षक महंत को पीएचडी की मानद उपाधि

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस के उप महानिरीक्षक (प्रशासन) के रूप में सेवारत भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी पार्थसारथी महंत को मानद पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया है। उन्होंने *गुवाहाटी पुलिस आयुक्तालय के विशेष संदर्भ में पुलिस पेशे में कार्य-जीवन संतुलन प्राप्त करने के लिए चुनौतियों और प्रथाओं पर एक अध्ययन* शीर्षक पर शोध करने के बाद उन्होंने असम डाउन टाउन विश्वविद्यालय से मानद पीएचडी प्राप्त की। पुलिस अधिकारी ने शनिवार को आयोजित असम डाउन टाउन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के हाथों से औपचारिक रूप से डिग्री प्राप्त की। महंत असम पुलिस के विशेष कार्य बल के प्रमुख भी हैं। उन्होंने डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के सेवानिवृत्त प्रमुख और वर्तमान में असम डाउन टाउन विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. होमेश्वर गोस्वामी की देखरेख में अपना शोध पूरा किया है। डॉ. पार्थ सारथी महंत अब गुवाहाटी के निवासी हैं। वे एक स्तंभकार और कवि के रूप में भी जाने जाते हैं। वे शिवसागर के वैकुंठ के प्रोफेसर शरत महंत और मीना महंत के सबसे बड़े बेटे हैं।

अमृत वृक्ष आनंदोलन सफल बनाने के लिए जागरूकता सभा का आयोजन

नगरबेड़ा (विभास)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के आह्वान पर 17 सितंबर को राज्य के अन्य हिस्सों के साथ कामरूप जिले में भी अमृत वृक्ष आंदोलन को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष ध्यान रखा है। इस अवसर पर असम सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अमृत वृक्ष अंदोलन कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आज शाम जिले के नगरबेड़ा थाना परिसर में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगरबेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त अंचल संगठक अबुल कलाम आजाद ने की। इस अवसर जिले आरक्षी अधीक्षक हीदेश चन्द्र रॉय, कामरूप महानगर और कामरूप जिले के गांव सुरक्षा बल के उप सलाहकार गौतम बरूआ, नगरबेड़ा थाना प्रभारी मिरेल अहमद के साथ नगरबेड़ा क्षेत्रीय मौजा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी ने भी अपने विचार रखे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष 17 सितंबर को राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने 1 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया है और उसी के तहत जिले के विभिन्न पुलिस थानों के साथ-साथ नगरबेड़ा थाना क्षेत्र को पंजीकरण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सूचीबद्ध हुआ है इस बारे में जानकारी लेने आए थे। कामरूप जिले के पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र रॉय और कामरूप सिटी और कामरूप जिले के ग्राम सुरक्षा बल के उप सलाहकार गौतम बरुआ के साथ नगरबेड़ा पुलिस स्टेशन के तहत विभिन्न गांवों के अध्यक्षों, सचिवों और ग्राम रक्षकों के सदस्यों के साथ जागरूकता बैठक को संबोधित किया। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे पौधे लगाकर ग्लोबल वार्मिंग पर अंकुश लगाकर पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखें और साथ ही वृक्षारोपण का संकल्प लेकर अमृत वृक्षारोपण आंदोलन को सफल बनाएं।

बांग्लादेश सीमा पार कर रहा तस्कर गाय के साथ गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। जिले के खारुवाबांधा थाना क्षेत्र के शिशुमारा में बीएसएफ ने बीती रात तस्करी की गाय के साथ एक व्यक्ति को पकड़कर आज पुलिस के हवाले कर दिया। उल्लेखनीय है कि शिशुमारा बीएसएफ कैंप की 45वीं बटालियन ने रात में नदी सीमा पर गश्त करते हुए रात करीब दो बजे एक पशु तस्कर को रोका और एक गाय जब्त की। गिरफ्तार तस्कर की पहचान जिले के खारुवाबांधा थाना क्षेत्र के कोकराडांगा गांव निवासी मयनल शेख के पुत्र नूर मोहम्मद (29) के रूप में की गई है। बीएसएफ ने नदी सीमा से बांग्लादेश जा रहे तस्कर को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। उसे बीएसएफ ने पकड़कर खारुवाबांधा थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

तामुलपुर जिले के गठन को लेकर लोगों में खुशी की लहर

तामुलपुर (हिंस)। तामूलपुर जिले के पुनर्गठन को लेकर तामुलपुर के लोगों में काफी खुशी है। तामुलपुर जिले का पुनर्गठन तामुलपुर और गोरेश्वर विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने मंत्रिमंडल के फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। तामुलपुर के लोग कल शाम आतिशबाजी करके और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर खुशी जाहिर की।

भाजपा में जिले के गठन को लेकर विजयोल्लास

तामुलपुर (हिंस)। तामूलपुर जिला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तामुलपुर को फिर से जिला बनाये जाने पर जीत का जश्न मनाया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। गयबाड़ी मंडल भाजपा मुख्यालय के सामने भाजपा जिंदाबाद, वंदे मातरम, भारत माता की जय आदि नारे लगाकर पटाखे फोड़े गए। शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में तामुलपुर को फिर से जिला बनाए जाने की घोषणा के बाद से ही इलाके में खुशी की लहर व्याप्त है। तामलपुर जिला भाजपा अध्यक्ष विक्टर कुमार दास, एमसीएलए हेमंत कुमार राभा और बिजीत गौड़ा नार्जारी ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को धन्यवाद दिया।

तेरापंथ महिला समाज ने सिंजारा उत्सव का आयोजन किया

गुवाहाटी (विभास)। तेरापंथ महिला समाज द्वारा स्थानीय तेरापंथ धर्म स्थल में आओ झूले सावन के झूले का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में असम की प्रथम महिला श्रीमती अनीता कटारिया उपस्थित थी। इस अवसर पर तेरापंथ धर्म स्थल में चातुर्मास प्रवास में विराजित साध्वी श्री स्वर्ण रेखाजी ने मंगल पाठ सुनाया। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष अमराव बोथरा और मंत्री ममता दूगड़ ने आई हुई सभी बहनों का तीज के सिंधारे में स्वागत किया और अपने पदाधिकारी के साथ गणेश वंदना से विधिवत कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्य अतिथि श्रीमती अनीता कटारिया ने गणेशजी के आगे दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में तेरापंथ समाज की महिलाओं में पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा धारण राजस्थानी थीम पर कार्यक्रम में डांस, ड्रामा गेम्स, गीत, गिफ्ट्स, लजीज भोजन आदि का लगभग 311 बहिनों ने आनंद उठाया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सुनीता सुराणा एवं सुमिता बरडिया ने मारवाड़ी में किया। कार्यक्रम संयोजिकाएं बिमला कोचर, विद्या कुंडलिया, मीरा सुराणा एवम सभी बहिनों के सहयोग से सिंधारे का प्रोग्राम सफल रहा।

श्री श्याम सत्संग मंडल का श्री श्याम झूलन महोत्सव आज

गुवाहाटी (विभास)। श्री श्याम सत्संग मंडल गुवाहाटी के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्याम झूलन महोत्सव का आयोजन आगामी रविवार को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम किया जाएगा। भरलुमुख स्थित मैग्नम टावर परिसर में रात्रि 9 बजे से कार्यक्रम का शुभारंभ पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलित कर की जाएगी। आयोजकों ने बताया कि इस मौके पर खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु का अलौकिक दरबार बैठाया जाएगा, जिसमें फूलों द्वारा शृंगार किया जाएगा। इस दौरान आयोजित रात्रि जागरण में भजनों की अमृत वर्षा की जाएगी। आयोजकों ने सभी भक्तों से झूलन महोत्सव में उपस्थित होकर इस सफल बनाने का आह्वान किया है।

नगरबेड़ा : बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज का स्थापना दिवस आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्रेटर नगरबेड़ा स्थित अग्रणी उच्च शिक्षण संस्थान बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज का 51वां स्थापना दिवस आज कॉलेज परिसर में एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमल चंद्र पाठक ने सुबह 9.30 बजे ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सुबह दस बजे कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर बिप्लब नाग, पीजूपाड़ा दासपाड़ा के क्रमश: जतिंद्र दास और सुशीला दास ने पेड़ लगाए। सुबह ग्यारह बजे श्रद्धांजलि समारोह का उद्घाटन नगरबेड़ा मौजा कमेटी के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी ने किया। समारोह समिति की संयुक्त संयोजक प्रोफेसर अनीता केवट और प्रोफेसर भूमिजा बर्मन ने समारोह की परिचालन की, जिसमें कॉलेज परिचालना कमिटी के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त प्रोफेसर श्यामाचरण ठाकुरिया ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमल चंद्र पाठक, कालेज परिचालना कमिटी के सदस्य, शिक्षक समूह के अध्यक्ष, सचिव, स्टाफ समूह के अध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, पूर्व शिक्षक, पूर्व छात्र, कॉलेज के स्थापना वर्ष के छात्र और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे और कॉलेज के संस्थापकों को याद किया और दिवंगत महान हस्तियों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शाम करीब 6 बजे कॉलेज के परिवार ने दीप प्रज्वलित किया।

रंगिया में श्रीश्री गणेश चतुर्थी महोत्सव को लेकर बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। स्थानीय श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में आगामी श्रीश्री गणेश चतुर्थी महोत्सव के आयोजन को लेकर गत बृहस्पतिवार को स्थानीय श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में एक साधारण सभा का आयोजन किया गया। समाजबंधु आशिक सुरेका की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पुर्व समिति द्वारा गत वर्ष के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करने के पश्चात गत समिति के पदमुक्ति की घोषणा की गई। वहीं इसवर्ष मंदिर प्रांगण में आगामी 18 सितंबर से 20 सितंबर तक तीन दिवसीय कार्यक्रमों के आयोजित होने वाले 35 वें वार्षिक महोत्सव के सफल संचालन के लिए एक समिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष प्रमोद छित्रका, सचिव सौरभ बजाज, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, उप-सचिव कपीस जाजोदिया, कोषाध्यक्षद्वय कौशल सिंघानिया व शशांक जैन को चुना गया है। सभा में श्री सुरेका के साथ गोपाल जाजोदिया, राकेश सिकरिया, प्रमोद बजाज, आशिष लुंडिया, प्रमोद छित्रका, राजेश लाडसरिया, शुभम जाजोदिया, सौरभ बजाज, कौशल सिंघानिया, कपीस जाजोदिया, अंकुश बजाज, पंकज अग्रवाल, मुकेश सिकरिया, शशांक जैन आदि युवा बंधुओ सहित यश बजाज और पवन चौधरी ने भाग लिया।

लिवर व किडनी प्रत्यारोपण में रोबोटिक सर्जरी एक क्रांतिकारी तकनीक : कावेरी अस्पताल

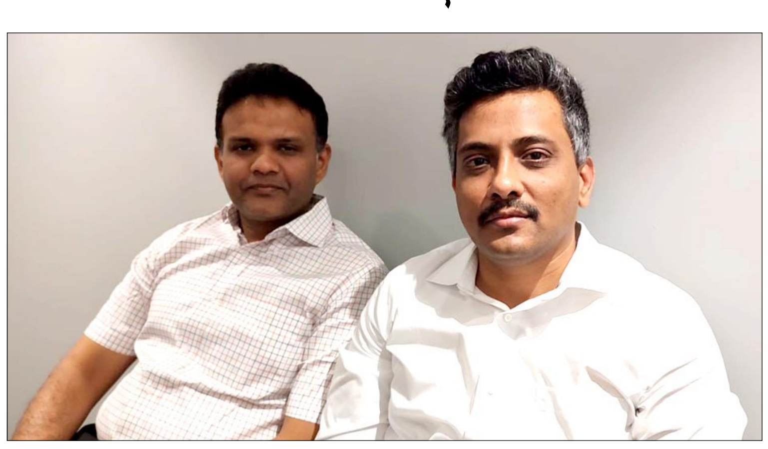

गुवाहाटी। तमिलनाडु में अग्रणी मल्टी-स्पेशियलिटी हेल्थकेयर श्रृंखलाओं में से एक कावेरी हॉस्पिटल अलवरपेट ने हाल ही में कावेरी इंस्टीट्यूट ऑफ रोबोटिक सर्जरीज लांच किया है। कावेरी इंस्टीट्यूट ऑफ रोबोटिक सर्जरी गैस्ट्रो एंट्रोलॉजी, हेपेटो-पैनक्रिएटो-बिलीरी सर्जरी, यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, कार्डियो थोरेसिक सर्जरी और ट्रांसप्लांट, विशेष रूप से किडनी ट्रांसप्लांटेशन और लाइव लिवर डोनर ऑपरेशन के क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी में अत्यधिक कुशल और अनुभवी सर्जनों को, सबसे सटीक, न्यूनतम पहुंच और परिष्कृत सर्जिकल देखभाल प्रदान करने के लिए एक साथ लाएगा। इस नवोन्मेषी कार्यक्रम के केंद्र में दा विंची है, जो चौथी पीढ़ी का रोबोटिक सिस्टम है, जो अपनी असाधारण सटीकता और 3डी विजन तकनीक के लिए प्रसिद्ध है। प्रौद्योगिकी पर बोलते हुए डॉ. बाबू एलंगोवन वरिष्ठ सलाहकार-लिवर प्रत्यारोपण और हेपेटोपैनक्रिटिकोबिलरी, कहते हैं कि यह उन्नत प्रणाली सर्जनों को अद्वितीय स्पष्टता के साथ सबसे जटिल वाहिकाओं और ऊतकों को देखने की क्षमता प्रदान करती है। इसके अलावा, रोबोटिक उपकरणों को उन संरचनात्मक क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए डिजाइन किया गया है जो मानव उपकरणों के लिए चुनौतियां पैदा कर सकते हैं, जिससे व्यापक और बेहतर सर्जिकल परिणाम सुनिश्चित होते हैं। रोबोटिक लिविंग डोनर लिवर सर्जरी में कम दर्द और न्यूनतम निशान होता है और रिकवरी भी जल्दी होती है। सर्जन रोबोटिक भुजाओं की बेहतर कलाई गतिविधियों के साथ सटीक रूप से सर्जरी कर सकते हैं, और इससे संवहनी एनास्टोमोसिस करने में भी मदद मिलती है। पारंपरिक सर्जरी की तुलना में दाता जल्द ही रोजमर्रा की गतिविधियों को फिर से शुरू कर सकता है। कावेरी अस्पताल रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट प्रदान करने वाले देश के बहुत कम केंद्रों में से एक है। परंपरागत किडनी प्रत्यारोपण के लिए खुली सर्जरी की आवश्यकता होती है, जिसमें दाता की किडनी लगाने के लिए पेट के निचले हिस्से में एक महत्वपूर्ण चीरा लगाया जाता है। इस प्रक्रिया में प्राप्तकर्ता की रक्त वाहिकाओं के साथ गुर्दे की धमनियों और नसों का नाजुक कनेक्शन शामिल होता है, साथ ही मूत्रवाहिनी को मूत्राशय से भी जोड़ा जाता है। 30 से अधिक बीएमआई वाले मरीजों को धीमी, दर्दनाक रिकवरी का अनुभव होता है और अक्सर ध्यान देने योग्य घाव बने रहते हैं। इसके विपरीत, कावेरी अस्पताल में रोबोटिक किडनी प्रत्यारोपण में 5 सेंटीमीटर के छोटे चीरे का उपयोग करके न्यूनतम आक्रामक दृष्टिकोण अपनाया जाता है। इस विधि के दौरान, सर्जन दाता किडनी को पेट में डालता है, और प्राप्तकर्ता के शरीर में रक्त वाहिकाओं और मूत्रवाहिनी को जटिल रूप से जोड़ता है, चेन्नई के कावेरी अस्पताल में नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. प्रभु कांची कहते हैं। अस्पताल ने नवीनतम रोबोटिक प्रणाली का उपयोग करके 35 से अधिक सर्जरी की हैं।

प्रधानमंत्री मिले इसरो प्रमुख एस सोमनाथ से, बेंगलुरु पहुंचकर चंद्रयान-3 की सफलता के लिए बधाई दी

बेंगलुरु, (हि.स.)। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार सुबह यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आइएसटीआरएसी) के मिशन संचालन परिसर में पहुंचे। यहां उनकी इसरो प्रमुख एस सोमनाथ और अन्य वैज्ञानिकों से मुलाकात हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण अफ्रीका और ग्रीस की आधिकारिक यात्रा से लौटने के फौरन बाद सुबह बेंगलुरु पहुंचे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने 'जय विज्ञान-जय अनुसंधान' का नारा दिया।

यहांएचएएल हवाई अड्डे के बाहर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-'मैं खुद को रोक नहीं सका, क्योंकि मैं देश में नहीं था, लेकिन मैंने दौरे के तुरंत बाद स्वदेश पहुंचने पर सबसे पहले बेंगलुरु जाने और अपने वैज्ञानिकों से मिलने का फैसला किया।' प्रधानमंत्री ने हवाईअड्डे के बाहर एकत्र लोगों का अभिवादन भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा-'मैं उन असाधारण इसरो वैज्ञानिकों से बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं, जिन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता से भारत को गौरवान्वित किया। उनका समर्पण और जुनून वास्तव में अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारे देश की उपलब्धियों के पीछे प्रेरक शक्ति है।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हवाईअड्डे के बाहर एकत्र लोगों से जय जवान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान के नारे भी लगवाए। उन्होंने कहा जो दृश्य आज मुझे यहां दिखाई दे रहा है वह मुझे ग्रीस और जोहानिसबर्ग में भी दिखाई दिया। दुनिया के हर कोने में न सिर्फ भारतीय बल्कि विज्ञान में विश्वास करने वाले, भविष्य को देखने वाले, मानवता को समर्पित सब लोग इतने ही उमंग और उत्साह से भरे हुए हैं।

गहलोत लाल रंग और लाल डायरी से बहुत डरते हैं, अंदर काले कारनामे छिपे हैं : अमित शाह

जयपुर, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लाल डायरी का एक बार फिर जिक्र करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आजकल गहलोत साहब लाल रंग और लाल डायरी से बहुत डरते है, क्योंकि लाल डायरी के अंदर काले कारनामे छिपे हुए हैं। अरबों-करोड़ों रुपये के काले कारोबार का काला चिट्ठा लाल डायरी में है। शाह शनिवार को गंगापुर सिटी में सहकार किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में शाह ने चंद्रयान की सफलता और सहकार मंत्रालय समेत मोदी सरकार की ओर से किसान हितों में किए गए कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद समग्र देश में एक नयी ऊर्जा का संचार हुआ है। कांग्रेस सरकार ने किसानों के लिए कुछ नहीं किया लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किसानों के लिए कई योजनाएं शुरू कीं और हर साल छह हजार रुपये किसान सम्मान निधि के रूप में दे रही है। मोदी ने किसानों की 75 साल की मांग को पूरा करते हुए सहकारिता मंत्रालय बनाया। मोदी ने कृषि बजट छह गुना बढ़ाया है। अमित शाह ने कहा कि मैं आ रहा था तो एक किसान ने कहा कि हमारे यहां बिजली नहीं मिलती है। इसके विपरीत बिजली खरीद में धांधली हो रही है। गहलोत साहब को बिजली खरीदी में अधिक रुचि है। सभा में सरकार विरोधी नारेबाजी को लेकर सीएम गहलोत पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा कि मैं गहलोत साहब को कहने आया हूं, ये चंद लोग भेजकर नारे लगाने से कुछ नहीं होता है। जरा भी शर्म बची है तो लाल डायरी के मुद्दे पर इस्तीफा देकर चुनाव मैदान में आइए और हो जाए दो-दो हाथ। उन्होंने टोकते हुए कहा कि अभी जो लोग नारे लगा रहे थे, नारे लगाने की बजाय चंद्रयान को बढ़ाया होता और सहकार मंत्रालय बनाया होता तो ये नारे नहीं लगाने पड़ते। सम्मेलन में सहकार समितियों को लेकर लिखी किताब का विमोचन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। शाह ने राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की जीत और केन्द्र में फिर से मोदी सरकार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि राजस्थान ने 2014 और 2019 दोनों लोकसभा चुनावों में सभी सीटें मोदी की झोली में डाली थी। 2024 में भी जनता फिर से सभी सीटों पर भाजपा को जिताएगी। इसके साथ ही जनता लोकसभा चुनाव से पहले होने वाले 2023 के विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन के लिए भी तैयार है। संबोधन के अंत में उन्होंने दोबारा लाल डायरी का जिक्र करते हुए कहा कि घर में कोई लाल डायरी हो तो उसका कलर लाल मत रखना वरना गहलोत जी नाराज हो जाएंगे। सम्मेलन को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी संबोधित किया।

मदुरै यार्ड जंक्शन पर प्राइवेट बोगी में लगी आग, 10 की मौत

मदुरै (तमिलनाडु), (हि.स.)। मदुरै यार्ड जंक्शन के पास सुबह लखनऊ से रामेश्वरम जा रही ट्रेन (पुनालुर-मदुरै एक्सप्रेस) की एक प्राइवेट बोगी में आग लग गई। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में अधिकतर लोग उत्तर प्रदेश के हैं। करीब 20 अन्य लोग झुलस गए हैं। मदुरै के कलेक्टर ने इसकी पुष्टि की है। अधिकारियों का कहना है कि इस बोगी की थर्ड पार्टी बुकिंग सीतापुर की एक ट्रेवल एजेंसी ने कराई थी। इसमें 63 लोग सफर कर रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, इस कोच में मदुरै यार्ड जंक्शन पर आग लगने की सूचना सुबह करीब 5:15 बजे मिली। 5:45 बजे फायर बिग्रेड ने आग बुझाने का काम शुरू किया। सुबह 7:15 बजे आग पर काबू पाया गया। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कोच में आग लगने का मुख्य कारण रसोई गैस सिलेंडर रहा।

रेलवे के अनुसार, आईआरसीटीसी से कोई भी कोच की बुकिंग कर सकता है, लेकिन सिलेंडर ले जाने पर रोक है। बावजूद इस बोगी में सिलेंडर लेकर कोई यात्री सवार हुआ। डीआरएम समेत अन्य रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। झुलसे यात्रियों को गवर्नमेंट राजाजी मेडिकल कॉलेज मदुरै में भर्ती करवाया गया है। इस बीच रेलवे ने प्रत्येक मृतक के आश्रित को 10 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

कोर्ट में पेश नहीं होने पर पूर्व विधायक रामबीर शौकीन को छह माह की कैद व 15 हजार का जुर्माना

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व विधायक रामबीर शौकीन को मकोका के मामले में कोर्ट में पेश नहीं होने पर चार महीने की कैद और 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। स्पेशल जज गीतांजलि गोयल ने ये आदेश दिया। कोर्ट ने शौकीन को इस मामले में भगोड़ा घोषित कर रखा था। शौकीन को नीरज बवाना समेत पांच आरोपितों के साथ आरोपित बनाया गया था। मकोका के मामले में कोर्ट ने शौकीन समेत पांचों आरोपितों को बरी कर दिया था लेकिन कोर्ट में पेश नहीं होने की वजह से शौकीन को भारतीय दंड संहिता की धारा 174ए का दोषी पाया था। कोर्ट ने पंकज सहरावत, नीरज सहरावत, नवीन डबास और राहुल डबास को मकोका की धारा 3 के मामले में बरी करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने रामबीर शौकीन को मकोका की धारा 3(2), 3(3), 3(5) और 4 के तहत बरी कर दिया था। कोर्ट ने रामबीर शौकीन को भारतीय दंड संहिता की धारा 174ए का दोषी करार दिया था।

रामबीर शौकीन को 28 नवंबर, 2016 को मकोका के तहत गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ अपने भतीजे नीरज बवाना के गिरोह के साथ संगठित अपराध को अंजाम देने का आरोप था।

दिल्ली दंगा मामला: जांच अधिकारी के साइट प्लान नहीं बनाने पर कोर्ट ने जताई नाराजगी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के मामले में दिल्ली पुलिस के जांच अधिकारी की ओर से घटनास्थल का साइट प्लान नहीं बनाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की है। एडिशनल सेशंस जज पुलस्त्य प्रमाचल ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को जांच अधिकारी के व्यवहार का आकलन करने का निर्देश दिया है। मामला उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाने में दंगों से संबंधित छह घटनाओं की है। छह घटनाओं को एक ही एफआईआर में क्लब कर दिया गया है। जांच अधिकारी इंस्पेक्टर शिवचरण ने तीन घटनाओं के साइट प्लान तो बनाए हैं लेकिन तीन के नहीं बनाए हैं। जांच अधिकारी ने कोर्ट में दावा किया था कि उन घटनास्थलों की जांच की थी, जिनके साइट प्लान नहीं बने हैं। जब कोर्ट ने पूछा कि तीन घटनास्थलों के साइट प्लान बने हैं जबकि तीन के नहीं तो वो कोई वजह नहीं बता सका। कोर्ट ने कहा कि ये स्थिति तब है, जब कोर्ट ने जांच अधिकारी को घटनाओं का कैलेंडर बनाने के लिए छह महीने दिए थे। कोर्ट ने कहा कि न तो जांच ठीक से की गई है और न ही साक्ष्य ठीक से जुटाए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि एक समग्र साइट प्लान दाखिल किया गया, जिसमें घटना के कई स्थानों का जिक्र ही नहीं था। ऐसे दोहरे मानदंड से जांच कैसे की जा सकती है। कोर्ट ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के डीसीपी को निर्देश दिया कि वो जांच अधिकारी के अधूरे कामों को ठीक कराएं।

कोलकाता में पकड़ा गया आईएसआई का एजेंट, खुफिया जानकारी भेज रहा था पाकिस्तान

कोलकाता, (हि.स.)। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक एजेंट को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। आरोपित भक्त बंशी झा (36) मूल रूप से बिहार के दरभंगा का रहने वाला है जिसने भारतीय सेना और इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया जानकारियां आईएसआई को भेजी हैं। एसटीएफ के उपायुक्त वी सोलेमन नेशा कुमार ने शनिवार सुबह उसकी गिरफ्तारी की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि भारतीय खुफिया एजेंसी की सूचना के आधार पर एसटीएफ ने भक्त बंसी को गिरफ्तार किया। उसके मोबाइल फोन से कई फोटोग्राफ, वीडियोग्राफ्स और ऑनलाइन चैट बरामद किए गए हैं। ये सारी गोपनीय जानकारी देश की सुरक्षा से संबंधित है। उसने ये तमाम जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एक एजेंट को भेजी थी। उसके खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 3/9 और 120 बी के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। सूत्रों ने बताया है कि फेसबुक पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंट से उसकी दोस्ती हुई थी। आरुषि नाम की एक लड़की बन कर एजेंट ने झा से दोस्ती की थी। उसके बाद भक्त बंसी भारतीय सेना, खुफिया एजेंसी और सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण जगहों की तस्वीरें और वीडियोग्राफी पाकिस्तानी खुफिया एजेंट को उपलब्ध करवा रहा था। उससे पूछताछ हो रही है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को झुंझुनू आयेंगे

झुंझुनू, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी पत्नी डॉ. श्रीमती सुदेश धनखड़ के साथ रविवार 27 अगस्त को राजस्थान का दौरा करेंगे। इस एक-दिवसीय यात्र में वे जयपुर और अपने गृह जनपद झुंझुनू जाएंगे। इस दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति सबसे पहले हेलीकॉप्टर द्वारा दिल्ली से झुंझुनू जिले में लोहार्गल पहुंचेंगे और वहां के प्रसिद्ध सूर्य मंदिर में पूजा अर्चना करेगें। उसके बाद वे रानी शक्ति मंदिर में दर्शन करेगें। तत्पश्चात उपराष्ट्रपति सैनिक स्कूल झुंझुनू पहुंचेंगे जहां वह स्कूल के शिक्षकों और विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे और उनका उत्साहवर्धन करेंगे। ज्ञात रहे कि धनखड़ स्वयं सैनिक स्कूल के छात्र रहे हैं और पिछले ही हफ्ते वे चित्तौड़गढ़ में अपने सैनिक स्कूल गए थे। झुंझुनू जिले में अपने कार्यक्रमों के बाद उपराष्ट्रपति जयपुर पहुचेंगे, जहां वे राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति का राजभवन जयपुर जाने का भी कार्यक्रम है।

गुजरात सरकार ने अडानी समूह को पहुंचाया लाभ : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि गुजरात सरकार ने वर्षों तक अडानी समूह को लाभ पहुंचाया है। इस मामले की जांच होनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गुजरात सरकार ने अडानी पावर मुंद्रा लिमिटेड के साथ एक पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) साइन किया। इसमें एक शर्त थी कि इंडोनेशिया से जो भी कोयला आएगा, उसके तय मूल्य के आधार पर एनर्जी चार्जेज अडानी पावर मुंद्रा लिमिटेड को दिए जाएंगे। पीपीए में लिखा गया कि अडानी जो भी कोयला खरीदेंगे, उसकी कॉम्पिटटिव बिड और बिल के कागजात सरकार को देंगे, जिनकी तुलना सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मूल्य तय करने वाले सर्किट से करेगी। इसके बावजूद अडानी पावर मुंद्रा लिमिटेड ने 5 साल तक कोई कागजात नहीं सौंपे और सरकार एनर्जी चार्जेज के नाम पर करोड़ों रुपये देती रही। शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि बीते दिनों गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड की ओर से अडानी पॉवर मुंद्रा लिमिटेड को एक चिट्ठी लिखकर 3,900 करोड़ रुपये अडानी समूह से वापस मांगे हैं। सिंह ने कहा कि कोयला खरीद और बेचने को लेकर गुजरात सरकार ने 5 साल में अडानी समूह को 13,802 करोड़ की राशि दी है, जबकि गुजरात सरकार को केवल 9,902 करोड़ देने थे। अब गुजरात सरकार ने अडानी समूह को पत्र लिखकर आग्रह किया गया कि वह सरकार को 3,900 करोड़ रुपये वापस करे। सिंह ने आरोप लगाया है कि ये पैसे पांच साल में जान बूझकर अडानी समूह को दिए गए। इसकी जांच होनी चाहिए।

पंजाब की कानून व्यवस्था पूरी तरह पुख्ता, राज्यपाल के उठाए मामलों पर पर्याप्त कार्रवाई की गई : सीएम मान

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित द्वारा उनके सवालों का जवाब न देने पर राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की चेतावनी देने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि वह पहले ही 16 में से 9 सवालों का जवाब दे चुके हैं। सीएम मान ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल द्वारा उठाए गए मुद्दों, ड्रग्स और कानून व्यवस्था पर पर्याप्त कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री ने बताया, शुक्रवार को राज्यपाल ने पंजाब के शांतिप्रिय लोगों को धमकी दी कि वह राष्ट्रपति शासन लगा दूंगा। मान ने कहा कि जब से हमारी सरकार आई है, बहुत सारे काम हुए हैं। सिर्फ अगस्त में 41 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। अब तक 753 गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया गया है, 786 हथियार और वाहन जब्त किए गए हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। मान ने कहा, मैं एक मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि 3.5 करोड़ पंजाबियों की ओर से एक आम आदमी के तौर पर जवाब दे रहा हूं। उन्होंने कहा, हमने अपनी आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। हमने अपने देश की सीमाओं की रक्षा की और देश को हरित क्रांति का पोषण दिया। हम राष्ट्रीय हित के सभी मुद्दों पर अपने देश के साथ खड़े हैं। राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने आप सरकार पर संविधान के खिलाफ काम करने और उनके पत्रों का जवाब नहीं देने का आरोप लगाया।

अब प्रदेश में बारिश का दौर होगा कमजोर, 28 अगस्त तक येलो अलर्ट

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड में अब बारिश से राहत मिलने के आसार हैं। प्रदेश में 28 अगस्त तक कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बारिश की बौछारों को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। बारिश कम होने की स्थिति में चारधाम सहित राज्य में अन्य स्थानों पर यात्रा कर सकते हैं। प्रदेश में 02 राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कुल 158 अन्य सड़कें अवरुद्ध हैं। शनिवार को देहरादून सहित प्रदेश भर में सुबह धूप निकली। हालांकि आसमान में बादल बने हुए हैं। सूर्यदेव के बादलों के बीच निकल रहे हैं। राजधानी में चिलचिलाती धूप निकली हुई है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूवार्नुमान में आज (शनिवार) और 28 अगस्त को उधमसिंह नगर और हरिद्वार को छोड़कर अन्य 11 जिलों में येलो अलर्ट और 27 अगस्त को राज्य भर के लिए येलो अलर्ट जारी है। इस दौरान बिजली चमकने के साथ कई दौर की बारिश होने की संभावना है। उत्तराखंड में जुलाई में 552.7 एमएम बारिश हुई थी जो सामान्य से 32 फीसदी अधिक है। जबकि, 25 अगस्त तक 342.3 एमएम बारिश हो चुकी है। यह सामान्य से पांच फीसदी अधिक है। मौसम केन्द्र देहरादून के निदेशक बिक्रम सिंह का कहना है कि मानसून सीजन में तेज बारिश का मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ और मानसूनी प्रणाली का सक्रिय प्रभाव है। अगले 08 से 10 दिन तक बारिश के कमजोर रहने की संभावना हैं। कुछ जगहों पर खासकर कुमाऊं रीजन के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी और धूप भी निकलेगी। इस दौरान राज्य में चारधाम सहित अन्य स्थानों की यात्रा कर सकते हैं। राज्य आपदा परिचालन केन्द्र के सुबह जारी आंकड़े के मुताबिक प्रदेश में दो राष्ट्रीय राजमार्ग और 05 बॉर्डर व 08 राज्य मार्ग सहित लगभग 158 अन्य सड़कें अवरुद्ध हैं।

बृजभूषण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों पर एक सितंबर को सुनवाई

अजय कुमार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों के संबंध में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और विनोद तोमर के खिलाफ दायर मामले की सुनवाई टाल दी है। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने मामले की अगली सुनवाई एक सितंबर को करने का आदेश दिया। कोर्ट एक सितंबर को इस मामले के क्षेत्राधिकार पर दलीलें सुनेगा। आज सुनवाई के दौरान बृजभूषण सिंह पेश नहीं हुए। बृजभूषण ने आज कोर्ट से पेशी की छूट की मांग की जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। 11 अगस्त को सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा था कि महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों के संबंध में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और विनोद तोमर के खिलाफ यौन शोषण के पर्याप्त साक्ष्य हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से वकील अतुल श्रीवास्तव ने कहा था कि गले लगाना यौन शोषण के दायरे में नहीं आता है। यह सिर्फ गले लगाने भर का मामला नहीं है, मंशा के ऊपर निर्भर करता है, इसको साबित करने का दबाव आरोपित पर होता है। उन्होंने कहा था कि एक शिकायतकर्ता ने कहा है कि मंगोलिया में जब ओलंपिक क्वालिफिकेशन के लिए गए तो वहां डिनर के समय बृजभूषण सबसे अलग टेबल पर बैठे। वहां पर शिकायतकर्ता को बुलाया गया और बृजभूषण ने उसकी छाती तो छुआ और अपना हाथ उसके पेट तक ले गए, उसके बाद दोबारा उसकी छाती को छुआ। क्या यह यौन शोषण के दायरे में नहीं आता है। अतुल श्रीवास्तव ने कहा था कि जो घटना देश के बाहर हुई है उसकी भी एफआईआर कनाट प्लेस थाने में दर्ज हुई है, ऐसे में इसी कोर्ट का क्षेत्राधिकार बनता है। बृजभूषण सिंह की ओर से 9 अगस्त को वकील राजीव मोहन ने दलील देते हुए कहा था कि 6 लोगों द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर चार्जशीट दाखिल की गई। उन्होंने कहा कि कानून के मुताबिक बृजभूषण के ऊपर लगाए गए सभी आरोपों पर अलग-अलग जांच और चार्जशीट भी अलग-अलग दाखिल की जानी चाहिए थी। जबकि एक मामले में सभी 6 शिकायतकर्ताओं की शिकायतों के आधार पर एक ही चार्जशीट दाखिल कर दी गई। कोर्ट ने 20 जुलाई को बृजभूषण सिंह और सह आरोपित विनोद तोमर को जमानत दी थी। सात जुलाई को कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 15 जून को दिल्ली पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। चार्जशीट में भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354डी, 354ए और 506 (1) के तहत आरोप लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में बृजभूषण सिंह के खिलाफ छह बालिग महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के मामले में चार्जशीट दाखिल किया है। महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी।

मुख्यमंत्री योगी से मोहसिन रजा ने की मुलाकात, खेल कोटे में नौकरियों पर जताया आभार

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद मोहसिन रजा ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर खेल कोटे में प्रदान की गई नौकरियों के लिए आभार और धन्यवाद देकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मुलाकात में पूर्व मंत्री मोहसिन रजा ने मुख्यमंत्री से खेल और खिलाड़ियों के हित में मांग रखी है। उन्होंने खेलों में उत्तर प्रदेश की सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रदेश की एक से अधिक बेहतर संभव टीम बनाने की मांग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रखी। मोहसिन रजा ने वार्ता के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे आबादी के लिहाज से, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध व पर्यटन के क्षेत्र में भी बहुत आगे है। श्री रजा ने कहा कि उत्तर प्रदेश का युवा खेल के क्षेत्र में अपनी पूर्ण क्षमता तथा उर्जा लगाता है। जिसका जीता जागता प्रमाण हमें अभी हाल में खेलो इंडिया के तहत यूनिवर्सिटी गेम्स में आयोजित खेलों में देखने को मिला है। मोहसिन रजा ने मुख्यमंत्री बोर्ड और सीधे से उत्तर प्रदेश की समस्त खेलों में 01 से अधिक टीम बनाए जाने और उन्हें खेलने का अवसर दिए जाने हेतु निर्देशित करने का अनुरोध किया है।

श्री रजा ने यह भी उदाहरण दिया कि गुजरात व महाराष्ट्र से एक से अधिक टीम रणजी क्रिकेट खेलती हैं। मोहसिन रजा ने कहा कि उप्र की ज्यादा टीमें खेलती तो निश्चित तौर पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की संख्या अधिक होती।

उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को यदि आबादी के अनुपात में पर्याप्त मात्रा में अवसर प्राप्त होगा तो राज्य एवं देश खेल के क्षेत्र में और अधिक ऊंचाइयों प्राप्त करेगा। मोहसिन रजा मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री से उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों द्वारा खेले जा रहे समस्त खेलों में प्रदेश की 01 से अधिक यथासंभव टीम बनाए जाने की मांग रखी है।

संस्कृति में एकजुट करने की होती है अंतर्निहित क्षमता : नरेन्द्र मोदी

वाराणसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में जी-20 संस्कृति मंत्रिपरिषद की बैठक शनिवार सुबह से शुरू हो गई है। वैश्विक बैठक में वाराणसी के सांसद और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वीडियो संदेश जी-20 देशों के संस्कृति मंत्रियों को सुनाया गया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि 'संस्कृति में एकजुट करने की अंतर्निहित क्षमता होती है। यह हमें विविध पृष्ठभूमियों और दृष्टिकोणों को समझने में सक्षम बनाता है। हम अपनी शाश्वत और विविध संस्कृति पर बहुत गर्व करते हैं। हम अपनी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी बहुत महत्व देते हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सांस्कृतिक विरासत सिर्फ वह नहीं है जो पत्थर में गढ़ी जाती है, यह परंपराएं, रीति-रिवाज और त्यौहार भी है जो पीढ़ियों से चले आ रहे हैं। हमारा मानना है कि विरासत आर्थिक विकास और विविधीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति है।" शुरूआत के वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मुझे खुशी है कि हम वाराणसी में मिल रहे हैं जो मेरा संसदीय क्षेत्र है। काशी न केवल दुनिया का सबसे पुराना जीवित शहर है, यहां से कुछ ही दूरी पर सारनाथ भी है, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था। यह वास्तव में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी है। बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। बैठक के समापन पर ह्यजी-20 सांस्कृतिक वाराणसी घोषणा पत्र जारी होगा। घोषणा पत्र में जी-20 देशों व आमंत्रित नौ राष्ट्रों के बीच कई तरह की सहमति शामिल होगी। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी के अनुसार घोषणा पत्र में जी-20 देशों व आमंत्रित नौ राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्बंधों को बढ़ावा और विरासत के संरक्षण व पुनरुद्धार के संबंध में कई तरह की सहमति शामिल होगी। वाराणसी से पूरी दुनिया के लिए घोषणा पत्र जारी होना सौभाग्य और गौरव की बात होगी। उन्होंने बताया कि जी-20 सदस्यों और आमंत्रित देशों के संस्कृति मंत्रियों की चौथी बैठक बनारस में हो रही है। 2020 में जी-20 देशों के संस्कृति मंत्रियों की पहली बैठक सऊदी अरब में हुई थी। 2021 में इटली की अध्यक्षता में हुई दूसरी बैठक में 'रोम संस्कृति' की घोषणा हुई थी। 2022 में इंडोनेशिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में 'बाली घोषणा' तैयार हुआ था। अब वाराणसी में आयोजित चौथी मंत्रिपरिषद में जारी होने वाला जी-20 'सांस्कृतिक वाराणसी घोषणा पत्र' काफी व्यापक होगा। इसमें कई बिंदुओं पर बड़े निर्णय होंगे जो आने वाले वर्षों में वैश्विक विकास में मिल के पत्थर साबित होंगे। आज संस्कृति मंत्रियों की बैठक में उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक संपदा का संरक्षण और दोबारा स्थापित करना, जीवन शैली, पर्यावरण और भाषाओं का बचाव, पारंपरिक कला, रचनात्मक और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना,संस्कृति को सहेजने में डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाने पर चर्चा हो रही है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी.किशन रेड्डी के अनुसार वाराणसी में हुई बैठक में विचार-विमर्श के दौरान तैयार किया गया मसौदा सभी ने स्वीकारा। जिसमें कहा गया कि यह सांस्कृतिक क्षेत्र समेत हमारे साझा भविष्य को आकार देने में सहायक होगा।

सामूहिक ज्ञान और साझा जिम्मेदारियों के माध्यम से, हम अपने सामने मौजूद चुनौतियों को वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक प्रगति के अवसरों में बदल सकते हैं। साझा सांस्कृतिक विरासत वह द्वार है जो हम सभी को जोड़ती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संस्कृति सिर्फ हमारी पहचान का हिस्सा नहीं होगी बल्कि सतत विकास, सामाजिक समावेश और वैश्विक सद्भाव के लिए एक प्रेरक शक्ति होगी।

स्वदेशी गाय की खरीद पर ट्रांसपोर्टेशन और बीमा का खर्च उठाएगी योगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के गौ पालकों की आय बढ़ाने, आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वदेशी नस्ल की गायों के प्रति उनका रुझान बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने नन्द बाबा दुग्ध मिशन के तहत मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना शुरू की है। इसको लेकर शासन ने शुक्रवार को शासनादेश जारी कर दिया है। शासनादेश में योजना से संबंधिति पात्रता, सब्सिडी के मानक, योजना का उद्देश्य और स्वरूप को स्पष्ट किया गया है। इसके अनुसार गौ पालक द्वारा दूसरे प्रदेशों से साहिवाल, थारपारकर, गिर एंव संकर प्रजाति की गाय खरीदने पर उन्हे ट्रांसपोर्टेशन, ट्रांजिट इंश्योरेंस एवं पशु इंश्योरेंस समेत अन्य मदों पर खर्च होने वाली धनराशि पर सब्सिडी दी जाएगी। यह सब्सिडी गौ पालकों को अधिकतम दो स्वदेशी नस्ल की गायों की खरीद पर मिलेगी। यह सब्सिडी गौ पालकों को कुल व्यय धनराशि का 40 प्रतिशत यानी 80 हजार रुपये तक दी जाएगी। पहले चरण में यह योजना प्रदेश के 18 मंडल मुख्यालय के जनपदों में लागू की जाएगी। इसके बाद इसे प्रदेश के सभी जनपदों में लागू किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव पशुपालन डॉ. रजनीश दुबे ने बताया कि नन्द बाबा मिशन के तहत मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना का उद्देश्य प्रदेश में स्वदेशी उन्नत नस्ल की गायों की संख्या और नस्ल को बढ़ाना है ताकि प्रदेश में दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि कर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य बना रहे। साथ ही प्रदेश के ग्रामीण अंचलों के युवाओं और महिलाओं को पशुपालन के व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्हे रोजगार उपलब्ध कराना है। इसके अलावा योजना का उद्देश्य प्रदेश में प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता में वृद्धि कर राष्ट्रीय औसत दुग्ध उपलब्धता के स्तर पर लाना है। दुग्ध आयुक्त एवं मिशन निदेशक शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि योजना का लाभ उठाने के लिए गौ पालक को दूसरे प्रदेश से स्वदेशी उन्नत नस्ल की गाय खरीदना अनिवार्य है। इसके लिए मुख्य विकास अधिकारी की ओर से लाभार्थी को दूसरे प्रदेश से स्वदेशी नस्ल की गाय खरीदने के लिए एक अनुमति पत्र जारी किया जाएगा ताकि उसे गायों के परिवहन में किसी प्रकार की समस्या न हो। वहीं इन गायों का 03 वर्षों का पशु बीमा एकमुश्त कराया जाना आवश्यक है। इसके साथ ही उन्हे दूसरे प्रदेश से अपने प्रदेश में लाने के लिए ट्रांजिट बीमा भी कराना अनिवार्य है। योजना के तहत लाभार्थी को सब्सिडी गाय की खरीद, उसके परिवहन, पशु ट्रांजिट बीमा, 03 वर्षों का पशु बीमा, चारा काटने की मशीन की खरीद एवं गायों के रखरखाव के लिए शेड के निर्माण पर दिया जाएगा। विभाग की ओर से इन सभी मदों में गौ पालक का खर्च दो स्वदेशी नस्ल की गायों के लिए 02 लाख रुपये माना गया है, जिसका 40 प्रतिशत यानी अधिकतम 80 हजार रुपये सब्सिडी के रूप में दिये जाएंगे। इस योजना का लाभ उठाने के लिए लाभार्थी के पास गौ पालन के लिए पर्याप्त जगह होनी चाहिये। साथ ही उनके पास पहले से 02 से अधिक स्वदेशी उन्नत नस्ल की गायें न हों। वहीं इस योजना के तहत 50 प्रतिशत महिला दुग्ध उत्पादकों एवं पशुपालकों को तरजीह दी जाएगी जबकि 50 प्रतिशत में अन्य वर्ग के लाभार्थी शामिल हैं।

ओपी राजभर एवं महंत राजूदास के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

फतेहपुर, (हि.स.)। जिले में शनिवार को संयुक्त सामाजिक एकता मंच व अखिल भारतवर्शीय यादव महासभा अधिवक्ता प्रकोष्ठ के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों ने कलक्ट्रेट पहुंचकर राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपते हुए गिरफ्तारी की मांग किया। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर एवं अयोध्या के महंत राजूदास ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव व विधान परिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य पर अभद्र टिप्पणी की है। उसके विरोध में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकताओं ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर अपना विरोध जताया और रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ़्तारी करने की मांग की। पदाधिकारियों ने कहा कि यदि गिरफ्तारी न होने पर पुतला दहन की चेतावनी दी। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस मौके पर एड प्रभात सिंह पटेल, एड इंद्रजीत यादव, डा अमित पाल, एड अश्वनी यादव, एड दिवाकर सिंह, एड रामरूप पाल, रिंकू सिंह यादव, फूल सिंह मौर्य, बृजेन्द्र मौर्य, एड सूघर सिंह यादव, एड. सुरेंद्र सिंह, एड मयंक यादव, एड पुष्पेंद्र यादव, दिनेश पाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग ने सील किया नर्सिंग होम, तीन डाक्टरों के विरुद्ध केस दर्ज

बिजनौर, (हि.सं.) सीएमओ कार्यालय की मिली भगत से नगर में अवैध रूप से चल रहे चिकित्सालयों में से एक नये खुले अवैध अस्पताल में प्रसव के लिए आई ग्रामीण महिला का आप्रेशन कर उसे दुनिया से विदा कर दिया। ये शुक्रवार की शाम को चादंपुर शहर की घटना है` जबकि पिछले माह भी एक प्रसव पीड़ित महिला को चांदपुर के रेलवे क्रासिंग के पास स्थित नर्सिंग होम पर मौत के घाट उतार दिया गया था। मिली जानकारी के अनुसार २२अगस्त में स्याऊ तहसील के ठीक सामने एशियन नर्सिंग होम है जहां स्याऊ निवासी हापुड़ में तैनात दरोगा भारत सिंह की पुत्र बधू को प्रसव पीड़ा के समय भर्ती कराया गया था जहां नर्गिस होम के फर्जी चिकित्सक द्वारा आप्रेशन से पहने नशे के इंजेक्शन की डोज ज्यादा दे देने से प्रसव पीड़ित महिला की मौत हो गई, महिला की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा काटा। शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग ने अपनी कार्यशैली का अनुसरण करते हुए एशियन नर्सिंग होम पर सील लगा दी, जैसे एक महीने पहले ब्लॉक जलीलपुर के गांव कमालपुर में अवैध क्लीनिक पर सील लगाकर पन्द्रह दिन बाद सील खोल दी थी। चांदपुर नगर की शिवलोक कॉलोनी में एक माह पूर्व खुले अनमोल हेल्थ केयर में चांदपुर तहसील के गांव लडूपुरा निवासी ओमवती सैनी २२ वर्षीय पत्नी यशवीर को प्रसव के लिए भर्ती कराया गया। परिजनों का आरोप है कि पहले लड़का बताकर चिकित्सकों ने इनाम वसूला और ऑपरेशन होने पर दोपहर बाद लड़की बताया गया। ऑपरेशन के बाद ओमवती की हालत खराब देख रेफर कर दिया गया ,जिसकी रास्ते में मौत हो गई। मौत को लेकर बीती रात्रि मोहल्ले में लोगों ने जमकर हंगामा काटा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ,जिस्का आज शनिवार को पोस्टमार्टम किया गया । मृतका के पति यशवीर की तरफ से चांदपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज करने के लिए हेल्थ केयर की चिकित्सक डॉ. पिंकी , डॉ. संजय और डॉ.हरीश कुमार के विरुद्ध तहरीर दे दी गई है। पुलिस ने हरीश को अपनी हिरासत में रात ही ले लिया था, जबकि पिंकी और संजय घटना के बाद से फरार हैं।

झारखंड हाई कोर्ट ने पारा शिक्षकों के आरक्षण पर राज्य से जवाब मांगा

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली में पारा शिक्षकों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को चुनौती दी गई है। बीआरपी एवं सीआरपी बहादुर महतो व अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार एवं झारखंड स्टाफ सलेक्शन कमिशन (जेएसएससी) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। आज याचिका पर सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। अगली सुनवाई 31 अगस्त को होगी। याचिका में जेएसएससी को भी प्रतिवादी बनाया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार तिवारी ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट को बताया गया कि सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली 2022 में संविदा पर शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मियों को 50 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा दी गई थी। बाद में संविदा कर्मियों को आरक्षण समाप्त कर दिया गया और नियमावली को संशोधित किया। राज्य सरकार ने संशोधित सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली 2023 बनाई है, जिसके तहत अब केवल पारा शिक्षकों को ही सहायक आचार्य नियुक्ति में 50 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है।

डुमरी विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के लिए उतरेंगे मुख्यमंत्री

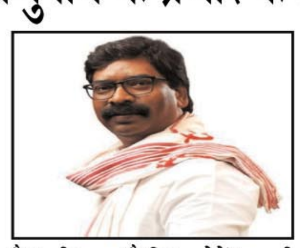

रांची, (हि.स.)। डुमरी विधानसभा उपचुनाव में अब प्रचार प्रसार का दौर तेज हो गया है। आजसू के लिए पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो समेत पार्टी के सांसद, विधायक लगातर जुटे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मंराडी की चुनावी सभाएं भी हुई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 26 अगस्त से तीन सितंबर तक लगातर डुमरी में प्रचार के लिए उतरेंगे। मुख्यमंत्री झामुमो प्रत्याशी मंत्री बेबी देवी के पक्ष में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। हेमंत सोरेन के साथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, हफीजुल हसन और कई विधायक शामिल रहेंगे। हेमंत सोरेन के लिए डुमरी उपचुनाव काफी अहम है। यही वजह है कि उन्होनें प्रत्याशी को विधायक बनने से पहले ही मंत्री बना दिया। डुमरी विधानसभा उपचुनाव में 373 मतदान केन्द्रों पर वोटिंग होगी। डुमरी मे 199, नावाडीह प्रखंड में 129 और चंद्रपुरा में 45 मतदान केंद्र समेत कुल 373 मतदान केंद्र बनाये गए हैं। मतदान केंद्र के भवनों की कुल संख्या 240 है। वहीं, महिला मतदान केंद्र की संख्या एक है। इस उपचुनाव के लिए मॉडल मतदान केंद्र भी बनाया गया है। इस उपचुनाव में 159596, नावाडीह में 102736 और चंद्रपुरा प्रखंड में 36295 मतदाता वोट डालेंगे। इधर, डुमरी उपचुनाव को लेकर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता विनोद पांडे ने कहा है कि डुमरी उपचुनाव में एआईएमआईएम के उम्मीदवार हमारे लिए कोई फैक्टर नहीं हैं। डुमरी का सियासी माहौल हमारे पक्ष में है, हमारे नेताओं का लगातार दौरा जारी है। विनोद पांडे ने कहा कि हमारे नेता जगरनाथ महतो और सरकार के कामकाज को लेकर हम जनता के बीच जा रहे हैं। विपक्ष के नेताओं का डुमरी में बहिष्कार हो रहा है। उन्होंने कहा कि डुमरी में टाइगर जिंदा रहे इस दिशा में लोगों की सोच है।

अवैध खनन घोटाला मामले में आरोपित दाहू यादव का भाई सुनील यादव गिरफ्तार

साहिबगंज, (हि.स.)। साहिबगंज में हुए 1000 करोड़ के अवैध खनन घोटाले में ईडी के आरोपित दाहू यादव के भाई और साहिबगंज जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव को शुक्रवार रात साहिबगंज पुलिस ने उसके भट्टा स्थित आवास से गिरफ्तार किया है। दाहु यादव और उसके भाई सुनील यादव ईडी के फरार आरोपित थे जिनकी गिरफ्तारी के लिए कई बार प्रयास किया गया था, लेकिन हर बार ये लोग पुलिस को चकमा देने में सफल रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी दाहू यादव की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करते हुए ईडी के समक्ष समर्पण होने का आदेश दिया था। इसके बाद ही साहिबगंज पुलिस द्वारा यह गिरफ्तारी हुई हैं, जिसमें मुफ्फसिल थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश, नगर थाना से एस आई जगन्नाथ पान, जिरवाबाड़ी ओ पी प्रभारी चिरंजीत प्रसाद के अलावा भारी संख्या में पुलिस बल शामिल थे। पूर्व में ईडी कोर्ट के आदेश पर दाहू यादव की कुर्की जब्ती भी पुलिस द्वारा की गई थी। इसके बावजूद भी दाहू यादव और सुनील यादव फरार चल रहे थे।

जनता दरबार में 8 में 3 मामले हुए निष्पादित

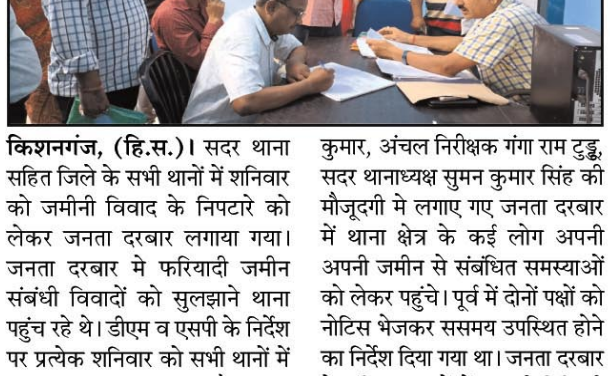

किशनगंज, (हि.स.)। सदर थाना सहित जिले के सभी थानों में शनिवार को जमीनी विवाद के निपटारे को लेकर जनता दरबार लगाया गया। जनता दरबार मे फरियादी जमीन संबंधी विवादों को सुलझाने थाना पहुंच रहे थे। डीएम व एसपी के निर्देश पर प्रत्येक शनिवार को सभी थानों में जनता दरबार लगाया जाता है। अलग अलग थाना में लगाये गए जनता दरबार मे फरियादियों की भीड़ जुटी। दूर दराज के गांवों से भी लोग फरियाद लेकर पहुंचे थे। सदर थाने में लगाये गए जनता दरबार में आठ मामला सामने आया। जिसमें तीन मामले का निष्पादन मौके पर किया गया।दूसरे पक्ष के नहीं पहुंचने के कारण पांच मामला नहीं निपटाया गया एवं सुनवाई की अगली तिथि दी गई। सीओ समीर कुमार, अंचल निरीक्षक गंगा राम टुड्डु, सदर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह की मौजूदगी मे लगाए गए जनता दरबार में थाना क्षेत्र के कई लोग अपनी अपनी जमीन से संबंधित समस्याओं को लेकर पहुंचे। पूर्व में दोनों पक्षों को नोटिस भेजकर ससमय उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। जनता दरबार मे लंबित मामलों में अगली तिथि दी गई। डीएम श्रीकांत शास्त्री व एसपी डा० इनाम उल हक मेगनु के निर्देश पर जिले के सभी थानों में जनता दरबार लगाया जाता है। एसपी डा० मेगनु ने कहा कि जमीनी विवाद से जुड़े मामलों में थानों में जनता दरबार लगाया जाता है। जिसमे सुलह के आधार पर थानों में लगने वाले जनता दरबार मे मामलों का निष्पादन किया जता है।

सहरसा निवासी लक्ष्मी ने तुर्की देश के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट अरारत पर तिरंगा लहराया

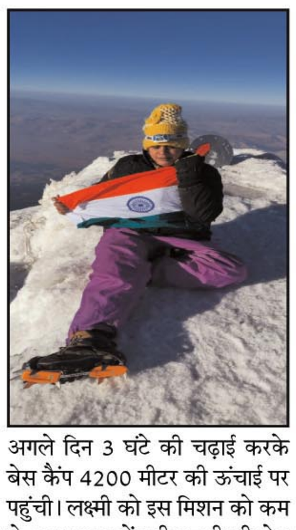

सहरसा, (हि.स.)। बिहार के सहरसा जिले के बनगांव निवासी लक्ष्मी झा ने भारत का गौरवशाली तिरंगा माउंट अरारत पर फहराया। लक्ष्मी ने माउंट अरारत की पूरी चढ़ाई 41 घंटे में पूरी की। लक्ष्मी माउंट अरारत की चढ़ाई करने वाली पहली भारतीय बेटी है। जिसने तुर्की देश के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट अरारत पर भारत का तिरंगा लहराया। आरा के एसआईएस कंपनी के संस्थापक आर के सिन्हा से फ्लैग ऑफ लेकर तुर्की के सबसे ऊंची चोटी (16854 फिट) अरारत पर अपने देश के तिरंगा को फहराने के लिए दिल्ली से इस्तांमबुल से दोगुबेयाजित सिटी पहुंचते ही लक्ष्मी झा को पता चला की अरारत चोटी पर मौसम खराब है।घनघोर बर्फबारी तथा तेज तूफान हो रहे हैं। इसलिए 15 अगस्त समिट करने का प्लान कैंसिल करना पड़ा।वही 18 अगस्त को पता चला मौसम सही है, फिर लक्ष्मी झा 18 को ही समिट के लिएनिकल पड़ी। 6 घंटे चढ़ाई करने के बाद पहले पहले बेस कैंप पहुंची। जिसकी ऊंचाई 3000 मीटर है। अगले दिन 3 घंटे की चढ़ाई करके बेस कैंप 4200 मीटर की ऊंचाई पर पहुंची। लक्ष्मी को इस मिशन को कम से कम टाइम में पूरी करनी थी।बेस कैंप के ऊपर केवल बादल ही दिखाई दे रहे थे। मौसम काफी खराब था। लक्ष्मी फाइनली समिट के लिए 21 तारीख के रात को 1 बजे निकली। कठिन व खरी चढ़ाई पर समिट करने में परेशानी हो रही थी। क्योंकि पूरा का पूरा पत्थरों से भरा हुआ रास्ता था। जहां पर एक दो बार पत्थर ऊपर से भी आए और एक दो बार खिसक के नीचे भी गिरा। बहुत डर भी लग रही थी।ऊपर से हड्डी गला देने वाली -15 डिग्री का टेंपरेचर था। हिम्मत भी टूट रही थी लेकिन लक्ष्य को पूरा करना था। इसी बीच में मेरे गाइड ने भी मेरे साथ छोड़ दिया। वो बोल रहे थे चलो नीचे चलते हैं। मौसम खराब हो रहा है लेकिन लक्ष्मी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। लक्ष्मी ने बताया कि कभी-कभी चलते-चलते हिम्मत भी टूट रही थी लेकिन लक्ष्य को पूरा करना था। राष्ट्रीय ध्वज को देखकर शक्ति मिलती थी। कुछ घंटे चलने के बाद जब सवेरा हुआ तो मंजिल सामने दिखाई दिया तो हौसला और बुलंद हुआ कि नहीं अब तो फतेह करके ही जिंदा वापस जाना है। 6 घंटे चलने के बाद भारत का गौरवशाली तिरंगा माउंट अरारत पर फहराया। माउंट अरारत की पूरी चढ़ाई 41 घंटे में पूरी करने वाली लक्ष्मी माउंट अरारत की चढ़ाई करने वाली पहली भारतीय बेटी है। जिसने तुर्की देश के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट अरारत पर भारत का तिरंगा लहराया।

माहौल बिगाड़ने वाला पोस्ट डाले जाने के बाद रक्सौल अनुमंडल में दो दिन इंटरनेट सेवा बंद

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिले के रक्सौल अनुमंडल क्षेत्र में शनिवार सुबह 10 बजे के बाद दो दिनों के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने उक्त कारवाई असमाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डाल कर लोगों की भावनाओं को भड़काने के प्रयास के बाद किया गया है। उल्लेखनीय है कि नागपंचमी के दिन दरपा थाना क्षेत्र के पिपरा गांव में आयोजित महावीरी झंडा जुलूस के दौरान दो पक्ष आपस में भिड़ गए थे। इस दौरान दोनों तरफ से ईट पत्थर भी चलाये गये थे। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने 24 से ज्यादा नामजद और 100 से अधिक अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। इस घटना के बाद राजनैतिक दलो के लोग भी यहां पहुंचे। जिनमे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व स्थानीय सांसद डॉ. संजय जायसवाल, सिकटा के माले विधायक बीरेंद्र गुप्ता सहित अन्य लोग शामिल है। इन नेताओ ने पिपरा गांव का दौरा कर लोगो को शांति व सौहार्द बनाये रखने को कहा गया। वही कुछ शरारती व असमाजिक तत्व सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालकर लोगों की भावनाओ को भड़काने में जुटे है। जिसको लेकर जिला प्रशासन ने दो दिनो के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दिया गया है। डीएम सौरभ जोरवाल और एसपी कांतेश मिश्रा ने कहा किसी भी सूरत में जिले में आपसी सौहार्द व भाईचारे को बिगड़ने नही दिया जायेगा। उन्होने बताया कि सोशल मीडिया के द्वारा अफवाह फैलाने वाले लोगो की पहचान की जा रही है। वैसे सभी लोगो के विरूद्ध कठोर कारवाई किया जायेगा,जो सत्य और अहिंसा के लिए मशहुर बापू की कर्मभूमी में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे है। डीएम ने लोगो से किसी भी अफवाह पर ध्यान नही देने की अपील की है।

संपादकीय

ब्रिक्स में भारत बनाम चीन

दक्षिण अफ्रीका की राजधानी जोहानसबर्ग में ब्रिक्स देशों का शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ, जिसमें उसके विस्तार का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया और सम्मेलन के इतर भारत के प्रधानमंत्री मोदी तथा चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की हल्की-सी, अनौपचारिक बातचीत हुई। मोदी-शी का शिष्टाचार से हाथ मिलाना और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर संवाद करना राजनयिक तौर पर महत्वपूर्ण है। पूर्वी लद्दाख की सीमा पर दोनों देशों के हजारों सैनिक एक लंबे अंतराल से तैनात हैं। यकीनन तनाव और टकराव की मुद्रा में ही होंगे! सैन्य स्तर पर 19वें दौर की बातचीत जारी है। ऐसे में भारत-चीन के शीर्ष नेतृत्व एलएसी के सम्मान की बात करें और सेनाओं की वापसी पर विचार के संकेत दें, तो बेशक तनाव कम हो सकता है, लेकिन ऐसा जमीन पर लागू नहीं किया गया है। चीन बेहद कुटिल और चालाक देश है। वह बार-बार सेनाओं की यथास्थिति की बात करता है। सेनाओं को कुछ पीछे करने की सांकेतिक कवायद भी करता है, लेकिन सैन्य मोर्चे दोनों ओर से सजे और डटे हैं। चीन के विस्तारवादी मंसूबे काम करते रहे हैं। भारत की जमीन पर अतिक्रमण और कब्जे के आरोप भी लगते रहे हैं, लेकिन दोनों देश निर्माण-कार्य करते रहे हैं। दरअसल भारत और चीन की गांठें खुलती क्यों नहीं हैं? चीन ने 1962 की लड़ाई के बाद भारत की करीब 40,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया था। उसकी चर्चा चीन क्यों नहीं करता? तमाम सीमा-विवाद कब खत्म होंगे? चीन हमारे अरुणाचल प्रदेश को भी अपना इलाका किस आधार पर मानता रहा है? अलग-अलग इलाकों में सैनिकों की हाथापाई और मार-काट तक की नौबत क्यों आती रही है? प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग अब ब्रिक्स के मंच पर मिले हैं, तो 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन के दौरान भी मुलाकात हो सकती है। कुछ विरोधाभास और बनाम की स्थिति ब्रिक्स में भी दिखाई दी है। चीन और रूस ब्रिक्स के विस्तार के पक्षधर थे, लेकिन भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका फिलहाल मंथन करना चाहते थे। दुनिया के 22 देशों ने ब्रिक्स की सदस्यता के लिए आवेदन किए थे, लेकिन अंततः 6 देशों-अर्जेन्टीना, इरान, मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इथियोपिया-को ही फिलहाल ब्रिक्स का हिस्सा बनाना तय किया गया है। वे जनवरी 1, 2024 से ब्रिक्स के सदस्य होंगे। चीन पाकिस्तान को ब्रिक्स का सदस्य बनाने में कामयाब नहीं हो पाया। सभी देश उसके मंसूबों को जानते हैं कि चीन ने सुरक्षा परिषद में 'वीटो' का दुरुपयोग कर किस तरह पाकपरस्त आतंकियों को बचाया था। चर्चा यह भी जारी थी कि ब्रिक्स देशों की साझा मुद्रा होनी चाहिए, लेकिन साझा बयान खुलासा करता है कि ब्रिक्स देश अपनी ही राष्ट्रीय मुद्रा में सदस्य देशों के साथ कारोबार कर सकेंगे। दरअसल ब्रिक्स ऐसा वैश्विक मंच बन गया है, जिसकी चर्चा जी-7 देशों के समूह के समानांतर हो रही है, लेकिन भारत और चीन जैसे ताकतवर देशों के बीच विवाद और तनाव बरकरार रहेंगे, तो ब्रिक्स की एकता पर भी सवाल उठते रहेंगे। चीन के अतिक्रमण और कब्जों को लेकर भारत में बड़ी आक्रामक और बेबुनियाद सियासत भी होती रही है। दोनों देशों के शीर्ष नेता मुलाकातें करते हैं और बातचीत भी करते हैं, लेकिन फिर भी चीन भारत का 'दुश्मन देश' करार दिया जाता रहा है। चीन की नीयत और नीति का सवाल है। विवाद सनातन नहीं हैं, कब्जे हैं। एक ओर ब्रिक्स के सदस्य देश इसे विकासशील देशों का वैश्विक मंच बनाना चाहते हैं, जहां वे कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर अपनी आर्थिक चिंताओं और अन्य सरोकारों को संबोधित कर सकें, तो दूसरी तरफ भारत बनाम चीन के हालात और समीकरण हैं, तो फिर ब्रिक्स विश्व-व्यवस्था को बदलने में समर्थ कैसे हो सकेगा? दरअसल भारत में लोकतंत्र है और चीन में तानाशाही-सी है, लिहाजा सोचने और फैसलों को अंजाम देने का बुनियादी फर्क भी है। बहरहाल मोदी-शी हाथ भी मिलाते रहें, शिष्टाचार को भी निभाएं, लेकिन द्विपक्षीय रिश्तों पर भी गंभीरता से विचार करें, तभी ऐसी मुलाकातें सार्थक होंगी। ब्रिक्स भी तभी सफल होगा, जब द्विपक्षीय विवादों को किनारे रख दिया जाएगा।

मोदी-शी का शिष्टाचार से हाथ मिलाना और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर संवाद करना राजनयिक तौर पर महत्वपूर्ण है। पूर्वी लद्दाख की सीमा पर दोनों देशों के हजारों सैनिक एक लंबे अंतराल से तैनात हैं। यकीनन तनाव और टकराव की मुद्रा में ही होंगे! सैन्य स्तर पर 19वें दौर की बातचीत जारी है। ऐसे में भारत-चीन के शीर्ष नेतृत्व एलएसी के सम्मान की बात करें और सेनाओं की वापसी पर विचार के संकेत दें, तो बेशक तनाव कम हो सकता है, लेकिन ऐसा जमीन पर लागू नहीं किया गया है। चीन बेहद कुटिल और चालाक देश है। वह बार-बार सेनाओं की यथास्थिति की बात करता है। सेनाओं को कुछ पीछे करने की सांकेतिक कवायद भी करता है, लेकिन सैन्य मोर्चे दोनों ओर से सजे और डटे हैं। चीन के विस्तारवादी मंसूबे काम करते रहे हैं। भारत की जमीन पर अतिक्रमण और कब्जे के आरोप भी लगते रहे हैं, लेकिन दोनों देश निर्माण-कार्य करते रहे हैं। दरअसल भारत और चीन की गांठें खुलती क्यों नहीं हैं? चीन ने 1962 की लड़ाई के बाद भारत की करीब 40,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया था। उसकी चर्चा चीन क्यों नहीं करता? तमाम सीमा-विवाद कब खत्म होंगे? चीन हमारे अरुणाचल प्रदेश को भी अपना इलाका किस आधार पर मानता रहा है? अलग-अलग इलाकों में सैनिकों की हाथापाई और मार-काट तक की नौबत क्यों आती रही है? प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग अब ब्रिक्स के मंच पर मिले हैं, तो 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन के दौरान भी मुलाकात हो सकती है।

कुछ अलग

वर्षों का बोझ

यह पिछले कुछ दशकों का बोझ है, जो इमारतों की शक्ल में गिर रहा है। अब तो बर्बादी के आंकड़े भी याददाश्त की सीमा से बाहर होकर डराने लगे हैं। आनी में बहुमंजिला इमारतें जिस तरह गिरीं, उस मंजर की तलाशी में हमने ही सारे गुनाह छुपाए हैं। याद करें पिछले चालीस-पचास सालों में हिमाचल ने विकास के नाम पर कैसी सामाजिक, सरकारी, राजनीतिक व न्यायिक व्यवस्था बनाई। हमारे नेताओं ने ऐसे समाज को प्रोत्साहित किया जिनके लिए प्रदेश केवल दोहन की वस्तु बन गई। सत्तर के दशक में कहने को तो हमने नगर एवं ग्राम योजना कानून बना लिया, लेकिन इसकी आत्मा को मारकर सूली पर टांग दिया। आनी पचास साल पहले ऐसा तो नहीं था। इस दौरान कितने ही चुनाव गुजरे होंगे। विधायकों ने फेरी लगाई होगी और सियासी वादों ने पूरा परिवेश नजरअंदाज किया होगा। जो पानी ऊपर से नीचे बहता रहा था, उसे इमारतों के झुंड ने रोका होगा। कंकरीट के सख्त पहरों ने जल रिसाव को भटकाया होगा। मंजिलें गिनते-गिनते व्यापार ने निर्माण से इतने समझौते कर लिए कि सारी जमीन को विद्रोह करना पड़ा। यह विद्रोह पूरे हिमाचल में जारी है, क्योंकि हमने पानी को रोकने की मशक्कत में यह नहीं सोचा कि पहाड़ की आबरू में यह गुस्ताखी कसूर बन कर सजायाफ्ता होगी एक दिन। और यह दिन देखना पड़ रहा है जब राजधानी शिमला की गिरती हुई इमारतों को थामने के लिए न हाथों में क्षमता है और न ही कायदे कानून की फेहरिस्त में प्रासंगिकता बची है। प्रदेश के हर विधायक को वोट की राजनीति ने इतना डरपोक बना दिया कि पहले वर्षों में बिना योजना के खेतों पर घर उतर आए। नदी-नालों, कूहलों व गहरी खाइयों को रोक कर लोग आबाद हो गए। हमने कल तक जो जमीन बेकार घोषित की थी, उसे अतिक्रमण की शान बना कर पैसे कमाने का जरिया बना दिया। आज विकास के नाम पर प्रदेश में सत्ता, सियासत और समाज मिलकर यह टोह लेता है कि उद्घाटन से पहले परिसर के परिवेश में जमीन की खरीद फरोख्त में हाथ रंग लिए जाएं। प्रदेश के नए खरीददार कौन हैं। क्या सामान्य आदमी यह जुर्रत कर सकता है और क्या जमीन के इस खेल में एक माफिया तंत्र तैयार नहीं हुआ। जाहिर है पिछले दो से तीन दशकों में 'खुला खेल फरुखाबादी' हुआ है और इसी दौरान माफिया के गठबंधन में जमीनें बिकीं और इमारतें बिना किसी योजना कानून के उठती रहीं। अब जो गिर रहा है, उसकी जद में माफिया नहीं, आम लोग, कायदे-कानून व राज्य की विवशताएं हैं। आनी को बदनाम करने वाले चंद लोग व सियासी प्रश्रय रहा होगा, लेकिन इस सदमे की चपेट में हमारी आने वाली पीढियों का भविष्य रहेगा। बहरहाल आशंकाओं के बादल हर जगर विद्यमान हैं, इसलिए बरसात-बाढ़ की राहत में वित्तीय पोषण का हिसाब-किताब एक सीमा तक सही है, लेकिन आइंदा सुधरने के लिए दृष्टि बदलनी पड़ेगी। जो लोग आपदा में सियासी सुझावों के जरिए राजधानी को बदलने तक का फरमान सुना रहे हैं, वे प्रदेश की तकलीफ को नजरअंदाज कर रहे हैं। मसला अगर राजधानी का है, तो उन गांवों की तकदीर का भी है, जहां एक साथ दस हजार के करीब घर मिट गए। पहाड़ की दरार में गांव के गांव समाहित हो गए।

चंद्रयान-3 के पूरे सफर ने पहले दिन से प्रत्येक भारतीय को अपने से जोड़े रखा और दुनियाभर से करोड़ों लोग टकटकी लगाए इस यात्रा से लगातार जुड़े रहे

चंद्रयान-3 की सफलता 140 करोड़ भारतीयों के जीवन का स्वर्णिम पल बन गयी है

डॉ. पवन सिंह

चंद्रयान-3 की कम बजट में सफल लैंडिंग के बाद व्यवसायिक तौर पर भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गयी है। आज कम लागत और सफलता की गारंटी इसरो की सबसे बड़ी ताकत बन गयी है। अंतरिक्ष बाजार में भारत की धमक का यह स्पष्ट संकेत है। इसके साथ ही भारत अब 200 अरब डालर के अंतरिक्ष बाजार में एक महत्वपूर्ण देश बनकर उभरा है। चांद और मंगल अभियान सहित इसरो अपने 100 से ज्यादा अंतरिक्ष अभियान पूरे करके पहले ही इतिहास रच चुका है। भविष्य में अंतरिक्ष में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी क्योंकि यह अरबों डालर की मार्किट है।

लगभग 41 दिनों की अद्भुत व अविस्मरणीय यात्रा के बाद, 23 अगस्त 2023 का दिन, 140 करोड़ दिलों की धड़कने और दुनियाभर की नजरें जिस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी। आखिरकार वो पल आ ही गया और जब हमारे चंद्रयान-3 ने चाँद के साउथ पोल पर सफल लैंडिंग कर विश्वपटल पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। इस शुभ लैंडिंग से पूरा देश उत्साह व ऊर्जा से सराबोर है। हमारे वैज्ञानिकों ने पूरे देश को गौरवान्वित करने का एक ओर मौका दिया है, इस सफलता के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों के अथक परिश्रम को कोटि-कोटि साधुवाद एवं बधाई। अब से चाँद पर भी अशोक स्तंभ के रूप में भारत की छाप स्थापित हो गयी है।

चंद्रयान-3 मिशन के उद्देश्य

इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन के लिए तीन मुख्य उद्देश्य निर्धारित किए थे। पहला लैंडर की चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग कराना। दूसरा चंद्रमा पर रोवर की विचरण क्षमताओं का अवलोकन और प्रदर्शन और तीसरा चंद्रमा की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसके विज्ञान को अभ्यास में लाने के लिए चंद्रमा की सतह पर उपलब्ध रासायनिक और प्राकृतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करना। इस पूरी यात्रा में चंद्रयान-3 ने अपने इन तीनों उद्देश्यों को बखूबी पूरा किया है। आगे आने वाले समय में शायद चंद्रयान-3 से हमें ऐसी अनेकों जानकारियां मिल सकती हैं, जिसके बारे में अभी सोच पाना मुश्किल है।

चंद्रयान-3 की यात्रा आसान नहीं थी

लगभग 615 करोड़ रुपये की लागत से बने और 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से यात्रा शुरू करने वाले चंद्रयान-3 के पूरे सफर ने पहले दिन से प्रत्येक भारतीय को अपने से जोड़े रखा और दुनियाभर से करोड़ों लोग टकटकी लगाए इस यात्रा से लगातार जुड़े रहे। इसरो ने पृथ्वी से दूर कई बार चंद्रयान-3 की कक्षाएं बदली थीं। पृथ्वी की अलग-अलग कक्षाओं में परिक्रमा करते हुए एक अगस्त को स्लिंगशाट के बाद पृथ्वी की कक्षा छोड़कर यान चंद्रमा की कक्षा की ओर बढ़ा था। पांच अगस्त को इसने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया। छह अगस्त को पहली बार कक्षा बदली। इसके बाद नौ, चौदह और सोलह अगस्त को कक्षाओं में बदलाव कर यह चंद्रमा के और नजदीक पहुंचा। सत्रह अगस्त को चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल अलग-अलग हो गए और

लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा की सतह की ओर बढ़ा। 18 और 19 अगस्त को दो बार डीबूस्टिंग (धीमा करने की प्रक्रिया) के बाद लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल चाँद की सबसे करीबी कक्षा में पंहुचा और इस असंभव लगने वाली चंद्रयान-3 की यात्रा को आख़रिकार हमने चुनौतियों के बावजूद भी पूरा कर लिया। बीच-बीच में कई बार दिलों की धड़कनें तेज भी हुईं और डर भी लगा, लेकिन अंत भला तो सब भला।

साउथ पोल पर होने के मायने

भारत साउथ पोल पर पहुँचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। साउथ पोल से भारत को ऐसी सब जानकारियां मिल सकती हैं, जो वहां पर जीवन की संभावनाओं और अन्य संबंधित क्षेत्रों से जुड़ी संभावनाओं को ओर अधिक गति प्रदान करेगा। साउथ पोल पर पानी की सम्भावना की तलाश का मतलब होगा एक नई जिंदगी। इससे मंगल पर जाने के लिए चंद्रमा पर उतरकर फ्यूल ले सकेंगे। हाइड्रोजन-ऑक्सीजन मिलकर स्वच्छ राकेट फ्यूल बना सकते हैं, इससे पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ा जा सकता है। साउथ पोल पर कीमती धातुओं के रूप में सोना, प्लेटिनमम, टाइटेनियम और यूरेनियम होने की संभावना है। वहां पर बड़ी मात्रा में नॉन रेडिओएक्टिव हीलियम गैस और इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने में काम आने वाली धातुएं भी मिल सकती हैं। चंद्रमा पर बर्फ के अणुओं का अध्ययन, चंद्रमा की सतह से अंतरिक्ष के अध्ययन की संभावना तलाशना, मिट्टी व प्राकृतिक संसाधनों का अध्ययन ऐसी अनेक संभावनाओं का भविष्य में पता चल सकता है।

स्पेस में बढ़ता भारत का वर्चस्व

स्पेस मार्किट में भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गई है। अंतरिक्ष में भी पूरी दुनिया आज भारत का लोहा मानने लगी है। अब भारत ने स्पेस में अमेरिका सहित कई बड़े देशों का एकाधिकार तोड़ा है। पूरी दुनिया में सैटेलाइट के माध्यम से टेलीविज़न प्रसारण, मौसम की भविष्यवाणी और दूरसंचार का क्षेत्र बहुत तेज गति से बढ़ रहा है और चूंकि ये सभी सुविधाएं उपग्रहों के माध्यम से संचालित होती हैं, इसलिए संचार उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने की मांग में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि इस क्षेत्र में चीन, रूस, जापान आदि देश प्रतिस्पर्धा में हैं, लेकिन यह बाजार इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि यह मांग उनके सहारे पूरी नहीं की जा सकती। ऐसे में चंद्रयान-3 की कम बजट में सफल लैंडिंग के बाद व्यवसायिक तौर पर भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गयी है। आज कम लागत और सफलता की गारंटी इसरो की सबसे बड़ी ताकत बन गयी है। अंतरिक्ष बाजार में भारत की धमक का यह स्पष्ट संकेत है। इसके साथ ही भारत अब 200 अरब डालर के अंतरिक्ष बाजार में एक महत्वपूर्ण देश बनकर उभरा है। चांद और मंगल अभियान सहित इसरो अपने 100 से ज्यादा अंतरिक्ष अभियान पूरे करके पहले ही इतिहास रच चुका है। भविष्य में अंतरिक्ष में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी क्योंकि यह अरबों डालर की मार्किट है। कुछ साल पहले तक फ्रांस की एरियन स्पेस कंपनी की मदद से भारत अपने उपग्रह छोड़ता था पर अब वह ग्राहक के बजाय साझीदार की भूमिका में पहुंच गया है। यदि इसी तरह भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमारे यान अंतरिक्ष यात्रियों को चांद, मंगल या अन्य ग्रहों की सैर करा सकेंगे। इसरो के मून मिशन, मंगल अभियान, स्वदेशी स्पेस शटल की कामयाबी और अब चंद्रयान-3 की सफलता के बाद इसरो के लिए संभावनाओं के नये दरवाजे खुल जाएंगे, जिससे भारत का निश्चित रूप से स्पेस में वर्चस्व पहले से अधिक बढ़ जाएगा। जिसका इंतजार था, जिसके लिए करोड़ों-करोड़ों लोगों का दिल बेकरार था, वो पल हम सबने देखा और हम सब उसके साक्षी भी बने। यह अनुभव व सफलता 140 करोड़ भारतीयों के जीवन का स्वर्णिम पल रहेगा। सच में चंद्रयान-3 की सफलता ने 2047 के अमृतकाल की शुरुआत बहुत बेहतरीन तरीके से की है और अब प्रत्येक भारतीय का विश्वास पहले से कई गुणा बढ़ गया है, कि भारत अब किसी भी क्षेत्र में रुकने वाला नहीं है। अब सभी दिलों की केवल एक ही धुन है ₹जय भारत, जय-जय भारत₹। एक बार पुनः इसरो के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों की अथक मेहनत को सलाम व सभी भारतीयों को बधाई, क्योंकि चांद से मैं भारत बोल रहा हूँ।

मणिपुर जैसी हिंसा से बचने के उपाय

मणिपुर लगातार जातीय हिंसा की आग में जल रहा है। अपने पिछले कॉलम में मैंने तर्क दिया था कि हमारी संसदीय प्रणाली की बुनियादी खामियों — निरंकुश बहुमत शासन, सांप्रदायिक सरकारें, विधायी और कार्यकारी शक्तियों का संलयन, और जांच और संतुलन की कमी — ने इतने बड़े पैमाने की जातीय हिंसा में योगदान दिया है। यह संवैधानिक खामियां भारत की सरकारों को अत्यधिक सत्तावादी बना देती हैं, जो एक विविध समाज की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी नहीं रह पातीं। हमारे कई संस्थापकों ने इन खामियों को समझा और उनका समाधान सुझाया। वल्लभभाई पटेल, भीमराव अंबेडकर और महात्मा गांधी सभी ने बहुसंख्यकवाद की इस समस्या से बचने के लिए भारत की संवैधानिक संरचना के लिए दृष्टिकोण पेश किया। लेकिन अंततः संविधान सभा द्वारा उनके विचारों को नजरअंदाज कर दिया गया। निरंकुश बहुमत शासन के लिए अम्बेडकर का सुझाया समाधान इसकी कार्यकारी शक्ति को सीमित करके इसे नियंत्रित करना था। उन्होंने लिखा, ''ब्रिटिश प्रकार की कार्यपालिका अल्पसंख्यकों के जीवन, स्वतंत्रता और प्रसन्नता के लिए खतरे से भरी होगी।'' उन्होंने एक ऐसी सरकार का आह्वान किया जो ''इस अर्थ में गैर-संसदीय हो कि उसे विधानमंडल के कार्यकाल से पहले हटाया नहीं जा सके।'' वह चाहते थे कि मुख्य कार्यकारी (प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री) और बहुमत से सभी कैबिनेट सदस्यों को पूरे सदन द्वारा चुना जाए और अल्पसंख्यकों के कैबिनेट सदस्यों का चुनाव उनके समुदायों द्वारा किया जाए। जब विधानसभा ने अंबेडकर के प्रस्ताव पर चर्चा शुरू की, तब तक उन्हें संविधान की ड्राफ्टिंग समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया जा चुका था और वे अपने विचारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रस्तुत नहीं हुए। बहुमत को नियंत्रित करने के लिए पटेल का विचार प्रत्येक राज्य में सीधे निर्वाचित मुख्य कार्यकारी (राज्यपाल) रखना था, जिसके पास कुछ विवेकाधीन शक्तियां भी हों। उनके मॉडल 'प्रांतीय संविधान' को संविधान सभा द्वारा अनुमोदित भी किया गया था। उन्होंने ''एक लोकप्रिय राज्यपाल द्वारा धारण किए जाने वाले पद की गरिमा'' की सराहना की और लिखा कि, ''एक राज्यपाल जो पूरे प्रांत के वयस्क मताधिकार द्वारा चुना गया है, लोकप्रिय मंत्रालय पर काफी प्रभाव डालेगा।'' उनके तर्कों ने संविधान निर्माण में लगे विद्वानों को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि राष्ट्रपति का भी चुनाव सीधे होना चाहिए। उन्होंने पटेल की प्रांतीय और नेहरू की संघ संविधान समितियों की संयुक्त बैठक के दौरान इस आशय का एक प्रस्ताव पारित किया। लेकिन नेहरू ने उनके प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया और बाद में विधानसभा ने पटेल के ढांचे की मंजूरी को पलट दिया। बहुसंख्यकवाद से बचने के लिए महात्मा गांधी का दृष्टिकोण बिलकुल अलग था। वह चाहते थे कि भारत में एक विकेंद्रीकृत संवैधानिक ढांचा हो जिसके मूल में पंचायतें हों, जो अपने जिलों के मामले खुद चलाएं। उनके विचारों को उनके एक सहयोगी और बाद में गुजरात के राज्यपाल श्रीमन नारायण अग्रवाल द्वारा 'स्वतंत्र भारत के गांधीवादी संविधान' (1946) में रेखांकित किया गया था। पुस्तक में शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और प्रशासन में स्थानीय स्तर पर पूर्ण स्वायत्तता के साथ 'विकेंद्रीकृत ग्राम साम्यवाद' का वर्णन किया गया है। गांधीजी ने महाराष्ट्र की रियासत में एक दशक तक ऐसे संविधान का प्रयोग किया था। गांधी ने कहा, ''एक मॉडल राज्य के मेरे सपनों में, सत्ता कुछ हाथों में केंद्रित नहीं होगी। एक केंद्रीकृत सरकार महंगी, निरंकुश, अक्षम, भ्रष्ट, अकसर क्रूर और हमेशा हृदयहीन हो जाती है।'' लेकिन गांधीजी के विचारों को भी संविधान के निर्माण में शामिल नहीं किया गया, जिसे उनकी हत्या के दो साल बाद अपनाया गया था। हमारे संस्थापकों के इन उत्कृष्ट विचारों पर दोबारा गौर करने के अलावा, भारत राज्यसभा का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग भी कर सकता है। हमारी राज्य परिषद, राज्यों का प्रतिनिधित्व करने के बजाय, राजनीतिक दलों की परिषद बन गई है। मैंने पहले भी तर्क दिया है कि इसके सदस्यों को पूरे राज्य द्वारा सीधे चुना जाना चाहिए, और प्रत्येक राज्य को समान प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। इस तरह से बनाया गया सदन बहुसंख्यक कानूनों पर रोक लगाने में अधिक प्रभावी होगा। इसका उपयोग न्यायपालिका की नियुक्तियों और कामकाज की निगरानी के लिए भी किया जा सकता है। और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), और अन्य जांच एजेंसियां, और चुनाव आयोग की निगरानी के लिए भी। क्रूर बहुसंख्यकवाद को समाप्त करने के लिए, देश को सरकारों को धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने से प्रतिबंधित करने की भी आवश्यकता है। यह 'चर्च और राज्य का पृथक्करण' किसी भी विविध लोकतंत्र के लिए मौलिक है। भारत एक धार्मिक परिषद की स्थापना कर सकता है, जिसमें हमारे सभी धर्मों को समान प्रतिनिधित्व और धर्म-आधारित कानूनों में हिस्सेदारी दी जा सकती है।

ये बदलाव — मंत्रालयों पर बहुमत का नियंत्रण खत्म करना; पंचायतों और स्थानीय सरकारों को वास्तविक स्वतंत्रता देना; राष्ट्रपति और राज्यपालों का सीधे चुनाव करना; कार्यकारी प्राधिकार की जांच करने और सरकारों को धार्मिक गतिविधियों से रोकने के लिए विधायिका के दूसरे सदन का उपयोग — करने से भारत के शासन में काफी सुधार होगा। ये लगभग सभी सुधार संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचलित राष्ट्रपति प्रणाली की अंतर्निहित विशेषताएं हैं। भारत साहसपूर्वक उस प्रणाली को पूरी तरह से अपना सकता है। तब हम उस विकेंद्रीकृत संरचना जिसकी हमारे संस्थापकों ने कल्पना की थी, साथ ही विधायी और कार्यकारी शक्तियों का आवश्यक पृथक्करण और हमारे वरिष्ठ अधिकारियों के प्रत्यक्ष चुनाव, इन सबका लाभ उठाएंगे...

दृष्टिकोण

बंदरों के खास उद्गार

सुबह बाग में घूमने गया तो देखा वरिष्ठ बंदर आम के वृक्षों पर बैठे सोच रहे हैं कि इस साल इन वृक्षों पर आम नहीं लगे, लेकिन पिछले साल इन दिनों खूब आम खाए। हमने कभी इनसानों की तरह पेड़ नहीं गिने। बंदरों के आसपास इनके बच्चे फुदक रहे हैं। उछलना, कूदना सीख रहे हैं। इनसानी दुनिया के पैंतरों से अभी अनजान हैं। एक बच्चे को भूख लगी तो बोला, यहां खाने के लिए कुछ नहीं है, क्या सामने जो कूड़ा पड़ा है, इसमें से ही ढूंढ कर खाना पडेगा। बंदरू पापा ने उन्हें बताया कि चतुर इनसान ने ही हमारे पुराने आशियाने उजाड़े हैं, इसलिए हमें ताजा कंद, मूल फल की जगह इनका फेंका, जूठा, बासी, सड़ा हुआ हर कुछ खाना पड़ता है। डबलरोटी भी कई दिन बासी होती है, पेट बड़ी मुश्किल से भरता है। कितनी बार सोच चुका हूं कि मर जाऊं। ये तो हमें मारते भी नहीं। इनके यहां एक चीज़ होती है, धर्म, यह सब उसमें अंधे हुए हैं। दूसरा बंदर बच्चा बोला, हां हां, मां बता रही थी कि एक और कुछ होता है, कानून, बताते हैं बड़ी सख्त लेकिन नर्म चीज़ होती है। उसमें हमें मारने की अनुमति होती है, लेकिन...। इनके समाज में होते हैं...वन्यजीव प्रेमी, वो भी हमें मारने नहीं देते, लेकिन हमारे जीने और खाने का प्रबंध करना उनके बस में

नहीं होता। एक शासकीय विभाग होता है, वन विभाग जिसके राजा की आज्ञानुसार हमें पकड़ा जाता है, हमारी नसबंदी करके वहीं छोडना होता है जहां से पकड़ा होता है, लेकिन कहीं और ही छोड़ देते हैं। हमारी मां तो हमें चिपका कर घूमती रहती है। इनके यहां ऐसा नहीं होता क्या। छोटी बंदरिया बोली, अरे यह तो अब बच्चे ही पैदा नहीं करना चाहते। एक शिशु बंदर ने पूछा, क्या इनसान भी लड़ते हैं। उसे बुज़ुर्ग बंदर ने बताया, हम बंदर तो सिर्फ हाथ से लड़ते हैं, कभी कभी दांत भी प्रयोग करते हैं, लेकिन इनके यहां तो बहुत पंगे हैं। यह तो जाति, धर्म, सम्प्रदाय, क्षेत्र, राजनीति को भी हथियार बना लेते हैं। ज़्यादा पंगा बढ़ाना हो, तो तलवार, डंडे, बन्दूक, बम और आग भी इस्तेमाल करते हैं। अपने बच्चों को डराते रहते हैं। अच्छा, इनका तो बहुत बुरा हाल है, नया बंदर बोला। बुजुर्ग बंदरी ने कहा, बहुत बिगड़े हुए हैं यह लोग। हम तो बंदर हैं न, तुम चिंता न करो, हम सब बंदर सभी को एक जैसा समझते हैं। आपस में समान व्यवहार करते हैं। सुना करते थे कि इनसान मानवता, सद्व्यवहार, अच्छाई के पैरोकार होते हैं, मगर यह सब देखने में ही ऐसे लगते हैं। वास्तविकता कुछ और है। यह तो जानवरों के नाम पर पकाई योजनाओं का पैसा भी हज़म कर जाते हैं। युवा बानर बोला, इसका मतलब इस दुनिया में भेदभाव, असमानता बहुत है। दूसरा बोला, यहां बहुत बचकर चलना पड़ता है, चौक्कने रहना पड़ता है। इनके डंडे, पत्थर, घुड़कियों को सहना पड़ता है। लम्बी छलांगे लगानी सीखनी पड़ती है। इन्हें डराना सीखना पड़ता है, कभी कभी काटना भी पड़ता है। बंदरु, यहां तो बड़े पंगे हैं, मुझे तो लगा था कि जंगल में रहने का मौक़ा मिलेगा, शुद्ध कंद मूल फल, जल और वायु मिलेगी। छोटी बंदरिया बोली, भूल जा, अब तो दुनिया के जंगल में ही रहना पड़ेगा।

देश दुनीया से

पहाड़ों की पुकार : 'टिकाऊ विकास'

भारी बारिश के चलते हिमाचल प्रदेश व उत्तराखण्ड से आई त्रासदी की भयावह तस्वीरें हम सबने देखीं। भरभरा कर गिरते घर, नदियों की उफनाती हुई धारा में बहती सडक़ें, दुकानें और भवन, व भूस्खलन की तस्वीरों में जिस एक बात की समानता थी वो ये कि प्रकृति कह रही है 'बस अब और नहीं'। इस त्रासदी के चलते हिमाचल प्रदेश में अब तक 300 से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है। लगभग 10000 करोड़ रुपए का अनुमानित नुकसान हो चुका है। हजारों लोगों का आशियाना छिन चुका है और हजारों की संख्या में पशुधन को नुकसान हुआ है। लगभग 1400 सडक़ें त्रासदी के चलते प्रभावित हुई हैं। सेब के कारोबार में लगभग 1000 करोड़ का नुकसान हुआ है व अन्य कारोबारों में भी मंदी आई है। विशेषज्ञों के अनुसार अभी हिमाचल प्रदेश में और बारिश होने की सम्भावना है और सितम्बर के पहले हफ्ते तक ये त्रासदी जारी रह सकती है। सोशल मीडिया की वजह से त्रासदी की जो तस्वीरें आज पूरे देश में पहुंच रही हैं, उसकी आहट हिमाचल प्रदेश को पहले से मिल रही थी। 2020 में जहां हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन की 16 घटनाएं हुई थीं, वहीं 2022 में भूस्खलन की 117 घटनाएं हुईं। इस साल भी भूस्खलन की लगभग 100 से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं। राज्य आपदा प्रबंधन संस्थान की एक रिपोर्ट के मुताबिक मानसून के दौरान आई त्रासदी की वजह से 2017-22 के बीच में लगभग 1800 मौतें हुईं, 3000 से अधिक मवेशी त्रासदी की भेंट चढ़ गए और लगभग 7500 करोड़ का नुकसान हुआ। मानसून के दौरान दिखने वाली त्रासदी की इन तस्वीरों को मानसून के बाद आने वाली 'विकास' और 'पर्यटन' की तस्वीरें ढक लेंगी। ग्रीन ट्रिब्यूनल, आपदा प्रबंधन, लैंडस्लाइड एटलस ऑफ इंडिया व तमाम संस्थाओं की चेतावनियों को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। वन संरक्षण व संवर्धन अधिनियम 2023 ने वनों को नुकसान का रास्ता तैयार कर ही दिया है। ऐसे में अक्टूबर से मई तक के बीच में जब आपके मोबाइल पर पहाड़ों में फोरलेन रोड व सुरंगों की तस्वीरें आएं, जब सोशल मीडिया की रीलों में रिवरसाइड रिजॉर्ट और कई मंजिला इमारतों को सुंदर ढंग से आपको परोसा जाए, जब पहाड़ों पर सरपट कार दौड़ाने और चाय व मैगी की चाहत के चलते आप भी पहाड़ों पर कोई टूरिस्ट डेस्टिनेशन ढूंढ रहे हों, तो सोचिएगा जरूर कि ये जो तथाकथित 'विकास' है, वो कितना टिकाऊ है? जो पर्यटन हम कर रहे हैं, उसमें जिम्मेदारी का बोध कितना है? क्या इन सुंदर पहाड़ों, जिनको हम अपनी तस्वीरों व रीलों में बॉलीवुड के ट्रेंडिंग गानों के साथ डालते हैं, की पीड़ा हम सुन पा रहे हैं? क्या पहाड़ों में विकास के नाम पर जो कुछ हो रहा है वह टिकाऊ है? जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) आज पूरे विश्व की हकीकत बन चुका है। जलवायु परिवर्तन के चलते हिमालय जैसे तरुणाई से भरे पहाड़ों पर मंडराने वाले खतरे भी हमारे सामने हैं। लेकिन क्या इन सुंदर पहाड़ों को बचाने के लिए भविष्य की दृष्टि से टिकाऊ विकास के कदम उठाए जा रहे हैं? विशेषज्ञों ने फोरलेन व निर्माण कार्यों के लिए पहाड़ों को 90 डिग्री पर काटने और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स व सुरंगों के लिए पहाड़ों पर किए जाने वाले ब्लास्ट को लेकर चेतावनियां दी हैं। 25000-50000 की क्षमता वाले शहरों में लाखों की आबादी की बसाहट को लेकर अर्बन प्लानिंग एक्स्पर्ट सतर्क करते आ रहे हैं। आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन व पारिस्थितिकी के क्षेत्र में काम करने वाले कई संस्थानों व विशेषज्ञों ने अपनी रिपोर्टों में भवन निर्माण के 'दिल्ली मॉडल' को हुबहू पहाड़ों के शहरों पर लागू करने को लेकर आगाह किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते बरसात की अनिश्चितता व भयावहता आने वाले दिनों में भी कम नहीं होगी और इस कारण से पहाड़ों पर बिना सोचे-समझे किए जा रहे 'विकास' को त्यागते हुए हमें टिकाऊ विकास का मॉडल अपनाना होगा।

विशेषज्ञों के अनुसार अभी हिमाचल प्रदेश में और बारिश होने की सम्भावना है और सितम्बर के पहले हफ्ते तक ये त्रासदी जारी रह सकती है। सोशल मीडिया की वजह से त्रासदी की जो तस्वीरें आज पूरे देश में पहुंच रही हैं, उसकी आहट हिमाचल प्रदेश को पहले से मिल रही थी। 2020 में जहां हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन की 16 घटनाएं हुई थीं, वहीं 2022 में भूस्खलन की 117 घटनाएं हुईं। इस साल भी भूस्खलन की लगभग 100 से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं। राज्य आपदा प्रबंधन संस्थान की एक रिपोर्ट के मुताबिक मानसून के दौरान आई त्रासदी की वजह से 2017-22 के बीच में लगभग 1800 मौतें हुईं, 3000 से अधिक मवेशी त्रासदी की भेंट चढ़ गए और लगभग 7500 करोड़ का नुकसान हुआ।

जी20 समिट में शामिल नहीं होंगे पुतिन : रूसी प्रेसिडेंट की जगह फॉरेन मिनिस्टर कर सकते हैं शिरकत ; ब्रिक्स समिट से भी दूर रहे थे पुतिन

मॉस्को।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन अगले महीने भारत में होने वाली जी20 समिट में हिस्सा नहीं लेंगे। क्रेमलिन के स्पोक्सपर्सन दिमित्री पेस्कोव ने इसकी पुष्टि कर दी है। पुतिन ने 2019 में आखिरी बार जापान में हुई जी20 समिट में इन पर्सन शिरकत की थी। 2020 में रियाद और 2021 में रोम में हुई समिट में भी पुतिन वर्चुअली शामिल हुए थे। 2022 में बाली में हुई समिट में भी रूसी राष्ट्रपति मौजूद नहीं थे। पुतिन की जगह फॉरेन मिनिस्टर सर्गेई लावरोव नई दिल्ली आएंगे। समिट 9 और 10 सितंबर को होगी।

ब्रिक्स समिट में भी शामिल नहीं हुए थे – साउथ अफ्रीका में 22 से 24 अगस्त तक ब्रिक्स समिट हुई। इसमें भी व्लादिमिर पुतिन शामिल नहीं हुए। उनकी जगह फॉरेन मिनिस्टर लावरोव ने ही शिरकत की थी। इस समिट में भी पुतिन के शामिल होने पर आखिरी वक्त तक सस्पेंस था। बाद में होस्ट कंट्री साउथ अफ्रीका ने खुद ही साफ कर दिया था कि रूस के राष्ट्रपति जोहान्सबर्ग नहीं आएंगे। दरअसल, ब्रिक्स समिट में पुतिन के शामिल होने को लेकर होस्ट साउथ अफ्रीका पशोपेश में था। इसकी वजह यह है कि यूक्रेन पर हमले और वॉर क्राइम्स को लेकर रूसी राष्ट्रपति के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट वॉरंट जारी कर चुका है। पुतिन अगर जोहान्सबर्ग आते तो उनकी गिरफ्तारी का खतरा था। लिहाजा, साउथ अफ्रीकी और रूसी सरकार के बीच एग्रीमेंट हुआ और इसके बाद पुतिन की गैरमौजूदगी के बारे में जानकारी दी गई।

भारत न आने की वजह भी यही – इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में पुतिन के खिलाफ वॉर क्राइम्स को लेकर केस दर्ज हैं। अगर वो जोहान्सबर्ग आते तो मेंबर कंट्री होने के नाते साउथ अफ्रीकी सरकार को पुतिन को गिरफ्तार करना पड़ता। इसकी वजह यह है कि इंटरनेशनल कोर्ट को लेकर तमाम देशों के बीच ट्रीटी है। रूस की तरफ से भले ही ऑफिशियली इस वजह का जिक्र न किया गया हो, लेकिन पुतिन के नई दिल्ली न आने की वजह भी यही है। आईसीसी ने इसी साल मार्च में पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वॉरंट जारी किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने यूक्रेन पर हमले के दौरान गैरकानूनी तौर पर यूक्रेनी बच्चों को रूस डिपोर्ट किया। दूसरी तरफ, रूस का दावा है कि वो आईसीसी का मेंबर ही नहीं है तो फिर पुतिन के खिलाफ वॉरंट भी गैरकानूनी माना जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जी20 समिट के लिए दो दिन पहले 7 सितंबर को भारत पहुंचेंगे। जी20 समिट 9 और 10 सितंबर को होगी।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान बोला- ब्रिक्स में शामिल होने की अर्जी नहीं दीः कहा- हमने दुनिया में शांति-एकजुटता बढ़ाने में सहयोग दिया; संगठन में 6 नए देश जुड़ेंगे

इस्लामाबाद। ब्रिक्स में शामिल होने वाले नए देशों में पाकिस्तान का नाम न होने के बाद, पड़ोसी मुल्क ने कहा है कि उन्होंने कभी ब्रिक्स में शामिल होने के लिए औपचारिक तौर पर अप्लाय ही नहीं किया।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा– जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स समिट पर हमारी नजर थी। इसमें नए बदलावों को स्टडी करने के बाद ही संगठन के साथ अपने भविष्य को लेकर फैसला करेंगे। मुमताज ने कहा– ब्रिक्स अलग-अलग देशों को संगठन में शामिल करने के लिए खुला है। पाकिस्तान हमेशा से इस विचार का समर्थक रहा है। हमने हमेशा से वैश्विक शांति और विकास में अहम भूमिका निभाई है। विदेश मंत्रालय ने कहा– पाकिस्तान भी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण विकासशील देश है, जिसने ग्लोबल साउथ के देशों में शांति, सहयोग और एकजुटता को बढ़ाने के लिए अपना योगदान किया है। मुमताज ने कहा– हम दुनिया में कोऑपरेशन और सहयोग बढ़ाने के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश करते रहेंगे। इससे पहले जून में पाकिस्तान ने ब्रिक्स में शामिल होने की इच्छा जताई थी। एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने अगस्त के ब्रिक्स समिट के वक्त संगठन में शामिल होने के लिए अर्जी दी थी। फाइनेंस सबसे बड़ी वजह है। ब्रिक्स सीधे तौर पर दुनिया का सबसे संपन्न माने जाने वाले आर्थिक संगठन जी7 को टक्कर देता है। जीडीपी पर क्रय शक्ति के मामले में चीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, भारत तीसरी, रूस छठी और ब्राजील आठवीं है। सारे ब्रिक्स देशों की दुनिया की जीडीपी में 31.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। ऐसे में पाकिस्तान को इसमें शामिल करने से संगठन आर्थिक रूप से कमजोर होगा।

ब्रिटिश संग्रहालय के निदेशक ने दिया इस्तीफा, अपनी देखरेख में कलाकृतियों की चोरी से आहत

लंदन। लंदन के प्रमुख पर्यटक आकर्षणों में से एक ब्रिटिश संग्रहालय के निदेशक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जबकि शनिवार को यह बात सामने आई कि चुराई गई 2,000 कलाकृतियों में से कुछ बरामद कर ली गई हैं। बता दें कि ब्रिटिश संग्रहालय में हजारों बहुमूल्य कलाकृतियां प्रदर्शित हैं, इनमें से कुछ भारत की हैं। हार्टविग फिशर ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि संग्रहालय ने आशंकित चोरी के बारे में चेतावनियों का व्यापक रूप से जवाब नहीं दिया और इसकी जिम्मेदारी अंततः उन्हीं की है। संग्रहालय के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष जॉर्ज ओसबोर्न ने शनिवार को मीडिया को बताया कि हमने पहले ही चोरी की गई कुछ वस्तुओं को फिर से प्राप्त करना शुरू कर दिया है। ओसबोर्न ने कहा, हमारा मानना है कि हम लंबे समय से चोरी का शिकार होते रहे हैं और स्पष्ट रूप से उन्हें रोकने के लिए और भी बहुत कुछ किया जा सकता है। फिशर का इस्तीफा उस घटना के एक सप्ताह से अधिक समय बाद सामने आया है, जिसमें संग्रहालय के एक भंडार कक्ष से कई खजाने चोरी हो जाने के बाद संग्रहालय के एक कर्मचारी को कानूनी कार्रवाई लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया था। फिशर ने कहा, पिछले कुछ दिनों से मैं ब्रिटिश संग्रहालय से चोरी की घटनाओं और उनकी जांच की विस्तार से समीक्षा कर रहा था। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि ब्रिटिश संग्रहालय ने 2021 में चेतावनियों और अब पूरी तरह से सामने आई समस्या के जवाब में उतनी व्यापक प्रतिक्रिया नहीं दी जितनी उसे देनी चाहिए थी।

डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिका के अगले उपराष्ट्रपति बन सकते हैं विवेक रामास्वामी, दिए ये संकेत

वॉशिंगटन । अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी भी दावा पेश कर रहे हैं। खास बात ये है कि विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता भी लगातार बढ़ रही है। अब विवेक रामास्वामी ने संकेत दिए हैं कि वह अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के डिप्टी के रूप में उपराष्टपति पद के उम्मीदवार बन सकते हैं। हालांकि पहले विवेक रामास्वामी ने राष्टपति पद के अलावा कोई अन्य पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। हालांकि अब उन्होंने इसके लिए तैयार होने के संकेत दिए हैं। विवेक रामास्वामी ने कहा कि वह बतौर राष्टपति ही देश को एकजुट कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने ट्रंप के सहयोगी के रूप में उपराष्टपति चुनाव लड़ने से भी इनकार नहीं किया। दरअसल जब इस बारे में रामास्वामी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह मेरे बारे में नहीं है, अगर यह मेरे बारे में है तो मेरी उम्र के व्यक्ति के लिए यह पद भी शानदार होगा।

रूस बोला– प्रिगोजिन की हत्या के आरोप सफेद झूठ

जांच के बाद करेंगे मौत की पुष्टि ; बेलारूसी राष्ट्रपति ने कहा– मैंने उन्हें चेताया था

मॉस्को।

रूस में पुतिन के बागी वैगनर चीफ की 23 अगस्त को हुई मौत अब तक एक गुत्थी बनी हुई है। मॉस्को के पास उनका प्लेन कैसे क्रैश हुआ, ये पहेली सुलझाने के लिए विमान के रिकॉर्डर्स की जांच की जाएगी। घटनास्थल से जांच अधिकारियों को 10 शव और फ्लाइट रिकॉर्डर्स बरामद हुए हैं। जांच अधिकारियों ने बताया कि मॉलिक्यूलर-जेनेटिक टेस्ट के जरिए शवों की पहचान की जाएगी। दूसरी तरफ, पश्चिमी देशों की तरफ से आशंका जताई जा रही है कि प्रिगोजिन की मौत एक हादसा नहीं, साजिश हो सकती है। इस पर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा– ये सफेद झूठ है। रूस ने प्रिगोजिन की मौत की पुष्टि करने इनकार कर दिया है। पेस्कोव ने कहा– जब तक जांच रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता।

प्रिगोजिन ने कहा था– मैं मौत से नहीं डरता – वहीं बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने प्रिगोजिन की मौत को हैरान करने वाला बताया। उन्होंने कहा– मौत से पहले मैंने प्रिगोजिन को आगाह भी किया था। जब वैगनर चीफ ने पुतिन के खिलाफ विद्रोह किया था, मैंने तब भी उसे संभलकर फैसले लेने को कहा था।

इस पर प्रिगोजिन ने जवाब दिया था कि उन्हें मौत से डर नहीं लगता। इसके बाद जब वो और दिमित्री उत्किन (वैगनर के को-फाउंडर और प्रिगोजिन के करीबी) मुझसे मिलने आए थे, तब भी मैंने उन्हें सतर्क रहने को कहा था।

लुकाशेंको बोले– पुतिन शांत इंसान, वो ऐसा नहीं कर सकते – पुतिन पर लग रहे प्रिगोजिन की हत्या के आरोपों पर लुकाशेंको ने कहा– पुतिन ऐसा नहीं कर सकते। वो प्रिगोजिन को मारने का आदेश नहीं देंगे। मैं उन्हें जानता हूं। वो बहुत शांत और सोच-समझकर फैसला लेने वालों में से हैं। उन्हें इसका दोषी नहीं ठहराया जा सकता है।

लुकाशेंको ने कहा– अगर वैगनर आर्मी की बात करें, तो उनके लड़ाके बेलारूस में ही रहेंगे। जब तक हमें जरूरत होगी, तब तक वैगनर यहीं रहकर हमारे साथ काम करेगा।

पुतिन बोले– प्रिगोजिन ने कुछ गलतियां की थीं, लेकिन वो टैलेंटेड थे – इससे पहले गुरुवार यानी 24 अगस्त को प्रिगोजिन की मौत के करीब 24 घंटे के बाद राष्ट्रपति पुतिन का बयान सामने आया था। उन्होंने वैगनर चीफ की मौत पर दुख जताया था। पुतिन ने कहा था– प्रिगोजिन टैलेंटेड कारोबारी थे। मुझे प्लेन क्रैश में उनकी मौत का अफसोस है। उन्होंने कुछ बड़ी गलतियां की थीं, लेकिन कई अच्छे काम भी किए थे। पुतिन ने आगे कहा था– मैं उन्हें काफी लंबे वक्त से जानता था। पहली बार 1990 के आसपास उनसे मुलाकात हुई थी। उनको लेकर कुछ दिक्कतें जरूर थीं। जहां तक मुझे जानकारी है, प्रिगोजिन बुधवार को ही अफ्रीका से वापस मॉस्को आए थे। यूक्रेन में वैगनर ने जो किया, उसे हम भूल नहीं सकते। इस प्लेन क्रैश की जांच में कुछ वक्त लगेगा।

क्रैश होने वाले प्लेन में सवार थे वैगनर चीफ – बुधवार को वैगनर चीफ जिस प्लेन में सवार थे, वो क्रैश हो गया था। रूस की एविएशन मिनिस्ट्री के मुताबिक, पैसेंजर लिस्ट में प्रिगोजिन का नाम था और वो इसमें सवार थे। वो प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप के चीफ थे। क्रैश में 10 लोग मारे गए थे। यह एयरक्राफ्ट मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा था। प्रिगोजिन के अलावा इस प्लेन में प्राइवेट आर्मी के को-फाउंडर और पूर्व रूसी स्पेशल फोर्स कमांडर दिमित्री उत्किन भी सवार थे। वैगनर के और भी अधिकारी विमान में मौजूद थे।

23 जून को वैगनर ने किया था विद्रोह – 23 जून को वैगनर ग्रुप ने रूस के खिलाफ विद्रोह की घोषणा की थी। वैगनर आर्मी यूक्रेन के कैंप छोड़कर रूसी सीमा में दाखिल हो गई थी। उसने रोस्तोव शहर और मिलिट्री हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया था। प्रिगोजिन ने तब कहा था– हम मरने से नहीं डरते। उन्होंने दावा किया था वैगनर लड़ाकों ने रूसी सेना के कई हेलिकॉप्टर्स को मार गिराया था। आरटी के मुताबिक, प्रिगोजिन ने रूस के रक्षा मंत्री को रोस्तोव आकर उनसे मिलने के लिए कहा था।

ब्रिटेन में भारतीय मूल के व्यक्ति को हुई जेल, प्रतिबंधित ड्रग्स की तस्करी का आरोप

लंदन। ब्रिटेन की राष्टीय अपराध एजेंसी (एनसीए) के नेतृत्व में एक जांच के बाद ब्रिटेन में प्रतिबंधित ड्रग्स की तस्करी की साजिश का दोषी पाए जाने पर भारतीय मूल के एक व्यक्ति और उसके साथी को 12-12 साल कैद की सजा सुनाई गई। 37 वर्षीय संदीप सिंह राय और 43 वर्षीय बिली हेयरे एक संगठित अपराध समूह (ओसीजी) से संबंधित है। दोनों को मेक्सिको से एक कार्गो विमान के जरिये ब्रिटेन में 30 किलो कोकीन और 30 किलो एम्फैटेमिन की तस्करी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। दोनों ने शुरुआत में ए-क्लास की प्रतिबंधित ड्रग्स की आपूर्ति की साजिश के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन इस साल की शुरुआत में वॉल्वरहैम्प्टन क्राउन कोर्ट में मुकदमा शुरू होने से ठीक पहले उन्होंने अपनी दलीलों में खुद को दोषी मान लिया। इसके बाद उसी अदालत में उन्हें अपराधों के लिए सजा सुनाई गई। एनसीए ऑपरेशंस मैनेजर क्रिस डुप्लॉक ने कहा, राय और हेयरे मेक्सिको से ब्रिटेन में ए-क्लास के ड्रग्स की तस्करी करने के एक जटिल प्रयास के पीछे शामिल थे। उन्होंने कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर हमने उन्हें नहीं रोका होता, तो वे और अधिक ड्रग्स लाने के लिए बार-बार इस मार्ग का उपयोग करते। देश और विदेश में साझेदारों के साथ काम करते हुए हम क्लास-ए ड्रग्स की आपूर्ति को बाधित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, क्योंकि यह ब्रिटेन के समुदायों में सामूहिक हिंसा और वास्तविक पीड़ा से जुड़े हुए हैं।

अमेरिका में पाकिस्तानी डॉक्टर को 18 साल की जेल

आंतकी हमले में आईएसआईएस की मदद करना चाहता था; सीरिया भागने से पहले एफबीआई ने पकड़ा

वॉशिंगटन।

अमेरिका में पाकिस्तान के एक डॉक्टर को 18 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। एक डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने पिछले साल उसे अमेरिका पर हमले करने की प्लानिंग का दोषी पाया था। इसके बाद उसे सजा सुनाई गई। 31 साल का मुहम्मद मसूद अमेरिका में हमले करने के लिए आईएसआईएस की मदद करना चाहता था। उसने 2020 में जॉर्डन से होते हुए सीरिया जाने की कोशिश की थी।

इस कोशिश में नाकामयाब होने के बाद उसने मिनेपोलिस से लॉस एंजिल्स जाने की कोशिश जहां से मसूद को किसी ऐसे इंसान से मिलना था, जो कार्गो शिप के जरिए सीरिया तक पहुंचने में उसकी मदद करता। मसूद मिनेपोलिस की फ्लाइट पकड़ पाता इससे पहले उसे एफबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। प्रोसीक्यूटर ने बताया कि मसूद अमेरिका में वर्क वीजा पर आया था। अमेरिका में संदिग्ध लोगों की जानकारी देने के लिए कुछ जासूसों को काम पर रखा गया है। इनके सामने मसूद ने जनवरी 2020 से ही अपने आईएसआईएस जॉइन करने के बारे में जानकारी दी थी। मसूद ने बताया कि उसे लगा था कि ये लोग आईएसआईएस से जुड़े हैं। उसने आतंकी संगठन और उसके लीडर का पूरा साथ देने की कसम खाई थी। मसूद ने जासूसों को ये भी बताया था कि वो अमेरिका में लोन

वुल्फ अटैक करना चाहता था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हासिल हुई थी मसूद की जानकारी

मसूद अमेरिकी एजेंसियों के टारगेट पर तब आया जब उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उसके आईएसआईएस के समर्थन में किए गए पोस्ट मिले। इसके बाद मसूद की ज्यादा जानकारी हासिल करने के लिए उसे कुछ ऐसे लोगों के संपर्क में लाया गया जो अमेरिकी एजेंसियों के लिए काम कर रहे थे।

मसूद ने उनके सामने बताया कि वो डॉक्टर है जो मेडिकल वीजा पर अमेरिका आया है। वो सीरिया, इराक और अफगानिस्तान के पास उत्तरी ईरान जाना चाहता है, ताकि वो अपने आईएसआईएस के घायल भाइयों के लिए लड़ सके।

दरअसल, आईएसआईएस ने इराक और सीरिया के कुछ इलाकों पर 2014 में कब्जा कर लिया था। इसके लड़ाके पूरी दुनिया में फैले हैं। हालांकि, 2019 से इसकी पकड़ कमजोर हुई। अब इसके केवल 5 हजार से 7 हजार लड़ाके ही रह गए हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से आईएसआईएस का असर फिर से बढ़ रहा है।

खाली पेट नेगेटिविटी-स्ट्रेस बढ़ाता हैः ये खराब मूड का सबसे बड़ा कारण, इससे शरीर में बल्ड ग्लूकोज का लेवल कम हो सकता है

लंदन।

भूख हमारे दिमाग पर कई तरह से असर कर सकती है। रिसर्च में पता चला है कि भूख से हमारी भावनाओं और दिमाग पर भले ही कम समय के लिए लेकिन, बुरा असर पड़ता है। भूख को नकारात्मक भावनाओं और खराब मूड का एक विश्वसनीय कारण माना जा सकता है। भावनाएं हमारे सोचने के तरीके पर गंभीर असर डाल सकती हैं। खासकर जब हम उन्हें समझें या स्वीकार न करें।

14 घंटे 129 महिलाओं को भूखा रखकर की गई स्टडी

नीदरलैंड की ग्रोनिंगन यूनिवर्सिटी में मनोवैज्ञानिक निएनके जोंकर और उनके सहकर्मियों ने 129 महिलाओं पर अध्ययन किया। इनमें से आधों को 14 घंटे तक भूखा रखा गया। इन सबसे उनकी भूख के स्तर, खाने की आदतें और मूड के बारे में पूछा गया। जिन महिलाओं को भूखा रखा गया था उनमें ज्यादा नकारात्मक भावनाएं, डिप्रेशन, गुस्सा, तनाव, थकान और भ्रम को पाया गया। ये हमारे मूड खराब होने के प्रमुख कारण हैं। खराब मूड अक्सर हमें निराशावादी बना कर दुनिया के प्रति नजरिया बदल सकता है। अगर आप खराब मूड में हैं, तो आप नकारात्मक चीजों को बेहतर ढंग से याद रखते हैं। ये चीजें आपको और भी खराब मूड में डाल सकती है। भूख से आपका ध्यान भी भटका रहता है। इससे काम पर ध्यान देने में भी मुश्किल आती है।

भूख के कारण आप खुद पर काबू खो देते हैं

भूख में ऐसा क्यों महसूस होता है इसके सटीक कारणों को बता पाना थोड़ा मुश्किल है। ये शरीर में बल्ड ग्लूकोज के स्तर गिरने से खुद पर काबू खोने के कारण भी हो सकता है। वैसे तो दुनिया में ज्यादातर लोग नकारात्मक विचारों और भावनाओं से भरे हुए हैं। लेकिन, भूख हमारी इन भावनाओं और विचारों पर काबू करने की क्षमता को खत्म कर देती है। पर्याप्त पोषक तत्वों की कमी में मस्तिष्क विकसित होने और काम करने के लिए संघर्ष कर सकता है। रिसर्च में पता चला है कि भारत के स्कूलों में बच्चों के लिए खाने का इंतजाम होने के बाद बच्चों के दिमाग में 13प्रतिशत से 16प्रतिशत सुधार हुआ है।

चुनाव से पहले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थर्मन का बड़ा बयान, सिंगापुर गैर-चीनी पीएम के लिए तैयार

सिंगापुर।

सिंगापुर किसी समय एक गैर-चीनी प्रधानमंत्री के लिए तैयार है। भारतीय मूल के थर्मन शनमुगरत्नम ने एक सितंबर को होने वाले चुनाव से पहले यह बात कही। सिंगापुर के पूर्व उप प्रधानमंत्री थर्मन शनमुगरत्नम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। उन्होंने इसे चीनी मूल की आबादी के प्रभुत्व वाले देश में समाज की प्रगति का एक प्रतीक बताया।

उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का हवाला देते हुए कहा, नस्लवाद हर जगह राजनीति में एक कारक है। नस्लवाद को लेकर ओबामा पहले भी बोल चुके हैं और उन्होंने इसके बारे में लिखा भी है। भारतीय मूल के 66 वर्षीय सिंगापुरी थर्मन ने कहा, हालांकि 40 या 50 साल पहले के विपरीत आज सिंगापुरवासी सभी कारकों को देखते हैं, न कि केवल नस्लवाद को। उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए अपना दृष्टिकोण साझा करने के लिए एक चुनावी बैठक के दौरान कहा, सिंगापुरवासी लोगों को समग्रता से देखते हैं... सिंगापुर किसी भी समय तैयार है। यदि कोई ऐसा व्यक्ति सामने आता है जो प्रधानमंत्री के लिए बेहतर उम्मीदवार है, तो उस व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनाया जा सकता है। मेरा मानना है कि वे ऐसा कर सकते हैं। पूर्व वरिष्ठ मंत्री थर्मन ने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के लिए जुलाई में सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा, यह एक समाज के रूप में सिंगापुर की प्रगति का प्रतीक है। मीडिया ने थर्मन के हवाले से कहा, सिंगापुर किसी गैर-चीनी प्रधानमंत्री के लिए किसी भी समय तैयार है। सिंगापुरवासियों को एक सितंबर को 9वें राष्ट्रपति के लिए मतदान करना है। अर्थशास्त्री थर्मन ने यह भी कहा कि चाहे वे कितनी भी महत्वपूर्ण क्यों न हों, केवल सरकारी नीतियां सिंगापुर को एक निष्पक्ष और बेहतर स्थान नहीं बना सकती हैं। उन्होंने कहा, इसके बजाय चीजों को अधिक गहराई तक ले जाना चाहिए और सिंगापुर के विकास का अगला चरण उन चीजों पर ध्यान देना है जिन्हें मापा नहीं जा सकता है। यह पूछे जाने पर कि ऐसे कई लोग हैं जो सार्थक कार्य कर रहे हैं, लेकिन दिखाई नहीं देते हैं। उन्होंने कहा, हर कौशल और हर नौकरी सम्मान की हकदार है। बेहतर काम करने लेकिन कम वेतन पाने वाले भी सम्मान और प्रतिष्ठा के हकदार हैं। बता दें, चीनी मूल के सिंगापुर निवासी टैन किन लियान और एनजी कोक सोंग भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे हैं। 75 वर्षीय टैन एक पूर्व ट्रेड यूनियन-संबंधित बीमा समूह एनटीयूसी इनकम के मुख्य कार्यकारी हैं, जबकि 75 वर्षीय एनजी देश की स्वामित्व वाली जीआईसी के पूर्व मुख्य निवेश अधिकारी हैं। सिंगापुर की बहु-नस्लीय आबादी में चीनी लोग लगभग 75 प्रतिशत हैं। अनुमानतः 13.5 प्रतिशत मलय हैं और लगभग नौ प्रतिशत भारतीय हैं, शेष संख्या अन्य लोगों की है।

नवाज शरीफ अक्टूबर में पाकिस्तान लौटेंगे

भाई शाहबाज ने लंदन में मुलाकात की; कहा- वो आकर चुनाव का जिम्मा संभालेंगे

लंदन।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के प्रमुख नवाज शरीफ अक्टूबर में पाकिस्तान लौटेंगे। इस बात की जानकारी नवाज शरीफ के भाई और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने लंदन में मे हुई एक मीटिंग के बाद दी।

शाहबाज शरीफ केयरटेकर प्रधानमंत्री को पदभार सौंपने के बाद पिछले रविवार को लंदन पहुंच गए थे। यहां उन्होंने अपने बड़े भाई नवाज शरीफ से मुलाकात की। शाहबाज ने बताया कि नवाज शरीफ अक्टूबर में पाकिस्तान लौटेंगे और चुनाव प्रचार का जिम्मा संभालेंगे। हालांकि, वो कौन सी तारीख को आएंगे, इसे लेकर उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी है।

पाकिस्तान के चैनल ने नवाज शरीफ के परिवार के हवाले से बताया कि नवाज शरीफ 15 अक्टूबर तक वापस लौट सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक तारीख को लेकर नवाज शरीफ, शाहबाज शरीफ और एक करीबी परिवार के सदस्य के बीच बातचीत हुई, जिसमें तय किया गया कि नवाज अक्टूबर के मध्य में पाकिस्तान लौटें।

90 दिन में हो सकते हैं चुनाव

सूत्रों के मुताबिक नवाज की वापसी में देरी का कारण कुछ ही दिनों पहले पाकिस्तान के चुनाव आयोग की तरफ से की गई घोषणा है, जिसमें कहा गया था कि अगले 90 दिनों में पाकिस्तान में चुनाव हो सकते हैं।

वहीं एक अन्य सूत्र के मुताबिक वापसी में देर का कारण चुनाव की घोषणा नहीं, बल्कि पार्टी के वफादार नेता की सलाह है जिसमें उन्होंने कहा कि सितम्बर के महीने में काफी गरमी है, जिससे

कारण रैली में भीड़ आने में दिक्कत हो सकती है।

सितंबर में वापस आने की थी खबर

इससे पहले खबर आई थी कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ सितंबर में लंदन से इस्लामाबाद लौट आएंगे। अगले चुनाव में वो ही पाकिस्तान की पार्टी का नेतृत्व करेंगे और जीत मिलने पर प्रधानमंत्री भी बनेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवाज पाकिस्तान के चीफ जस्टिस के रिटायर होने का इंतजार कर रहे हैं। बंदियाल का 17 सितंबर को रिटायर हो रहे हैं। इसके बाद नवाज पाकिस्तान लौटेंगे, जहां उन्हें पनामा पेपर लीक केस में राहत मिलने की उम्मीद है।

संसद ने आजीवन अयोग्यता वाला कानून बदला

2 महीने पहले पाकिस्तान में शाहबाज सरकार ने संसद ने 'लाइफटाइम डिस्क्वॉलिफिकेशन' को रद्द कर दिया था। नए कानून के तहत किसी भी सांसद को अब 5 साल से ज्यादा के लिए अयोग्य करार नहीं दिया जा सकेगा। इस फैसले का फायदा सीधे तौर पर नवाज शरीफ को मिलेगा।

दरअसल, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में नवाज शरीफ को पनामा पेपर्स मामले में अयोग्य घोषित कर दिया था, जिसके बाद उन्हें किसी भी पार्टी में शामिल होने से रोक दिया गया था। लाहौर हाईकोर्ट ने 2019 में नवाज को इलाज कराने के लिए चार हफ्ते के लिए विदेश जाने की इजाजत दी थी। 19 नवंबर, 2019 को नवाज लंदन गए थे और तब से देश वापस नहीं लौटे हैं।

कोर्ट ने 2018 में नवाज को अल-अजीजिया स्टील मिल्स भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की सजा सुनाई थी। वहीं एवनफील्ड प्रॉपर्टी मामले में उन्हें 11 साल की सजा सुनाई गई थी और 80 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया था। 16 नवंबर 2019 को लाहौर हाई कोर्ट ने नवाज की सजा सस्पेंड करते हुए उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत दी। नवाज शरीफ अब तक 3 बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

राज्यपाल के सभी पत्रों का जवाब दूंगा पर पावर हंगर पत्र न लिखें : भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित के पत्र का जवाब देते हुए कहा है कि राज्यपाल के पत्र सैद्धांतिक नहीं है वह पावर हंगर पत्र हैं। वह सभी पत्रों का जवाब देंगे लेकिन पावर हंगर पत्रों पर किसी भी सूरत में विचार नहीं किया जाएगा। राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने शुक्रवार को पंजाब के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा था कि उन्होंने उनके किसी भी पत्र का जवाब नहीं दिया है। पंजाब में कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है और सरकारी ठेकों पर ड्रग्स बिक रही है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को अपने पत्र के माध्यम से अंतिम चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर उनके पत्र का जवाब नहीं दिया गया तो वह संविधान की धारा 356 के तहत राष्ट्रपति को कार्रवाई

की सिफारिश तथा आपराधिक कार्रवाई करने के लिए बाध्य होंगे। इस पर पलटवार करते हुए शनिवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार के सत्ता में आने के बाद पंजाब में 50 हजार 871 करोड़ के 3420 प्रोजेक्ट आए हैं। इनमें टाटा समूह मुख्य रूप से शामिल है। मान ने कहा कि पंजाब पुलिस लगातार ड्रग्स माफिया के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है। पंजाब की कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ठीक है। पंजाब में पिछले करीब दो साल में दो लाख 70 हजार नई एमएसएमई यूनिट का पंजीकरण हुआ है। भगवंत मान ने कहा कि राज्यपाल ने चंडीगढ़ में तैनात पंजाब कैडर के एसएसपी को हटाते समय उनके साथ कोई राय नहीं की। पांच माह तक यह पद खाली पड़ा रहा। मान ने कहा कि राज्यपाल पुरोहित बताएं कि वह पंजाब के राज्यपाल हैं या चंडीगढ़ या केंद्र के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि राज्यपाल के पत्रों में किसी ठोस एजेंडे पर जानकारी मांगने की बजाए सत्ता की भूख की झलक नजर आ रही है। राज्यपाल संविधान की दोहाई तो देते हैं लेकिन संविधान की रक्षा नहीं कर रहे हैं। पंजाब के राज्यपाल को राजस्थान से चुनाव लड़ने की सलाह देते हुए भगवंत मान ने कहा कि वह अगर पंजाब वासियों के हित में काम करना चाहते हैं तो केंद्र की तरफ एसडीआरएफ के रूप में अटके 9600 करोड़ दिलवाने के लिए शर्तों में ढील दिलवाएं। उन्होंने कहा कि वह राज्यपाल के सभी पत्रों का ठोस जवाब देंगे लेकिन कुर्सी बचाने के लिए किसी तरह का समझौता नहीं करेंगे। आम आदमी पार्टी द्वारा शुरू की गई पंजाब के अधिकारों की लड़ाई लगातार जारी रहेगी। मान ने कहा कि पंजाब ने पहले भी आर्टिकल 356 को कई बार झेला है लेकिन वर्तमान में पूर्ण बहुमत की चुनी हुई सरकार के खिलाफ इसका इस्तेमाल करना आसान नहीं है। राज्यपाल धमकियां देने से पहले संविधान का अध्ययन करें।

कांग्रेस की सितंबर में उम्मीदवारों की पहली लिस्ट आ सकती है : रघु शर्मा

झालावाड़ (हिंस)। कांग्रेस के प्रत्याशियों की पहली सूची सितंबर माह में जारी हो सकती है। इसके संकेत शनिवार को झालावाड़ में रायशुमारी करने पहुंचे पूर्व मंत्री और जिला चुनाव प्रभारी प्रभारी रघु शर्मा ने भी दिए हैं। पत्रकारों से बातचीत करते हुए रघु शर्मा ने कहा कि सितंबर माह में पहली लिस्ट उम्मीदवारों की जारी हो सकती है। इसके लिए कांग्रेस की ओर से प्रदेश भर में फीडबैक का काम तेज गति से किया जा रहा है। स्थानीय को ही टिकट मिलेगा इस बात का भी उन्होंने कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाया। झालावाड़ डाक बंगला में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से रायशुमारी के लिए पहुंचे कांग्रेस के झालावाड़ चुनाव प्रभारी रघु शर्मा और रमेश मीणा ने गुजरात से आई पर्यवेक्षक जेनी बेन के साथ अलग-अलग ग्रुप के माध्यम

से राय शुमारी कर नेताओं और कार्यकर्ताओं की भावनाओं को जाना। रघु शर्मा ने बताया कि जो कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर कांग्रेस की योजनाओं का प्रचार प्रसार कर रहा है उनके सुख-दुख में साथ खड़ा है, ऐसे उम्मीदवार को टिकट दिया जाएगा। इसका फीडबैक आला कमान को सौंपेंगे। यहां तीन बार चुनाव हार गए उम्मीदवार को फिर से टिकट देने के मामले में उन्होंने कहा कि जो जीतने वाले होंगे उनको ही टिकट दिया जाएगा।

हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर ग्रामीणों ने दिया धरना

कैथल (हिंस)। गांव शिमला में हुई युवक की हत्या के मामले में ग्रामीणों ने हत्या आरोपी ससुरालियों को गिरफ्तार करने के लिए बस अड्डा पर धरना दिया। गांव के बस अड्डा पर सैकड़ो ग्रामीण शनिवार सुबह इकट्ठा हुए। दोपहर तक ग्रामीण युवक हाथों में संजय को इंसाफ दो लिखे बैनर लेकर धरने पर बैठे। ग्रामीणों की मांग थी कि कानून के छात्र संजय की हत्या कर उसकी ससुराल वालों ने उसका शव फांसी पर लटका दिया। अब पुलिस इस मामले को आत्महत्या का रूप देना चाहती है। जिसे ग्रामीण बर्दाश्त नहीं करेंगे। धरने की अध्यक्षता कर रहे भारतीय किसान यूनियन टिकैत ग्रुप के पूर्व ब्लाक प्रधान जिले सिंह ने कहा कि गांव के लोगों ने फैसला लिया है कि यदि पुलिस ने सोमवार

तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया तो वे चंडीगढ़ हिसार मार्ग जाम कर देंगे। धरने की सूचना मिलते ही कलायत थाना प्रभारी रोहतास कुमार पहुंचे लेकिन ग्रामीणों ने उनसे बात करने से इनकार कर दिया। इसके बाद डीएसपी कलायत सज्जन सिंह मौका पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। डीएसपी ने सोमवार से पहले आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। धरने में, महेंद्र सिंह, राजकुमार, आशीष कुमार, जोरा व जरनैल सहित ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

माटी कला बोर्ड के गठन से प्रजापति समाज का सम्मान बढ़ा : ईश्वर सिंह

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा माटी कला बोर्ड के नवनियुक्त चेयरमैन ईश्वर सिंह मालवाल का शनिवार को जगाधरी में प्रजापत समाज की ओर से अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन का फूल मालाओं और पगड़ी से स्वागत किया गया। चेयरमैन ईश्वर सिंह मालवाल ने कहा कि जो जिम्मेदारी सरकार ने दी है उसका वह बाखुबी निर्वहन करेंगे। उन्होनें कहा कि माटी कला बोर्ड के गठन से प्रजापति समाज को बहुत सम्मान मिला है। प्रजापति समाज को अपनी बात रखने में और अधिक सुविधा होगी तथा उनकी समस्याओं का समाधान तत्परता से किया जा सकेगा। जिन सम्सयाओं के लिए उन्हें लंबे समय तक भटकना पड़ता था, उनका निराकरण आसानी से हो सकेंगा।

विधायक ने झूठ बोलकर लोगों को किया गुमराह : इनेलो

फतेहाबाद (हिंस)। फतेहाबाद शहर के बाईपास और रतिया रोड पर खड़े बाढ़ के पानी का मुद्दा विधानसभा में गूंजा। इनेलो विधायक अभय सिंह चौटाला ने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया तो उनकी फतेहाबाद के विधायक दुड़ाराम के साथ जमकर बहस हुई। अभय चौटाला द्वारा पानी निकासी न होने के सवाल पर विधायक दुड़ाराम ने फतेहाबाद में बाढ़ का पानी खड़ा होने की बात कही। हालांकि सच्चाई यह है कि आज भी फतेहाबाद के बाईपास और रतिया रोड पर खेतों में कई-कई फुट बाढ़ का पानी खड़ा है और किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। बता दें कि घग्घर में आई बाढ़ के कारण फतेहाबाद जिले के जाखल, रतिया, टोहाना व फतेहाबाद खंड के खेतों में बाढ़ का पानी भर गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार बाढ़ के कारण जिले में 1 लाख एकड़ से ज्यादा फसल बर्बाद हो चुकी है। जाखल में घग्घर के तटबंध टूटने से बाढ़ का पानी रतिया होते हुए फतेहाबाद शहर के साथ बाईपास की एक तरफ खड़ा हो गया है। हालांकि प्रशासन द्वारा बाढ़ के इस पानी को यहां से निकालने के लिए कई मोटरें लगाई गई हैं लेकिन अभी तक खेतों से पूरी तरह बाढ़ का पानी नहीं उतर पाया है। इनेलो विधायक अभय सिंह चौटाला द्वारा विधानसभा में इसी मुद्दे को उठाया गया था। इनेलो के प्रदेश प्रवक्ता विकास मेहता ने कहा कि फतेहाबाद शहर में बाईपास के साथ लगते खेतों में आज भी कई-कई फुट बाढ़ का पानी खड़ा है। बाढ़ के पानी के कारण किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है लेकिन प्रदेश सरकार और विधायक इन किसानों को मुआवजा देने की बजाए विधानसभा में सफेद झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। इनेलो नेताओं ने शनिवार को स्वयं बाईपास व रतिया रोड पर खेतों में खड़े पानी का भी जायजा लिया और विधायक द्वारा बोले गए झूठ की पोल जनता के सामने खोली। इनेलो प्रदेश प्रवक्ता विकास मेहता ने कहा कि इनेलो विधायक अभय सिंह चौटाला ने फतेहाबाद के साथ लगते खेतों में खड़े बाढ़ के पानी का मुद्दा विधानसभा में उठाते हुए सरकार से इसका जवाब मांगा। इनेलो विधायक ने बाढ़ प्रभावित किसानों की आवाज उठाते हुए सरकार से उन्हें मुआवजा देने सम्बंधी सवाल पूछा तो सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं था।

हरियाणा के नूंह में फिर से इंटरनेट सेवाएं बंद

चंडीगढ़ (हिंस)। नूंह में हिंदू संगठनों द्वारा शोभा यात्रा निकाले जाने के एलान के बाद हरियाणा सरकार ने नूंह जिले में 28 अगस्त तक इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। सरकार ने यह फैसला जिला उपायुक्त की सिफारिश पर लिया है। हरियाणा के गृह सचिव ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। विश्व हिंदू परिषद द्वारा 28 अगस्त को दोबारा ब्रजमंडल यात्रा निकालने का एलान किया गया है। नूंह जिला प्रशासन ने हालात को देखते हुए यह यात्रा स्थगित करने का सुझाव देते हुए अधिकारिक मंजूरी नहीं दी है। हिंदू संगठन शोभा यात्रा निकालने पर अड़े हुए हैं। इसी के चलते नूंह के जिला उपायुक्त ने शुक्रवार को अधिकारियों के साथ बैठक के बाद सरकार से इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगाने की सिफारिश की थी। शनिवार को हरियाणा के गृह सचिव ने 26 अगस्त से 28 अगस्त तक नूंह में इंटरनेट सेवाओं, बल्क मैसेज सेवा को बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

देवासी समाज करेगा शक्ति प्रदर्शन : महाकुंभ आज

जोधपुर (हिंस)। अखिल राजस्थान स्तर के देवासी समाज महाकुंभ का आयोजन रावण का चबूतरा मैदान में आयोजित किया जाएगा। आगामी विधानसभा सभा चुनाव में समाज के कद्दावर नेताओ को कांग्रेस और भाजपा से समाज बाहुल्य क्षेत्रों में टिकट देने की मांग भी इस शक्ति प्रर्दशन के दौरान की जाएगी। आयोजन समिति के गणेश देवासी, सुखदेव देवासी ने पत्रकारों से बात करते हुए जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले दो माह से संपूर्ण राजस्थान में जनसंपर्क कर आमंत्रण के लिए पीले चावल बांटे गए, रविवार को रावण का चबूतरा मैदान पर आयोजित होने वाले इस महाकुंभ में राजस्थान के समस्त जिलों से और देश के अन्य प्रदेशों से हजारों की तादाद में समाज बंधु शामिल होंगे, सभा स्थल पर संपूर्ण तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस महाकुंभ में जेतेश्वर धाम सिणधरी महंत पारसाराम, संत तीर्थगिरी, बालसंत कृपाराम, राजयोगी संध्यानाथजी, महंत योगी लक्ष्मणनाथ के सानिध्य में आयोजित होने वाले इस महाकुंभ में केंद्रीय उन कल्याण बोर्ड अध्यक्ष गोरधन राईका, राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री रतन देवासी, पूर्व मंत्री ओटाराम देवासी, भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश खाराबेरा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सतपाल देवासी, सांवलाराम देवासी भीनमाल, भूपेंद्र देवासी जालौर, भंवरलाल देवासी सिवाना, वरिष्ठ नेता खानुराम रुडकली एवं सत्ताराम थापन सहित गुजरात से राज्यसभा सांसद बाबुभाई देसाई, पूर्व सांसद सागर राईका व कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश राज्यों से बड़ी संख्या में प्रवासी लोग शामिल होंगे। गणेश एवं सुखदेव देवासी ने बताया कि आज की महत्ता व आवश्यकता को देखते आजादी के बाद प्रथम बार विशाल महाकुंभ आयोजित कर समाज को राजनीतिक प्रतिनिधित्व, शैक्षणिक उत्थान, पशुपालकों की समस्याओं, एमबीसी वर्ग आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करवाने, घूमंतू निष्क्रमणीय पशुपालक आवासीय विद्यालय खुलवाने सहित समाज के ज्वलंत मुद्दों पर गहन मंथन कर निर्णय लिये जायेंगे। सभी लोगों से रेबारी समाज की संस्कृति की परिचायक पारंपरिक वेषभूषा में शामिल होने का आह्वान किया गया।

विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, ससुराल पक्ष पर लगा हत्या का आरोप

फरीदाबाद (हिंस)। एक महीने पहले लव मैरिज करने वाली एक युवती ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर अपनी बेटी की हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार 21 वर्षीय अदिति और 22 वर्षीय अभिषेक एक ही कॉलेज में पढ़ते थे और प्रेम प्रसंग होने के चलते उन्होंने एक महीने पहले लव मैरिज कर ली थी और शादी के बाद लड़की के परिजनों ने भी उनकी शादी को स्वीकार कर लिया। मृतका के पिता ने बताया कि उनका दामाद उसे फोन करके पैसे की मांग करता था और उसकी बेटी को प्रताड़ित करता था।

स्टेट लेवल पर जन आधार कार्ड में बड़ा फर्जीवाड़ा

झुंझुनू (हिंस)। पेंशन उठाने के लिए जन आधार कार्ड में प्रदेश स्तर पर बड़ा फर्जीवाड़ा हो रहा है। झुंझुनू में एक के बाद एक फर्जीवाड़ा सामने आ रहा है। अकेले झुंझुनू जिले में 10 दिन में तीन से चार ऐसे केस सामने आ चुके हैं जिनमें पेंशन उठाने के लिए फर्जीवाड़ा कर एक दर्जन से अधिक नाम जोड़ दिए गए। यह सारा फर्जीवाड़ा एक ही जगह से किया जा रहा है। एक ही एसएसओ आईडी को काम में लिया गया है। वहीं इस मामले में झुंझुनू के अधिकारियों से बात की गई तो वे एक दूसरे पर दोष देते नजर आए। झुंझुनू में दो जन आधार कार्ड ऐसे मिले जिनमें 16 फर्जी नाम जोड़ो गए हैं। दोनों ही कार्ड को बिना जांचे दो स्तर से जारी कर दिया गया। जन आधार कार्ड में एडिटिंग के बाद तीन स्तर पर जांच होती है। अगर व्यक्ति शहरी क्षेत्र का है तो सबसे पहले नगर परिषद, उसके बाद एसडीएम कार्यालय में जांच की जाती है। इसके बाद जयपुर से जांच होकर जन आधार कार्ड जारी किया जाता है। सबसे बड़ा सवाल ये है कि संबंधित अधिकारियों ने बिना जांच किए ही दो लेवल पर जन आधार कार्ड को कैसे जारी कर दिया। जबकि जन आधार कार्ड में नाम जोड़ने की प्रक्रिया तीन स्तर पर होती है। झुंझुनू के आनंदपुरा की कल्पना के जन आधार कार्ड में 16 नाम जोड़ दिए गए थे। जिसमें भालू, शेर, पांडा व फूल को सदस्य बनाया गया था। इसमें पेंशन उठाने के लिए उदयपुर व प्रतापगढ़ जिले के 15 पीपीओ नंबर जोड़े गए थे। इस कार्ड में भी जिला स्तर पर अधिकारियों की बड़ी लापरवाही सामने आई थी। कार्ड में 16 मई 2023 को एक कल्पना नाम के साथ फूल की फोटो लगाकर फर्जी नाम जोड़ा गया था। जिसको तीनों लेवल बिना जांचे ही जारी कर दिया गया था। इसके बाद 8 अगस्त को शेर, भालू, फूल व पांडा की फोटो के साथ 15 नाम जोड़ने की कोशिश की गई। अगर पीड़ित फसल मुआवजे को लेकर ग्राम पंचायत नही पहुंचती तो ये भी जारी कर दिया जाता। 24 अगस्त को झुंझुनूं के वार्ड नंबर 1 निवासी नूर बानो महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन कराने पहुंची थी। जैसे ही जन आधार कर्मचारी दिया तो वह दंग रह गया। जन आधार कार्ड में 16 फर्जी नाम जोड़ो हुए थे। कार्ड मुस्लिम महिला का था, लेकिन नाम हिंदू व्यक्तियों के जुड़े हुए थे। इन सब में पेंशन के पीपीओ नंबर जोडे हुए थे जो सभी उदयपुर जिले के थे। इसमें नगरपरिषद व उप खंड कार्यालय से बिना जांचे जारी कर दिया गया। इन दोनों जन आधार कार्ड के अलावा एक दो और ऐसे केस सामने आए हैं जिनमें एक ही जैसा फर्जीवाड़ा हुआ है।

जम्मू बंद के दौरान कई स्थानों पर प्रदर्शन दुकानें तथा व्यापारिक प्रतिष्ठान रहे बंद

जम्मू (हिंस)। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के आह्वान पर शनिवार को जम्मू बंद काफी हद तक सफल रहा। जम्मू शहर के मुख्य बाजारों और चौक-चौराहों पर दुकानों पर ताले नजर आए और सड़कें वीरान नजर आईं। टांसपोर्टरों द्वारा बंद का समर्थन न करने के बावजूद सड़कों से यात्री वाहन नदारद रहे। थोड़े समय के लिए कहीं कोई इक्का-दुक्का वाहन चलता जरूर नजर आया। बंद के दौरान शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। विभिन्न संगठनों, विपक्षी पार्टियों जैसे पीडीपी, कांग्रेस, नेकां, पैंथर्स पार्टी और बार एसोसिएशन जम्मू ने बंद का समर्थन किया था। शनिवार को जम्मू में कई जगह सरोर टोल को हटाने और गिरफ्तार युवाओं की रिहाई के लिए प्रदर्शन भी किए गए। जम्मू के अलावा कठुआ, सांबा, आरएस पुरा, उधमपुर में भी इसी मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किए गए और उपराज्यपाल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। कई जगहों पर उनका पुतला भी जलाया गया। जम्मू बार एसोसिएशन के सदस्यों ने शनिवार को स्मार्ट मीटर लगाए जाने और सरोर टोल प्लाजा को हटाने को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने उपराज्यपाल के खिलाफ नारेबाजी भी की। उन्होंने कहा कि वे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के जम्मू बंद का समर्थन करते हैं और सरकार से मांग करते हैं कि बिना किसी शर्त के गिरफ्तार युवाओं को रिहा किया जाए। बार एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि युवा राजपूत सभा के सदस्य शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे। इसके लिए उन्हें गिरफ्तार करके जेल में रखना अन्याय है। जम्मू शहर में पीडीपी ने रैली निकाल कर बंद का समर्थन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता भी जम्मू बंद के समर्थन में सड़कों पर उतरे। पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कहा कि जम्मू कश्मीर में उपराज्यपाल प्रशासन लगातार जनता की अनदेखी और अपनी मनमानी कर रहा है। लंबे समय से लोग स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरोर टोल प्लाजा के विरोध में जनता लामबंद हो रही है।

मेवात दंगों पर विवादास्पद बयान देने वाले साधु के खिलाफ मामला दर्ज

कैथल (हिंस)। कैथल के जवाहर पार्क में मेवात दंगों पर विवादास्पद बयान देने वाले एक साधु के खिलाफ थाना शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जिस वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। वह दो अगस्त की बताई जा रही है। पुलिस के सिक्योरिटी अस्सिटेंट विक्रम ने बताया कि वह कानून व्यवस्था पर निगरानी रखने के लिए शहर में ड्यूटी पर था। उसे तीन लोगों ने आकर बताया कि भगवा वस्त्र डाले एक साधु की 2 अगस्त 2023 की एक वीडियो वायरल हो रही है। जिसमें वह धार्मिक भावनाओं को भड़काने के लिए बयान दे रहा है। जब उसने अपने मोबाइल पर पोस्ट चेक की तो वह जवाहर पार्क कैथल में भाषण में बोल रहा था कि आज भरी तैयारी में खुद लड़ो, लाठी, भाला, बंदूक, बरछे और कुछ नही है तो थैले में पत्थर डालकर लेकर चलो। झंडे लेकर मत चलो। झंडा एक ही बहुत है। हथियार लेकर चलो। भगवां कपड़े पहनने वाला व्यक्ति जवाहर पार्क कैथल में हिन्दु - मुस्लिम को लेकर विवादित भाषण देकर दोनों संम्प्रदायो को भडकाने व समाज में भय पैदा करने का काम कर रहा है। थाना शहर के प्रबंधक दलबीर सिंह ने शनिवार को बताया कि पुलिस वीडियो की पूरे तरीके से जांच कर रही है और व्यक्ति की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। शिनाख्त होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नूंह यात्रा को मंजूरी की झूठी अफवाह फैलाने वालों पर नकेल कसेगी पुलिस

फरीदाबाद (हिंस)। नूंह की प्रस्तावित यात्रा को मंजूरी नहीं दी गई है फिर भी कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं की मंजूरी दे दी गई है और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म व्हाट्सएप इत्यादि पर लोगों का यात्रा में शामिल होने के लिए आह्वान किया जा रहा है। ऐसे व्यक्तियों पर पुलिस द्वारा निगरानी रखी जा रही है। इसी को लेकर पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने शनिवार को अपने कार्यालय में पुलिस अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की मीटिंग ली। इस अवसर पर जॉइंट कमिश्नर ओपी नरवाल, डीसीपी हेडक्वार्टर हेमेंद्र कुमार मीणा, डीसीपी सेंट्रल पूजा वशिष्ठ, डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन, डीसीपी बल्लभगढ़ राजेश दुग्गल, डीसीपी एनआईटी नरेंद्र कादियान, डीसीपी क्राइम मुकेश मल्होत्रा के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर मीटिंग रिव्यू कर मौजूदा हालात की जानकारी ली और कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आया है कि कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक खबरें फैला रहे हैं कि उन्हें यात्रा की मंजूरी मिल गई है। लोगों को वहां जाने के लिए उकसा रहे हैं। ऐसे लोगों पर निगरानी रखी जा रही है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आयुक्त ने बताया कि सभी डीसीपी, एसीपी, थाना व चौकी प्रभारियों द्वारा अपने स्तर पर पीस कीपिंग कमेटियों के साथ मीटिंग की जाएगी। पुलिस द्वारा आज शाम से इंटर डिस्ट्रिक्ट व इंटर स्टेट पुलिस नाके लगाकर चेकिंग कर असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखी जाएगी । फरीदाबाद पुलिस द्वारा करीब 500 पुलिस जवानों की दंगा निरोधक पुलिस टीम तैयार की गई है और इसके अलावा जोन के डीसीपी अपनी फोर्स के साथ मुस्तैद रहेंगे। वहीं पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर निगरानी रखी जा रही है। इन पर भड़काऊ न्यूज, हेट स्पीच से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री चलने वाले, प्रसारित करने वालों फेसबुक पोर्टल, फेसबुक यूजर और यूट्यूब चैनल सहित व्हाट्सएप ग्रुप ट्विटर और टेलीग्राम चैनलों पर निगरानी रखी जा रही है। सरकारी आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी भड़काऊ सामग्री वाले यूट्यूब चैनल व फेसबुक पेज/ पोर्टल बंद कर दिए जाएंगे। आपत्तिजनक सामग्री इत्यादि पोस्ट करने या फॉरवर्ड करने वालों पर भी निगरानी रखी जा रही है। ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दंगा नियंत्रण के लिए बनाई गई 4 कंपनियों की पुलिस लाइन में हुई ड्रिल

पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

फरीदाबाद (हिंस)। दंगा नियंत्रण के लिए बनाई गई रैपिड एक्शन पुलिस फोर्स की शनिवार पुलिस लाइन सेक्टर-30 में ड्रिल की गई, जिसमें पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने निरीक्षण कर पुलिसकर्मियो के इक्विपमेंट चेक कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ ज्वाइंट सीपी ओपी नरवाल, डीसीपी हेडक्वार्टर हेमेंद्र कुमार मीणा, डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन, डीसीपी बल्लबगढ़ राजेश दुग्गल, डीसीपी क्राइम मुकेश कुमार मल्होत्रा, डीसीपी एनआईटी नरेंद्र कादियान, तथा एसीपी क्राइम अमन यादव, एसीपी सिटी बल्लभगढ़ मुनीष, एसीपी सराय देवेंद्र यादव, एसीपी एनआईटी महेश स्योराण, व अन्य संबंधित पुलिस अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य के निर्देशानुसार चार कंपनियों का गठन किया

गया, जिसमें प्रत्येक कंपनी में 100 से अधिक जवान होंगे और प्रत्येक कंपनी में तीन प्लाटून बनाई गई हैं। तीन कंपनियां तीनों जॉन के प्रत्येक डीसीपी तथा चौथी कंपनी डीसीपी क्राइम की अधीन कार्य करेगी। प्रत्येक कंपनी का कमांडर एसीपी रैंक तथा सेकंड कमांडर इंस्पेक्टर रैंक का अधिकारी होगा और प्लाटून कमांडर सब इंस्पेक्टर तथा सेकंड कमांडर एएसआई होगा। सेंट्रल जोन में एसीपी देवेंद्र यादव, एनआईटी जोन में एसीपी महेश श्योराण, बल्लभगढ़ जॉन में एसीपी मुनीश सहगल तथा चौथी कंपनी में एसीपी अमन यादव को कंपनी कमांडर बनाया गया है। कंपनी के जवान लाठी डंडा, टियर गैस और सक्षम आधुनिक हथियार के साथ एक कॉल की तैयारी की पोजिशन में रहेंगे। पुलिस आयुक्त ने आज रैपिड एक्शन पुलिस फोर्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फोर्स के सभी जवानों को इक्विपमेंट दुरुस्त रखने की हिदायत दी गई। सभी जवान स्मार्ट, अलर्ट और डिसिप्लिन में रहेंगे। ये कंपनी किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक या जातिगत हिंसा या किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने पर तुरंत कार्य करेगी।

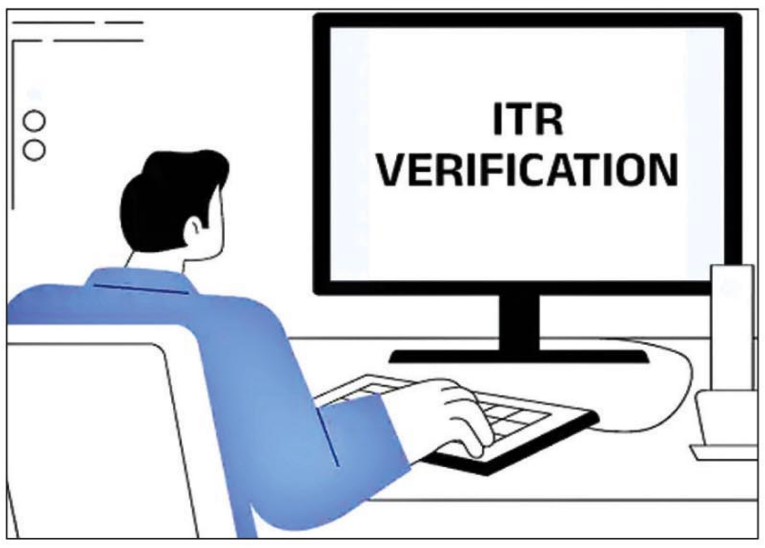

आईटीआर भरने के बाद इसे वेरिफाई करना भी जरूरी: रिटर्न फाइल करने के 30 दिन के अंदर करना होता है ये काम

नई दिल्ली।
वित्त वर्ष 2022-23 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख बीत चुकी है। ऐसे में अगर आपने आईटीआर फाइल कर दिया है तो अब उसका वैरिफिकेशन भी जरूरी है। इसके बिना फॉर्म अधूरा माना जाता है। आईटीआर फाइल करने का अंतिम चरण फॉर्म सबमिट नहीं, वैरिफिकेशन होता है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने लोगों से आईटीआर वेरिफाई करने का बोला है। अगर आपने अब तक अपना आईटीआर वेरिफाई नहीं किया है तो आप ऑनलाइन ही इसका वैरिफिकेशन कर सकते हैं। हम आपको ऑनलाइन वेरिफिकेशन की प्रोसेस बता रहे हैं। ये है इनकम टैक्स वैरिफिकेशन की प्रोसेस इनकम टैक्स रिटर्न फाइल को वेरिफाई करने के लिए पैन से आधार का लिंक होना जरूरी है। सबसे पहले ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर लॉगइन करें। इसके बाद आपको अगले पेज पर ऊपर की तरफ का ऑप्शन मिलेगा। यहां आपको इनकम टैक्स रिटर्न सेक्शन में जाकर ई वेरिफाई रिटर्न को चुनना होगा। इसके बाद आपका जो भी रिटर्न फाइल हुआ होगा वो दिखने लगेगा। इसके बाद ई-वेरिफाई लिंक पर क्लिक करें और वेरिफाई रिटर्न यूजिंग आधार ऑप्शन को चुनें। ऐसा करते ही आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर मैसेज आएगा जिसके जरिए आप वैरिफिकेशन कर सकते हैं। आयकर विभाग की वेबसाइट पर इस वन टाइम पासवर्ड को डालने के बाद आप सबमिट बटन पर क्लिक करेंगे तो आपका आईटीआर वेरिफाई हो जाएगा।

30 दिन के अंदर वैरिफिकेशन करना जरूरी - बिना वैरिफिकेशन के इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की प्रॉसेस को अधूरा माना जाता है। वैरिफिकेशन के बाद ही इनकम टैक्स डिपार्टमेंट आपके आईटीआर को प्रॉसेस करता है। इसके अलावा आईटीआर को अगर वेरिफाई नहीं कराया गया तो आपका रिफंड अटक जाएगा। अगर आप वैरिफिकेशन नहीं करते हैं तो आपका आईटीआर फाइल नहीं माना जाएगा।

साढ़े 6 करोड़ से ज्यादा लोगों ने भरा रिटर्न - वित्त वर्ष 2022-23 के लिए साढ़े 6 करोड़ से ज्यादा लोगों ने इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किया है। आयकर विभाग के अनुसार, लास्ट डेट यानी 31 जुलाई को 64.33 लाख रिटर्न फाइल किए गए।

अगर अब तक आईटीआर फाइल कर पाएं हैं तो क्या करें - इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की तारीख को एक्सटेंड नहीं किया है।

न्यूज ब्रीफ

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही तेजी: सोना फिर 59 हजार के करीब पहुंचा, चांदी 3 हजार रुपए से ज्यादा चढ़ी

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 21 अगस्त को सोना 58,345 रुपए पर था, जो अब, यानी 26 अगस्त को 58,720 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 425 रुपए की तेजी आई है। इस हफ्ते चांदी में 3 हजार रुपए से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 70,484 रुपए पर थी, जो अब 73,695 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 3,211 रुपए बढ़ी है। केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे सकता है। वायदे में सोना अभी 60,000 रुपए और सर्राफा बाजार में 59,500 रुपए से नीचे है। इस साल यह 65,000 और जून 2025 तक 75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। अभी निवेश करने पर दो साल में सोना 27प्रतिशत रिटर्न दे सकता है। हमारे देश में हर साल 800 टन सोने की खपत (डिमांड) होती है। इसमें से सिर्फ 1 टन का उत्पादन भारत में होता है और बाकी आयात किया जाता है।

615 करोड़ के चंद्रयान की सफलता से निवेशकों में उत्साह, कंपनियों के शेयर 30 हजार करोड़ चढ़े

नई दिल्ली । इसरो के 615 करोड़ रुपये की लागत वाले चंद्रयान-3 की सफलता के कारण निवेशकों में ऐसा उत्साह है कि अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी छोटी-बड़ी सभी कंपनियों के शेयर पिछले एक सप्ताह से लगातार सातवें आसमान पर पहुंचे हुए हैं और इन शेयरों की बाजार पूंजी 30 हजार करोड़ रुपये बढ़ गई। निवेशकों के उत्साह का आलम यह है कि लोगों ने गोदरेज एयरोस्पेस को गोदरेज इंडस्ट्रीज का हिस्सा समझ लिया और इसके कारण गोदरेज इंडस्ट्रीज के शेयर एक सप्ताह में 8 फीसदी चढ़ गए। हालांकि बाद में गोदरेज इंडस्ट्रीज ने स्पष्टीकरण दिया कि गोदरेज एयरोस्पेस उसकी अनुसंगी कंपनी नहीं है। इसके बावजूद उत्साह घटना नहीं है और अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ाव रखने वाली कंपनियों के शेयरों के भाव लगातार चढ़ रहे हैं। सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स ऐसी ही एक कंपनी है जिसका अधिकांश लोगों ने नाम भी नहीं सुना लेकिन चंद्रयान-3 जैसे-जैसे सफलता की ओर बढ़ता गया, इसके शेयर भी बढ़ते गए। एक सप्ताह में इसके शेयरों में 26 फीसदी की तेजी आ चुकी है। सबसे अधिक चढ़े एचएएल के शेयर, 6777 करोड़ की वृद्धि चंद्रयान के कारण सबसे अधिक फायदा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को हुआ है जिसके शेयर यूं तो सिर्फ 5 फीसदी चढ़े लेकिन रुपये में देखें तो बाजार पूंजी 6,777 करोड़ रुपये बढ़ गई। इसी प्रकार भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 6 फीसदी की तेजी आई लेकिन रुपये में यह अंतर 6,691 करोड़ रुपये का रहा। गोदरेज इंडस्ट्रीज के शेयरों में हुई 8 फीसदी वृद्धि रुपये में 5,967 करोड़ की रही। इसरो को सामान देने वाली कंपनियों को लाभ... अवेंटेल के शेयर 18 फीसदी चढ़ गए जिसके कारण कंपनी के शेयरों में 5,263 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। इसरो को अलग-अलग सामान की आपूर्ति करने वाली कंपनियों लार्सन एंड टुब्रो, मिस्र धातु निगम, एमटीएआर, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजिज के शेयरों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लिंडे इंडिया के शेयर 16 फीसदी चढ़े और रुपये में वृद्धि 3,343 करोड़ रुपये रही।

डीजीसीए ने एअर-इंडिया के इंटरनल सेफ्टी ऑडिट में पाई खामियां

शुरू की जांच, 13 मामलों में फर्जी रिपोर्ट बनाने का आरोप

नई दिल्ली।
नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की दो सदस्यीय निरीक्षण टीम ने एअर इंडिया के इंटरनल सेफ्टी ऑडिट में खामियां पाई हैं। अब नियामक इस मामले की जांच कर रहा है। हालांकि, एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हम सभी एयरलाइंस रेगुलेटर्स के नियमित सुरक्षा ऑडिट का पालन करते हैं।

एयरलाइन पर 13 मामलों में फर्जी रिपोर्ट बनाने का आरोप

डीजीसीए को सौंपी गई निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइन को ऑपरेशन के कई क्षेत्रों जैसे केबिन सर्विलांस, कार्गो, रैंप और लोड की नियमित सिक्योरिटी स्पॉट जांच करनी थी। टीम ने 13 सेफ्टी पॉइंट की रैंडम जांच की, जिसमें पाया कि एयरलाइन ने सभी 13 मामलों में झूठी रिपोर्ट तैयार की। जब टीम ने फुटेज, रिकॉर्डिंग, ऑडिटी स्टेटमेंट, शिफ्ट रजिस्टर सहित अन्य डॉक्यूमेंट को वेरिफाई किया तो रिपोर्ट फर्जी होने के बारे में पता चला।

एयरलाइन की रिपोर्ट में फ्लाइट सेफ्टी चीफ के हस्ताक्षर नहीं

डीजीसीए की निरीक्षण टीम ने बताया कि एयरलाइन की फर्जी जांच रिपोर्ट में फ्लाइट सेफ्टी चीफ के हस्ताक्षर नहीं थे। रिपोर्ट में क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम विभाग के एक अकाउंटिंग ऑडिटर के हस्ताक्षर थे। इसमें अकाउंटिंग ऑडिटर के नहीं बल्कि फ्लाइट सेफ्टी चीफ के हस्ताक्षर होने चाहिए थे। वहीं, रिपोर्ट को टीम के द्वारा मांगे जाने के बाद गलत तरीके से तैयार किया गया। इसके साथ ही निरीक्षण दल ने बताया कि एयरलाइन समय पर फ्लाइट सेफ्टी ऑडिटर की लिस्ट उपलब्ध कराने में नाकाम रही। डीजीसीए के डायरेक्टर जनरल विक्रम देव दत्त ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है।

हाल ही में एअर इंडिया ने नया लोगो अनवील किया

हाल ही में एअर इंडिया ने अपना नया लोगो अनवील किया। टाटा ग्रुप की एयरलाइन 15 महीने से इस पर काम कर रही थी। लंदन बेस्ड ब्रांड और डिजाइन कंसल्टेंसी फर्म फ्यूचर ब्रांड के साथ पार्टनरशिप में इस लोगो को डिजाइन किया गया है।

यह दिसंबर 2023 से एअर इंडिया के सभी विमानों पर दिखाई देगा। एअर इंडिया का पहला एयरबस ए350 नए लोगो के साथ बेड़े में एंटर होगा। फ्यूचर ब्रांड ने अमेरिकन एयरलाइंस और ब्रिटिश लक्जरी ऑटोमोबाइल ब्रांड बेंटले के साथ ब्रांडिंग पर काम किया है।

18,000 करोड़ में टाटा ग्रुप ने खरीदी थी एयरलाइन

जनवरी 2022 में, टाटा ग्रुप ने एयरलाइन का मैनेजमेंट और कंट्रोल अपने हाथ में लिया था। इसे भारत सरकार से 18,000 करोड़ रुपए में खरीदा था। एअर इंडिया की शुरुआत अप्रैल 1932 में हुई थी। इसकी स्थापना उद्योगपति जेआरडी टाटा ने की थी।

उस वक्त नाम टाटा एयरलाइंस हुआ करता था। जेआरडी टाटा ने महज 15 की उम्र में साल 1919 में पहली बार शौकिया तौर पर हवाई जहाज उड़ाया था, लेकिन शौक जुनून बन गया और जेआरडी टाटा ने अपना पायलट का लाइसेंस ले लिया।

15 अक्टूबर 1932 को एअर इंडिया ने भरी थी पहली उड़ान

एयरलाइन की पहली कॉमर्शियल उड़ान 15 अक्टूबर 1932 को भरी गई थी। तब सिर्फ सिंगल इंजन वाला हैवीलैंड पस मोथ हवाई जहाज था, जो अहमदाबाद-कराची के रास्ते मुंबई गया था। प्लेन में उस वक्त एक भी यात्री नहीं थे बल्कि 25 किलो चिट्ठियां थीं।

चिट्ठियों को लंदन से इम्पीरियल एयरवेज से कराची लाया गया था। यह एयरवेज ब्रिटेन का राजसी विमान था। इसके बाद साल 1933 में टाटा एयरलाइंस ने यात्रियों को लेकर पहली उड़ान भरी।

देश में 3.74 लाख मोबाइल यूजर्स बढ़े

जियो ने जोड़े 23 लाख यूजर, वोडाफोन-आइडिया ने 30 लाख से ज्यादा ग्राहक गंवाए

नई दिल्ली।
देश में मोबाइल यूजर्स की संख्या लगातार बढ़ रही है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया की रिपोर्ट अनुसार जून 2023 में देशभर में यूजर्स की संख्या 3.74 लाख बढ़कर 114.36 करोड़ हो गई है। जियो और एयरटेल ने नए ग्राहकों को जोड़ना जारी रखा है। वहीं, बीएसएनएल और वोडाफोन-आइडिया लगातार अपने यूजर्स को गंवा रहे हैं। वोडाफोन-आइडिया और बीएसएनएल के यूजर्स कम हुए वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल के यूजर्स लगातार कम हो रहे हैं। जून के महीने में बीएसएनएल के 18.70 लाख यूजर्स कम हुए हैं। इससे इसके यूजर्स की संख्या घटकर 9.95 करोड़ रह गई है। इससे पहले मई 2023 में भी बीएसएनएल ने 14.9 लाख यूजर्स गंवाए थे। वहीं, वोडाफोन-आइडिया के 12.85 लाख यूजर्स ने अक्टूबर में नेटवर्क को छोड़ा है। इससे कंपनी के कुल उपभोक्ताओं की संख्या 22.97 करोड़ रह गई है। इससे पहले कंपनी ने मई 2023 में 28.2 लाख यूजर्स खोए थे। जियो और एयरटेल ने नए ग्राहक जोड़े बीएसएनएल और वोडाफोन-आइडिया के यूजर्स गंवाने का फायदा जियो और एयरटेल को हुआ है। जियो ने जून के महीने में 22.73 लाख जोड़े हैं, जबकि मई में इसने 30.4 लाख यूजर्स को जोड़ा था। इससे इसेक यूजर्स की कुल संख्या 43.86 करोड़ हो गई है। वहीं एयरटेल ने 14.09 लाख कस्टमर्स को जोड़ा है, जबकि मई में इसने 13.3 लाख यूजर्स को जोड़ा था। इससे कंपनी के कुल यूजर्स की संख्या 37.37 करोड़ हो गई है। जियो का मार्केट शेयर 13.61प्रतिशत घटा ट्राई के मुताबिक, इस साल जून में टेलीकॉम मार्केट में रिलायंस जियो का मार्केट शेयर 51.96प्रतिशत से घटकर 38.35प्रतिशत हो गया है, जबकि भारती एयरटेल का मार्केट शेयर 28.78प्रतिशत से बढ़कर 32.68प्रतिशत हो गया है। वहीं, वोडाफोन-आइडिया की हिस्सेदारी मई के मुकाबले जून में 14.42प्रतिशत से घटकर 20.08प्रतिशत रह गई है।

विदेश से आने वाले इलेक्ट्रिक व्हीकल नहीं होंगे सस्ते

केंद्रीय वित्तमंत्री बोलीं- ईवी पर इंपोर्ट ड्यूटी कम करने पर फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली।
विदेश से आने वाले इलेक्ट्रिक व्हीकल सस्ते नहीं होंगे। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मंत्रालय के पास इलेक्ट्रिक व्हीकल के इंपोर्ट ड्यूटी को कम करने कोई भी प्रस्ताव नहीं है।

उन्होंने दिल्ली में आयोजित बी20 समिट इंडिया 2023 के कार्यक्रम में यह जानकारी दी। सूत्रों के हवाले से कहा था कि केंद्र सरकार नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी लाने की तैयारी कर रही है। इसमें टेस्ला के एक प्रस्ताव पर सरकार उन मैन्यूफैक्चरर के व्हीकल के लिए इंपोर्ट चार्ज कम करने वाली है, जो देश में कम से कम 40प्रतिशत व्हीकल देश में मैन्यूफैक्चरिंग करने की कमिटमेंट करते हैं।

33 लाख से ज्यादा की कार पर लगती है 100प्रतिशत इम्पोर्ट ड्यूटी

देश में 40 हजार डॉलर यानी करीब 33.19 लाख रुपए से ज्यादा कीमत वाली कारों को इम्पोर्ट करने पर 100प्रतिशत इम्पोर्ट ड्यूटी देना पड़ता है। इससे कम कीमत वाली कारों पर 70प्रतिशत इम्पोर्ट ड्यूटी लगती है। इम्पोर्ट ड्यूटी में टोटल कॉस्ट, इंश्योरेंस और ट्रांसपोर्ट का खर्च शामिल है। वहीं, कंपनियों को कार के कंपोनेंट्स और पार्ट्स इम्पोर्ट करने पर 15प्रतिशत से 35प्रतिशत तक टैक्स देना पड़ता है।

इलेक्ट्रिक व्हीकल के इंपोर्ट पर छूट चाहती है टेस्ला

एलन मस्क की ईवी बनाने वाली कंपनी टेस्ला इलेक्ट्रिक व्हीकल के इंपोर्ट और भारत में कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए छूट चाहती है। हालांकि, सरकार इस मांग को पहले ही खारिज कर चुकी है। इससे पहले पिछले साल भी टेस्ला ने सरकार से पूरी तरह से असेंबल गाड़ियों पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी को 100प्रतिशत से घटाकर 40प्रतिशत करने की मांग की थी।

रियल एस्टेट कंपनी का हाल खराब, कंट्री गार्डन ने 7.6 अरब डॉलर के नुकसान के साथ ऋण चूक का अंदेशा जताया

नई दिल्ली ।
चीन के सबसे बड़े संपत्ति डेवलपरों में से एक कंट्री गार्डेन ने कहा है कि इस साल की पहली छमाही में उसे 7.6 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स में इसका दावा किया गया है। कंट्री गार्डेन ने हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में निवेशकों को चेतावनी दी कि जून तक छह महीनों में 45 बिलियन से 55 बिलियन चीनी युआन (लगभग 6.2 बिलियन अमरीकी डालर से 7.6 बिलियन अमरीकी डॉलर) का नुकसान दर्ज करने की संभावना है। पिछले साल की समान अवधि में कंपनी को लगभग 1.9 बिलियन युआन (264 मिलियन अमरीकी डॉलर) का लाभ हुआ था। इस खुलासे ने कंट्री गार्डेन के वित्तीय संकट को उजागर किया है, जो चीन में सालाना सैकड़ों हजारों घर तैयार करने वाला एक बड़ा बिल्डर है।

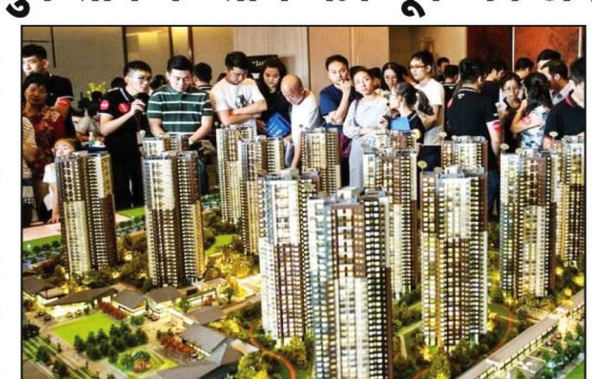

लगभग तीन लाख लोगों को रोजगार देती है कंट्री गार्डेन यह डेवलपर लगभग तीन लाख लोगों को रोजगार देता है। कंपनी के बाद एक बड़ा कर्ज है जिसकी तुलना दुनिया के सबसे ऋणग्रस्त संपत्ति समूह एवरग्रांडे से की जा रही है। कंपनी हाल के हफ्तों में चीन की आर्थिक परेशानियों का नवीनतम संकेत बन गई है, क्योंकि यह डिफॉल्ट (ऋण चूक) के कगार पर है और अपने स्वयं के कबूलनामे में उसने कहा है कि वह खुद को बचाने के लिए काम करती है। नुकसान की चेतावनी के बाद शुक्रवार को हांगकांग में कंट्री गार्डन के शेयरों में 8.7 प्रतिशत की गिरावट आई, साथ ही एक रिपोर्ट में कहा गया कि फर्म अज्ञात स्त्रोतों का हवाला देते हुए ऋण पुनर्गठन की तैयारी कर रही थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी ने अपनी फाइलिंग में कहा था कि वह विभिन्न ऋण प्रबंधन उपायों को अपनाने पर विचार करेगी। वह अपनी चुनौतियों से निपटने के लिए नवगठित टास्क फोर्स पर निर्भर करेगी। इस मामले में कंट्री गार्डेन ने टिप्पणी करने के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

सेबी ने अडाणी-हिंडनबर्ग केस की स्टेटस-रिपोर्ट एससी को सौंपी

कहा- मामले की 24 में से 22 जांच फाइनल, 2 में एजेंसियों से जानकारी मिलने का इंतजार

नई दिल्ली।
सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी ने अडाणी-हिंडनबर्ग मामले पर सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट फाइल की है। रिपोर्ट में मार्केट रेगुलेटर सेबी ने एक एफिडेविट में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इस मामले में उसकी 24 इन्वेस्टिगेशन यानी जांच में से 22 फाइनल हो चुकी हैं और 2 अब भी अधूरी हैं। सेबी ने बताया कि इन 2 इन्वेस्टिगेशन पर बाहरी एजेंसियों से जानकारी मिलने का इंतजार है। अधूरी जांच में अडाणी की कंपनियों की 13 विदेशी यूनिट्स शामिल थीं। मार्केट रेगुलेटर ने कहा कि जांच के फाइनल नतीजों के बाद ही आगे उचित कदम उठाए जाएंगे।

सेबी ने एफपीआई पर पांच देशों से डिटेल्स मांगी है

सेबी ने फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट यानी एफपीआई पर पांच देशों से डिटेल्स मांगी है। एफपीआई लिस्टेड कंपनियों में नॉन प्रमोटर्स/पब्लिक शेयरहोल्डर्स के ग्रुप का एक कंपोनेंट है। सेबी के मुताबिक, लिस्टेड कंपनियों को कम से कम 25प्रतिशत एमपीएस बनाए रखना होगा।

अपनी एक इंटरिम रिपोर्ट के बारे में सेबी ने कहा कि इसमें 13 विदेशी एंटिटीज शामिल हैं, जिन्हें अडाणी ग्रुप की कंपनियों के पब्लिक शेयरहोल्डर्स के रूप में क्लासीफाइड किया गया था। चूंकि इन फॉरेन इन्वेस्टर्स से जुड़ी कई एंटिटीज टैक्स हेवन जुरिस्डिक्शन में स्थित हैं। वहीं 12 एफपीआई के इकोनॉमिक इंटरेस्ट शेयरहोल्डर्स को स्थापित करना एक चुनौती बनी हुई है।

सेबी ने 14 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट से 15 दिन का और समय मांगा था

सेबी ने 14 अगस्त को अडाणी-हिंडेनबर्ग मामले की जांच पूरी करने और अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए सुप्रीम कोर्ट से 15 दिन का और समय मांगा है। यह दूसरी बार है, जब सेबी ने शीर्ष अदालत से इस मामले की जांच के लिए अतिरिक्त समय मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 29 अगस्त को करेगा

तब सेबी ने बताया था कि वह अडाणी ग्रुप के 24 ट्रांजैक्शन की जांच कर रही है, जिसमें से 17 की जांच पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही इस मामले के बारे में अन्य रेगुलेटर्स और दूसरे देशों से और जानकारी मांगी गई है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 29 अगस्त को करेगा।

इससे पहले सेबी ने मांगा था 6 महीने का समय - 2 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक कमेटी बनाई थी और सेबी को भी जांच के लिए 2 महीने का समय दिया था। मार्केट रेगुलेटर को 2 मई तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन सेबी की ओर से कोर्ट में पेश सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने सुनवाई के दौरान जांच के लिए 6 महीने की मोहलत मांगी थी।

हालांकि, बेंच ने 6 महीने का समय देने से इनकार कर दिया था। बेंच ने कहा था कि वह अनिश्चित विस्तार नहीं दे सकती। हमने 2 महीने का समय दिया था और अब इसे अगस्त तक बढ़ा दिया है। यानी सेबी को कुल 5 महीने का समय मिल चुका है।

19 मई को कमेटी सार्वजनिक कर चुकी है रिपोर्ट

सुप्रीम कोर्ट की कमेटी अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच रिपोर्ट 19 मई 2023 को सार्वजनिक कर चुकी है। कमेटी ने कहा था कि अडाणी के शेयरों की कीमत में कथित हेरफेर के पीछे सेबी की नाकामी थी, अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। कमेटी ने ये भी कहा था कि ग्रुप की कंपनियों में विदेशी फंडिंग पर सेबी की जांच बेनतीजा रही है।

एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट के पॉइंट - कमेटी ने रिपोर्ट में कहा- सेबी को संदेह है कि अडाणी ग्रुप में निवेश करने वाले 13 विदेशी फंडों के प्रमोटर्स के साथ संबंध हो सकते हैं। अडाणी ग्रुप के शेयरों में वॉश ट्रेड का कोई भी पैटर्न नहीं मिला है। वॉश ट्रेड यानी वॉल्यूम बढ़ाने के लिए खुद ही शेयर खरीदना और बेचना। कुछ संस्थाओं ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट के पब्लिश होने से पहले शॉर्ट पोजीशन ली थी। जब शेयर के भाव गिरे तो इसे खरीदकर मुनाफा कमाया।

दोस्त की तरह है अभिषेक बच्चन : अमिताभ बच्चन

-बिग बी ने बेटे संग रिश्तों को लेकर की बात

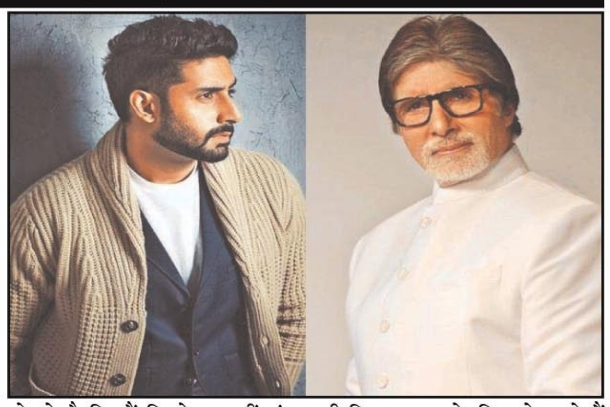

मुंबई (ईएमएस) । अपने बेटे अभिषेक बच्चन को लेकर मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने कहा कि हम दोनों दोस्त की तरह हैं। बिग बी हमेशा खुलकर बात करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कौन बनेगा करोड़पति के सीजन 15 में अपने बेटे अभिनेता अभिषेक बच्चन के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। क्विज आधारित रियलिटी शो के आगामी एपिसोड में अहमदाबाद के कुणाल सिंह डोडिया दिखाई देंगे । जिनका शो में आने का एकमात्र उद्देश्य अपने पिता को यह साबित करना है कि वह एक जिम्मेदार बेटे हैं। कुणाल अहमदाबाद पुलिस बल में एक युवा पुलिस सब इंस्पेक्टर हैं, वह वर्तमान में डीजी कार्यालय में मानवाधिकार विभाग से जुड़े हुए हैं। हालांकि कुणाल एक मेहनती कार्यकर्ता हैं, लेकिन उन्होंने बिग बी के सामने कबूल किया कि वह घर पर एक अलग व्यक्ति हैं, उन्होंने कहा कि वह एक टालमटोल करने वाले व्यक्ति हैं, जो कार्यों को अपनी गति से पूरा करना चाहते हैं। उनके पिता और परिवार के अन्य सदस्यों को उनका यह व्यवहार पसंद नहीं है। कुणाल ने कहा कि मैं जिज्ञासावश पूछ रहा हूं। मैं और मेरे पिता घर पर झगड़ते रहते हैं। वह सोचते है कि मैं जिम्मेदार नहीं हूं। लेकिन आपके यहां यह कैसा है? अभिषेक बच्चन के साथ आपके संबंध कैसे हैं? वहीं, पिता-पुत्र की नोक-झोंक को सुनकर बिग बी को अपने बेटे अभिषेक के साथ अपने रिश्ते की याद आ गई और उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे वह अपने बेटे को एक करीबी विश्वासपात्र मानते हैं। अमिताभ ने कहा कि मैं अभिषेक को अपने दोस्त के रूप में देखता हूं। एक पुरानी कहावत है जब आपका बेटा आपके जूते पहनता है, तो वह आपका बेटा नहीं, बल्कि आपका दोस्त बन जाता है। इसलिए अभिषेक ने मेरे सारे जूते ले लिए हैं, क्योंकि वे उसके लिए फिट हैं। बिग बी फिर कुणाल के पिता से पूछते हैं कि वह अपने बेटे से क्या कहना चाहते है। कुणाल के पिता ने कहा कि वह अपनी नौकरी में परफेक्ट हैं, लेकिन घर के कामों और जिम्मेदारियों में वह 50 प्रतिशत पीछे है। कौन बनेगा करोड़पति सोनी पर प्रसारित होता है। अभिनेता ने कहा कि मैं अभिषेक के साथ जो भी बात कर सकता हूं, वह परिवार में किसी के साथ नहीं कर सकता, और मेरा मानना है कि अभिषेक के साथ भी ऐसा ही होता है। हम दोनों एक-दूसरे के साथ बहुत खुलकर रहते हैं। कोई भी स्थिति हो या कोई समस्या आती है तो हम एक-दूसरे से बात करते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारा रिश्ता है।

करण जौहर ने भी फिल्म गदर 2 की तारीफ

-बॉलीवुड को बुरा भला कहने वालों को दिया करारा जवाब

मुंबई (ईएमएस) । बालीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट और सलमान खान के बाद अब डायरेक्टर-प्रोड्यूसर करण जौहर ने भी सनी देओल की फिल्म गदर 2 की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं। इस साल बॉलीवुड की कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसकी शुरूआत 2023 की पहली हिंदी फिल्म पठान से हुई। इसके बाद तू झूठी मैं मक्कार, पीएस 2, जरा हटके जरा बचके, सत्यप्रेम की कथा और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी रिलीज हुई। इन सभी फिल्मों ने टिकट विंडो पर अच्छा कलेक्शन किया। इसके बाद 11 अगस्त को रिलीज हुई गदर 2 का नाम भी हिट फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गया। सबसे पहले सलमान खान ने सनी देओल की इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म की तारीफ की थी। अब करण जौहर ने भी अनिल शर्मा की डायरेक्टोरियल फिल्म की तारीफ की है। उन्होंने सिंगल स्क्रीन्स के लिए खुशी जताई, जो पिछले कुछ वर्षों से लॉस में थे कि बॉलीवुड में वैसी फिल्में नहीं बन रहीं। करण जौहर ने कहा गदर 2 ने गदर ने सभी के होश उड़ा दिए हैं क्योंकि यह एक ऐसी फिल्म थी, जो 2001 में सफल रही और अब 2023 में यह सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। मैं सिंगल स्क्रीन के लिए बहुत खुश हूं। मैंने कभी नहीं सोचा कि जो बॉलीवुड कर रहा है, उसमें कोई समस्या है। हमने पहले भी कई बुरे साल गुजारे हैं, और अगले एक या दो साल और बुरे बीते हैं। इसका ये मतलब नहीं है कि बॉयकॉट बॉलीवुड, वो (बॉलीवुड) मर चुका है या साउथ सिनेमा बॉलीवुड पर भारी पड़ रही है। वह (साउथ सिनेमा) जो कर रहे हैं, वो अमेजिंग है। करण जौहर ने कहा कि वह पहले थे, जिन्होंने एसएस राजामौली से मुलाकात की। वह बाहुबली का ऑफर देना चाहते थे। तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम - चार प्रकार के सिनेमा - ने विभिन्न प्रकार के सिनेमा को पूरा किया है दर्शकों ने इसे अत्यंत दृढ़ विश्वास के साथ किया है। लेकिन हिंदी सिनेमा के स्टोरीटेलर्स के लिए मेरे मन में बहुत इज्जत है। डॉमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर गदर 2 ने दो हफ्ते से भी कम समय में 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। अब फिल्म 400 करोड़ की कमाई के करीब पहुंच गई है। गदर 2 का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 388.60 करोड़ हो गया है। बता दें कि सनी देओल की गदर 2 बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा रही है। फिल्म को लेकर लोगों में क्रेज खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। मूवी की कमाई में उतार-चढ़ाव जरूर देखा जा सकता है, लेकिन इसका गदर 2 की सफलता पर कोई असर नहीं पड़ रहा। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी सिलेब्रिटीज तक को पसंद आ रही है।

यूट्रस रिमूव करवा चुकी है राखीः आदिल खान

-पूर्व पति ने खोले राखी सावंत के कई राज

मुंबई (ईएमएस)। राखी सावंत के पूर्व पति आदिल खान ने जेल से बाहर आते ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रखवाई जिसमें उन्होने एक्ट्रेस के कई राज खोलें। आदिल ने राखी पर फर्जी प्रेग्नेंसी और मिसकैरेज के आरोपों को गलत बताया और कहा कि राखी कभी मां बन ही नहीं सकती है क्योंकी एक्ट्रेस अपनी यूट्रस रिमूव करवा चुकी है। आदिल ने राखी द्वारा लगाए गए सारे आरोपों को गलत साबित करते हुए राखी को झूठा साबित कर दिया है।

लेकिन इतना सब होने के बाद राखी कहां चुप रहने वाली थी। अपने एक्स पति के ब्यानों के चलते राखी ने आदिल को मुह तोड़ जवाब दिया है। कभी मां ना बनने के ब्यान को लेकर राखी ने एक वीडियो अपलोड करते हुए बताया कि यह सब झूठ है। राखी सावंत ने अपनी गायनकोलॉजिस्ट के क्लिनिक में ये वीडियो बनाया जिसमें वे ये बताती नजर आ रहीं हैं कि उन्होने यूट्रस रिमूव नहीं करवाई है। वीडियो में राखी रोते-रोते यह कहती नजर आती हैं कि वे आदिल के साथ बच्चा करना चाहती थी लेकिन यूट्रस में फाइब्राइड होने के कारण उन्हे ऑप्रेट करना पड़ा। एक्ट्रेस ने वीडियो में अपनी डॉक्टर को भी दिखाया जो कहते हुए नजर आईं कि राखी की यूट्रस रिमूव नहीं हुई है और वे मां बन सकती है। बता दें कि आदिल के जेल से बाहर आते ही राखी मुश्किलों में फंस गई हैं। राखी ने अपने एक्स पति आदिल पर कई आरोप लगाए थे। ये बात तो सभी जानते हैं कि राखी लाइमलाइट में रहने के लिए कुछ भी कर सकती हैं।

आरआरआर को 6 कैटेगरी में अवॉर्ड, एस एस राजामौली हुए खुश

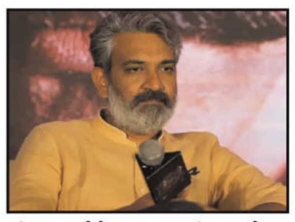

नई दिल्ली (ईएमएस)। 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में आरआरआर को 6 कैटेगरी में अवॉर्ड दिया गया। इसमें ओवर ऑल एंटरटेन करने वाली बेस्ट फिल्म का नेशनल अवॉर्ड भी शामिल है। आरआरआर ने इस साल कई कैटेगरी में इतने सारे अवॉर्ड जीते एस एस राजामौली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी फिल्म के 6 नेशनल अवॉर्ड जीतने पर खुशी जाहिर की। राजामौली ने अपने ट्विटर हैंडल के जरिए आरआरआर के सभी नेशनल अवॉर्ड विनर्स को बधाई देते हुए ट्वीट किया, यह सिक्सर है...आरआरआर की पूरी टीम को नेशनल अवॉर्ड जीतने पर बधाई। जूरी को धन्यवाद - भैरी, प्रेम मास्टर, पेद्दन्ना, श्रीनिवास मोहन गारू, सोलोमन मास्टर। आरआरआर से उनकी लीड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने भी इस साल के नेशनल अवॉर्ड में बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता। उन्होंने यह अवॉर्ड कृति सेनन के साथ शेयर किया जिन्हें फिल्म मिमी में उनकी परफॉर्मेंस के लिए यह अवॉर्ड मिला। राजामौली ने आलिया को बधाई दी। इस साल, अल्लू अर्जुन को सुकुमार की पुष्पाः द राइज में उनकी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्टर अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया था। राजामौली भारतीय सिनेमा के चेहरों में से एक बनकर उभरे हैं और उन्होंने फिल्म निमार्ताओं की एक पूरी नई पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। राजामौली ने सभी विजेताओं को भी बधाई दी और कहा कि इस जीत से सभी विजेताओं को और भी अच्छा सिनेमा बनाने के लिए इंस्पिरेशन मिलेगी।

बातें कुछ अनकही सी का दर्शकों को इंतजार

- वंदना और कुणाल की केमिस्ट्री की कर रहे तारीफ

मुंबई (ईएमएस)। टेलीविजन का लोकप्रिय शो बातें कुछ अनकही सी के प्रोमो के बाद से ही दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, और वंदना और कुणाल की प्यार-नफरत वाली केमिस्ट्री की तारीफ कर रहे हैं। इसके साथ ही यह देखने का मौका मिलने जा रहा है कि कैसे वंदना सफलता की राह पर आगे बढ़ती है और अपने अनोखे तरीकों से सभी मुश्किलों को पार करती है। यह शो एक रोलरकोस्टर की तरह है, जो वंदना और कुणाल की इमोशनल जर्नी को पेश करने की कोशिश कर रहा है। एक म्यूजिकल, काल्पनिक प्यार की कहानी, बातें कुछ अनकही सी को राजन शाही द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। यह कहानी दो अलग-अलग बैकग्राउंड वाले दो मध्यम आयु वर्ग के लोगों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है और जब वे आपस में मिलते हैं, तो उनकी दुनिया कैसे टकराती है, ऐसे में म्यूजिक उनकी यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्टार प्लस के शो बातें कुछ अनकही सी में सायली सालुंखे उर्फ वंदना कहती हैं, मैं शो के लिए उत्साहित हूं, लेकिन साथ ही साथ थोड़ी घबरायी भी हूं। हमने शो के लिए बहुत मेहनत की है और उम्मीद है कि दर्शक हमें इसके लिए प्यार और आशीर्वाद देंगे। हम यह ध्यान रखेंगे की हम दर्शकों को कभी निराश नहीं करेंगे। दर्शकों को शो में रोमांस, ड्रामा से लेकर कॉमेडी जैसे अलग-अलग इमोशंस की उम्मीद होगी। बता दें कि बातें कुछ अनकही सी अब टेलीविजन स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस शो में वंदना और कुणाल की अलग-अलग भावनाओं के अनोखे रंग देखने मिलने वाला है।

धर्मेंद्र की तरह हेमा मालिनी भी फिल्म में करेंगी किसिंग सीन

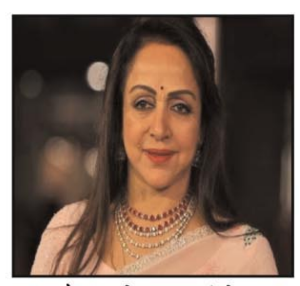

करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को रिलीज हुए एक महीना हो गया है। इस फिल्म में धर्मेंद्र और शबाना के बीच किसिंग सीन है। ये किसिंग सीन काफी चर्चा में रहा था। कुछ दिन पहले धर्मेंद्र की दूसरी पत्नी और एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने इस किसिंग सीन पर रिएक्शन दिया था। अब हेमा मालिनी ने इस बात का खुलासा किया है कि क्या वह अपने पति धर्मेंद्र की तरह स्क्रीन पर किसिंग सीन करेंगी। मीडिया को दिए इंटरव्यू में हेमा मालिनी से पूछा गया कि क्या वह धर्मेंद्र-शबाना आजमी की तरह ऑनस्क्रीन किसिंग सीन करने में सहज हैं। तब हेमा मालिनी ने जवाब दिया, "क्यों नहीं, बिल्कुल करूंगी। अगर यह फिल्म के लिए अच्छा और प्रासंगिक है तो शायद मैं इसे कर सकती हूं।" कुछ दिनों पहले हेमा मालिनी ने फिल्म में धर्मेंद्र और शबाना आजमी के किसिंग सीन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, 'मैंने अभी तक धरमजी और शबाना आजमी का किसिंग सीन नहीं देखा है। मुझे यकीन है कि लोगों को यह फिल्म पसंद आएगी। मैं धरमजी के लिए बहुत खुश हूं क्योंकि उन्हें हमेशा कैमरे के सामने रहना पसंद है।' फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं। जया बच्चन, शबाना आजमी, धर्मेंद्र भी अहम भूमिका में हैं।

अनन्या पांडे ने करिश्मा कपूर संग की मस्ती

-वेकेशन की तस्वीरें तेजी से हो रही हैं वायरल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर और अनन्या पांडे ने वेकेशन पर खूब मस्ती की। दोनों अभिनेत्रियों की वेकेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। दरअसल, करिश्मा ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की है। जिसमें अनन्या और लोलो (करिश्मा) सेल्फी के लिए पोज दे रही हैं। अनन्या ग्रीन कलर की बिकिनी पहने नजर आ रही हैं, इसके साथ उन्होंने सनग्लासिस लगाया हुआ है और गले में सोने की चेन के साथ लुक को पूरा किया है।

जबकि, करिश्मा ने ब्लैक कलर की थाई हाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, बालों का बन बनाया हुआ है और ब्लैक शेड्स लगाए हुए हैं। तस्वीरें में करिश्मा बीच पर दोस्त भावना के साथ पोज दे रही हैं। एक्ट्रेसेज ने स्नैक्स और ड्रिंक के भी लुत्फ उठाए। करिश्मा ने पोस्ट को कैप्शन दियाः इबीजा - स्नीक पीक हैशटैग फैमिली एंड फ्रेंड्स, टेक मी बैक अनन्या ने कमेंट सेक्शन में लिखाः लोलो फेव, जिस पर करिश्मा ने जवाब दिया क्यूटी। भावना ने कहाः लोलो !!! पूल के किनारे हमारी चैट, करिश्मा ने उन्हें जवाब देते हुए कहा, बिल्कुल बेहतरीन। वर्कफ्रंट की बात करें तो करिश्मा को आखिरी बार जीरो में एक कैमियो में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म मर्डर मुबारक है।

आयुष्मान खुराना की फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' ने पहले दिन की शानदार कमाई

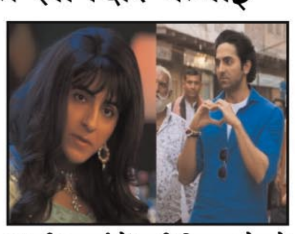

पिछले दो हफ्ते से फिल्म 'गदर 2' सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। फिल्म ने 400 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। अक्षय कुमार की 'ओएमजी 2' और अभिषेक बच्चन की 'घूमर' इस फिल्म के तूफान से नहीं बच पाईं, लेकिन अब आयुष्मान खुराना की 'ड्रीम गर्ल 2' ने 'गदर 2' को पहले दिन पछाड़ दिया है। देखा गया कि 'गदर 2' की कमाई 'ड्रीम गर्ल 2' के सामने फीकी पड़ गई।

ड्रीम गर्ल 2 ने पहले दिन कितनी कमाई की - राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित 'ड्रीम गर्ल 2' शुक्रवार (25 अगस्त) को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। 'ड्रीम गर्ल 2' की पहले दिन की कमाई सामने आ गई है। 'सैक्निल्क' की शुरूआती ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, 'ड्रीम गर्ल 2' ने रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 9.7 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पिछले दो हफ्तों से बॉक्स ऑफिस पर राज करने वाली 'गदर 2' की कमाई में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 'सैक्निल्क' की रिपोर्ट के मुताबिक, 'गदर 2' ने 15वें दिन 6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। जिसके बाद फिल्म का कुल कलेक्शन 425 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, आयुष्मान खुराना की फिल्म ने पहले दिन अच्छी कमाई की है।

दोनों फिल्मों की स्टारकास्ट की बात करें तो 'गदर 2' में सनी देओल, अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, 'ड्रीम गर्ल 2' में आयुष्मान खुराना, अनन्या पांडे, अन्नू कपूर, मनजोत सिंह, अभिषेक बनर्जी, विजय राज, परेश रावल, राजपाल यादव, मनोज जोशी और सीमा पाहवा की दमदार स्टारकास्ट है।

फिल्म एडिटर संजय वर्मा का निधन

बॉलीवुड से एक दुखद खबर आई है। फिल्म इंडस्ट्री में कई सुपरहिट फिल्मों की एडिटिंग करने वाले संजय वर्मा का निधन हो गया है। वह इंडस्ट्री के कई बड़े निर्देशकों के साथ काम करने वाले मशहूर एडिटरों में से एक थे। वह एक साउंड डिजाइनर भी थे। अपने बेहतरीन काम के लिए वह राकेश रोशन से लेकर कई दिग्गज निर्देशकों के पसंदीदा एडिटर थे। संजय वर्मा ने ऋतिक रोशन स्टारर 'कोई मिल गया', सलमान-शाहरुख की 'करण अर्जुन', रेखा की 'खून भरी मांग' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों की एडिटिंग की थी। इसके अलावा उन्होंने 'कागज', 'कौन मेरा कौन तेरा', 'कयामत से कयामत तक', 'मिलेंगे-मिलेंगे' से लेकर 'कल किसने देखा' समेत 52 से ज्यादा फिल्मों के लिए काम किया। संजय वर्मा के निधन से एक दिन पहले उनकी आखिरी फिल्म ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था। उनकी फिल्म 'द लास्ट शो' ने सर्वश्रेष्ठ गुजराती फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। यह 2021 की गुजराती फिल्म है। फिल्म का निर्देशन पैन नलिन ने किया था। फिल्म को ऑस्कर के लिए भी शॉर्टलिस्ट किया गया था।

सूडोकु नवताल- 6534

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6533 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7281

म	श	मु	श	सी	बै	ड	मिं	ट	न	र
रा	क्रि	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	क्स
य	के	र्जु	हे	नि	कु	ना	न	व	टि	रु
इं	ट	फु	न	शा	वा	श्ती	क	ले	ज	प
प	दा	ह	ट	ने	तो	हो	थ	गो	र	त
टे	स	क	प	बा	स	ए	व	ज	वॉ	व
द	बि	न	न	जी	ल	ह	रं	गो	ली	द
क	र	ल	प	क्श	प	त	र	चो	बॉ	ख
र	व	त	टे	रा	श	त	य	अ	ल	अ
क	र	ल	प	नि	ज	ता	रे	आ	ह	द
क	ह	रि	कि	श	स	चि	हॉ	की	त	म

शब्दजाल में प्रमुख 10 'खेलों' के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

हॉकी, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिंटन, निशानेबाजी, एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, टेबिल टेनिस, शतरंज, कुश्ती

शब्दजाल - 7280 का हल

अ	चि	न्ना	स्वा	मी	शि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	वा	ग्री	द	इ	ह	फि
वा	व	ना	पू	ने	जी	थ	न	ग	क	रो
न	ची	न	ते	श	ज	का	म	पा	त	ज
खे	त	ई	ड	न	गा	र्ड	न	ग	र्क	शा
ड़े	अ	म	सु	ल	अ	पू	न	मो	र	ह
ती	जं	सी	मे	ता	प	नु	श	हा	ज	को
क	ल	ग	रि	वि	ल	नी	प	ली	न	ट
ब्रे	बो	र्न	य	या	चि	क	री	म	प	ला
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	टे	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	रा	त	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6234

1	2	3		5		
	22		30		38	
		4		6	7	1
7	30		38		33	
3		5	6		1	2
	39	7	43	4	25	5
4	5					3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6233 का हल

1	3	6	7	5	2	4
5	32	3	40	1	28	7
4	3	7	5	6	1	2
3	35	2	37	7	32	6
7	4	5	2	3	6	1
2	30	1	28	4	29	5
6	1	4	7	2	5	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

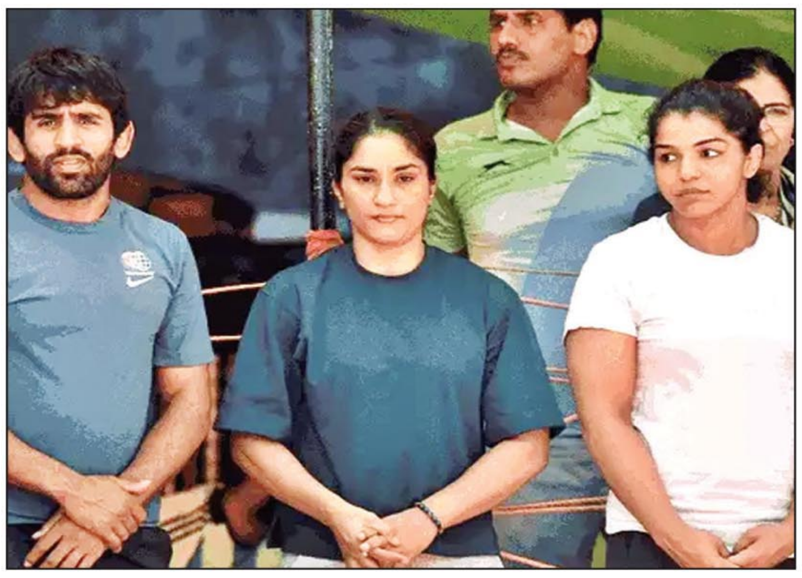

बालिग पहलवानों का यौन शोषण केस: दिल्ली कोर्ट ने सुनवाई 1 सितंबर तक के लिए स्थगित की, बृजभूषण को मिल चुकी बेल

पानीपत।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण पर 6 बालिग पहलवानों के यौन शोषण केस की सुनवाई दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 1 सितंबर तक स्थगित कर दी है। अगली तारीख पर अदालत क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार पर दलीलें सुनेगी। इस मामले में सुनवाई पिछले सप्ताह होनी थी, लेकिन जज के छुट्‌टी पर होने के कारण एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गई थी। इससे पहले मामले में 20 जुलाई को बृजभूषण शरण सिंह और डब्लूएफआई के सस्पेंड सहायक सचिव विनोद तोमर को अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने जमानत दे दी थी। पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक सहित अन्य नामी पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए इसी साल जनवरी में धरना-प्रदर्शन की शुरुआत की थी। कई दिनों तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था। इस बीच बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया था।

15 जून को पेश की गई थी चार्जशीट - इसके बाद 15 जून को राउज एवेन्यू कोर्ट में मामले में चार्जशीट पेश की। आरोपियों में बृजभूषण के अलावा डब्लूएफआई के असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर का नाम भी है। चार्जशीट में पहलवानों ने मजिस्ट्रेट के सामने जो बयान दिए हैं, उन्हें अहम आधार माना गया।

बालिग पहलवानों के केस में इन धाराओं में चार्जशीट - दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा ने बताया कि 6 बालिग पहलवानों के केस में हमने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धारा 354, 354- और डी के तहत चार्जशीट दाखिल की है। विनोद तोमर के खिलाफ धारा 109, 354, 354 , 506 के तहत चार्जशीट दायर की गई है। इस केस की अगली सुनवाई 22 जून को होगी।

बालिग पहलवानों केस की चार्जशीट की 5 अहम बातें

- पुलिस ने पहलवानों के सीआरपीसी की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के आगे दिए बयान को चार्जशीट का प्रमुख आधार माना है।
- बालिग पहलवानों ने जिस जगह पर उनके साथ यौन शोषण के आरोप लगाए हैं, वहां आरोपियों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं।
- पहलवानों ने पुलिस को जांच के दौरान सबूत के तौर पर 5 फोटो सौंपी हैं। इसके अलावा और भी डिजिटल सबूत दिए गए, उन्हें पेन ड्राइव में कोर्ट को सौंपा गया है।
- चार्जशीट में करीब 25 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। 7 गवाहों ने पीड़ित बालिग पहलवानों के आरोपों का सपोर्ट किया है। बाकी आरोपियों के पक्ष में बोले हैं। ट्रायल के दौरान इनका क्रॉस एग्जामिनेशन होगा।

न्यूज ब्रीफ

एशिया कप...श्रीलंका के चार खिलाड़ियों के खेलने पर संशय: दुष्मंता चमीरा-वानिंदु हसरंगा चोटिल, कुशल परेरा-अविष्का फर्नांडो कोरोना संक्रमित

कोलंबो। एशिया कप 30 अगस्त से श्रीलंका और पाकिस्तान में खेला जाना है। 31 अगस्त को श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ होम ग्राउंड पर उतरना है। वहीं उसके चार खिलाड़ियों के खेलने पर संशय है। तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोटिल हैं, जबकि कुशल पेररा और अविष्का फर्नांडो कोरोना पॉजिटिव हैं। चमीरा को श्रीलंका प्रीमियर लीग के दौरान कंधे में चोट लग गई है। उनका पूरे एशिया कप में खेलना मुश्किल है। हालांकि, श्रीलंका बोर्ड की ओर से चमीरा के एशिया कप से बाहर होने को लेकर अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा गया है। हालांकि, श्रीलंका टीम के मैनेजर महिंदा हलांगोडा ने क्रिकइंफो को बताया कि चमीरा के एशिया कप से बाहर होने की संभावना है। बोर्ड इसकी पुष्टि के लिए आगे की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। चमीरा ने हाल ही में चोट से वापसी की थी। वह टखने की सर्जरी के बाद वापसी की थी। वह वनडे वर्ल्ड कप के क्वालिफायर में भी नहीं खेले थे। उन्होंने अपना आखिरी वनडे मैच 7 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। वे वर्ल्ड कप क्वालिफायर टूर्नामेंट के बीच प्रैक्टिस में चोटिल हो गए थे। इसके अलावा, हसरंगा की जांघ में खिंचाव है। इस वजह से वह श्रीलंका प्रीमियर लीग के फाइनल में भी अपनी टीम के लिए नहीं खेल सके थे। उनके मैनेजमेंट के अनुसार हसरंगा एशिया कप के शुरुआती दो मैचों यानी बांग्लादेश और अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे।

वानिंदु हसरंगा

शूटिंग..बाकू आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत को छठा गोल्ड: टियाना, सक्षी और किरणदीप के ट्रायो ने दिलाया गोल्ड मेडल

बाकू। भारत ने अजरबैजान के बाकू में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक गोल्ड और तीन ब्रॉन्ज मेडल जीते। टियाना साक्षी सूर्यवंशी और किरणदीप कौर ने मिलकर विमेंस 50 मीटर पिस्टल इवेंट में गोल्ड जीता। वहीं, टियाना ने इस इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता। मेंस 50मीटर पिस्टल में भी दो ब्रॉन्ज भारत को हासिल हुए। टियाना ने ब्रॉन्ज मेडल के लिए 533 का स्कोर किया, जबकि साक्षी सूर्यवंशी ने 531 का स्कोर करके विमेंस 50 मीटर पिस्टल में पांचवां स्थान हासिल किया। किरणदीप कौर 509 के साथ 11वें स्थान पर रहीं। हालांकि, तीनों ने कुल 1573 का स्कोर बनाकर गोल्ड मेडल जीता। चीन 1567 और मंगोलिया ने 1566 टीम स्कोर के साथ क्रमश: सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत ने मेंस 50 मीटर पिस्टल में भी दो ब्रोन्ज मेडल जीते। रविंदर सिंह ने इंडिविजुअल इवेंट में 556 का स्कोर करके तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, कमलजीत (547 स्कोर के साथ 11वें नंबर पर) और विक्रम शिंदे (543 के स्कोर के साथ 18वें नंबर पर) रहकर साथ मिलकर टीम को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। भारत की ट्रैप शूटर राजेश्वरी कुमारी ने पांचवें स्थान पर रहकर देश को पेरिस ओलिंपिक के लिए सातवां शूटिंग कोटा दिलाया। इसी के साथ भारत ने शूटिंग में 7 ओलिंपिक कोटा हासिल किए।

हर्मोसो से जबरदस्ती करने वाले अध्यक्ष का इस्तीफे से इंकार, महिला खिलाड़ी बोली- कुछ भी सहमति से नहीं हुआ

नई दिल्ली । महिला फुटबॉल विश्व कप की प्राइज सेरेमनी में स्पेन की खिलाड़ी के साथ जबरदस्ती का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। स्पेन फुटबॉल संघ के अध्यक्ष लुइस रुबियलस ने इस्तीफा देने से इंकार कर दिया है। इस बीच महिला खिलाड़ी जेनिफर हर्मोसो ने कहा है कि कुछ भी उनकी सहमति से नहीं हुआ था। सोशल मीडिया पर महिला खिलाड़ी ने अपना दुख जाहिर किया है। इसके बाद स्पेन फुटबॉल के मुखिया लुइस रुबियलस पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। हर्मोसो ने सोशल मीडिया पर कहा, मैं खुद को असुरक्षित महसूस करती हूं और बिना किसी सहमति के हुए अनुचित कृत्य का शिकार हूं। सीधे शब्दों में कहें तो मेरा सम्मान नहीं किया गया। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में फीफा स्पेन की टीम ने पहली बार महिला फीफा विश्व कप जीता। इसके बाद सभी खिलाड़ियों को पदक दिए जा रहे थे और जब जेनिफर हार्मोसो अपना पदक लेकर लौट रही थीं, तो रास्ते में खड़े रॉयल स्पैनिश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष लुइस रुबियलस ने उन्हें जबरन चूम लिया था।

एशिया कप क्रिकेट सीरीज, पार्ट-1

2019 से टी-20 मुकाबले 500प्रतिशत बढ़े, ओडीआई में 15प्रतिशत की गिरावट ; क्या खतरे में है वनडे क्रिकेट

नई दिल्ली ।
30 अगस्त से एशिया कप शुरू हो रहा और इसके खत्म होने के 17 दिन बाद ही भारत में क्रिकेट वर्ल्ड कप शुरू हो जाएगा। ये दोनों टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में है। यानी अगला ढाई महीना 50-50 ओवर के क्रिकेट मैचों का। हालांकि वनडे-फॉर्मेट को लेकर चिंता कुछ और ही है। पिछले 4 सालों में वनडे फॉर्मेट टी-20 से शायद हारने को है।

सबसे पहले दो फैक्टर्स

टी-20 मैचों में भारी इजाफा, वनडे में कमी - टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत 2005 में हुई और इन 18 सालों में इस फॉर्मेट के 2,215 इंटरनेशनल मैच खेले जा चुके हैं। पांच साल पहले तक टी-20 फॉर्मेट के लिए बहुत बड़ा खतरा नजर नहीं आ रहा था। फरवरी 2005 से 2018 तक टी-20 फॉर्मेट में 717 इंटरनेशनल मैच खेले गए। यानी 1 साल में औसतन 55 मैच। इसी टाइम पीरियड में 1,847 वनडे मैच हुए थे। सालाना औसत... 142 मैच। फिर, 2019 से तस्वीर बदल गई। 2019 से अब तक 555 वनडे और 1,498 टी-20 इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। यानी सालाना करीब 120 वनडे और 325 टी-20 मुकाबले। इन 5 सालों में टी-20 मैचों की सालाना दर 490प्रतिशत बढ़ गई वहीं, वनडे मैचों की संख्या 15प्रतिशत घट गई। ऊपर दिए ग्राफिक्स में आप देख सकते हैं कि टी-20 इंटरनेशनल की शुरुआत के पहले 13 साल में हर साल औसतन 46 टेस्ट होते थे। 2019 के बाद से यह नंबर 39 टेस्ट का रह गया। वनडे हर साल 142 की जगह 120 होने लगे, लेकिन टी-20 ने लंबी उड़ान भरी। इस फॉर्मेट के मुकाबले 55 से बढ़कर 325 हो गए।

दुनियाभर में फ्रेंचाइजी लीग का शुरू होना - 2008 में आईपीएल की शुरुआत हुई थी। यह टी-20 फॉर्मेट में दुनिया की पहली फ्रेंचाइजी लीग थी। इस समय 14 फ्रेंचाइजी लीग खेली जा रही हैं। साल के लगभग हर महीने में कहीं न कहीं फ्रेंचाइजी लीग हो रही होती है। कई स्टार खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट को छोड़कर टी-20 का रुख कर रहे हैं। वे समय से पहले रिटायरमेंट ले रहे हैं। साउथ अफ्रीका के फाफ डुप्लेसिस इसकी बड़ी मिसाल हैं। वे लीग क्रिकेट में कप्तानी करते हैं, लेकिन साउथ अफ्रीका के लिए नहीं खेलते। इंग्लैंड के मोइन अली ने लीग क्रिकेट की खातिर ज्यादा समय निकालने के लिए टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया। सरसरी तौर पर देखने पर ये दोनों फैक्टर वाजिब साबित होते हैं और इसके आधार पर कहा जा सकता है कि वनडे और टेस्ट दोनों तरह की क्रिकेट खतरे में है। इस चिंता को कई इंटरनेशनल क्रिकेटर्स ने भी समय-समय पर जाहिर किया है। हालांकि ऊपर बताए गए दोनों फैक्टर्स और कुछ खिलाड़ियों के बयान पूरी तस्वीर बयान नहीं करते हैं। मामले की गहराई में उतरने पर जो फाइंडिंग सामने आती है उससे पता चलता है कि वनडे मैचों के नंबर्स कम हुए हैं, लेकिन इससे फॉर्मेट खतरे में आ जाए ऐसी स्थिति अभी संभवत: नहीं बनी है।

पहली फाइंडिंग: टी-20 मैच इसलिए बढ़े क्योंकि ज्यादा देशों को क्रिकेट से जोड़ा गया - ऊपर आपने पढ़ा कि 2019 से टी-20 इंटरनेशनल मैचों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई। सालाना मैचों की संख्या 2018 तक की संख्या की तुलना में करीब 500प्रतिशत बढ़ गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इस दौरान ज्यादा से ज्यादा देशों में क्रिकेट को बढ़ावा देने की कोशिश की। 2005 से 2018 तक कुल 23 देशों ने टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले। वहीं, इसके बाद से 78 और टीमों को और जोड़ा गया है। नई क्रिकेटिंग कंट्रीज के लिए टी-20 के जरिए खेल में एंट्री करना आसान था। टेस्ट फॉर्मेट में कोई देश बहुत समय लेकर बहुत मुश्किल से बेहतर बनता है। बांग्लादेश 23 साल से टेस्ट खेल रहा है, लेकिन इसके स्तर में खास सुधार नहीं हुआ। वनडे खेलना टेस्ट की तुलना में आसान है, लेकिन सबसे आसान टी-20 साबित हुआ है। जब देशों की संख्या बढ़ी तो इनके बीच मैच भी हुए। लिहाजा टी-20 इंटरनेशनल मैचों की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ गई।

दूसरी फाइंडिग: एस्टैब्लिश्ड क्रिकेटिंग कंट्रीज अब भी ठीक-ठाक वनडे खेल रहे, लेकिन तरजीह टी-20 को - जब टी-20 इंटरनेशनल मैचों की शुरुआत हुई तब तक 10 देश वनडे फॉर्मेट में एस्टैब्लिश्ड थे। ये देश भारत, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे हैं। इन देशों की टीमों ने टी-20 की शुरुआत से 2018 तक 1606 वनडे इंटरनेशनल खेले थे। यानी सालाना 123 मैच। 2019 से अब तक इन्होंने 361 मैच खेले हैं। यानी सालाना 78 मैच। यानी 2019 से बड़ी टीमों के वनडे मैचों में 36प्रतिशत की कमी आई है। टी-20 फॉर्मेट में इन 10 टीमों ने 17 फरवरी 2005 से 2018 तक 567 मैच खेले। सालाना 44 मैच। वहीं, 2019 से अब तक इन टीमों ने कुल 421 मैच खेले हैं। सालाना 91 मैच। यानी 2019 से बड़ी टीमों के टी-20 मैचों में 107प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ये आंकड़े साबित करते हैं कि एस्टैब्लिश्ड क्रिकेटिंग कंट्रीज वनडे अब भी ठीक-ठाक खेल रहे हैं, लेकिन वे ज्यादा तरजीह टी-20 को दे रहे हैं।

क्या है टी-20 को तरजीह देने की वजह - इसके पीछे सबसे बड़ा फैक्टर पैसा है। वनडे मैच से ज्यादा कमाई तब हो पाती है जब मुकाबला वीकएंड या छुट्टियों पर हो, क्योंकि खेल पूरे दिन चलता है। स्कूल कॉलेज या ऑफिस में मौजूद फैन को ग्राउंड पर या टीवी के सामने लाना मुश्किल होता है। टी-20 में यह बाध्यता नहीं है। टी-20 मुकाबले स्कूल/कॉलेज/ऑफिस आवर्स के बाद शुरू कर उसी समय खत्म किए जा सकते हैं जिस समय वनडे खत्म होते हैं। इसलिए दुनियाभर में ब्रॉडकास्टर्स एक टी-20 मैच के लिए क्रिकेट बोर्ड को उतनी ही रकम देते हैं जितनी एक वनडे और एक टेस्ट मैच के लिए देते हैं।

एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाएंगे रोजर बिन्नी-राजीव शुक्ला

वाघा बॉर्डर के रास्ते लाहौर जाएंगे, चार दिन का होगा दौरा

रोजर बिन्नी, BCCI अध्यक्ष
राजीव शुक्ला, BCCI उपाध्यक्ष

नई दिल्ली ।
एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला पाकिस्तान जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशिया कप के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। बिन्नी और राजीव शुक्ला श्रीलंका के पल्लेकेले में 2 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच में मौजूद रहेंगे। श्रीलंका से लौटने के एक या दो दिन बाद बिन्नी के साथ बोर्ड उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला वाघा बॉर्डर के रास्ते लाहौर जाएंगे। वे 4 से 7 सितंबर तक लाहौर में रहेंगे और इस दौरान वे एशिया कप के कुछ मैच देखेंगे। एशिया कप का पहला मैच 30 अगस्त को पाकिस्तान और नेपाल के बीच मुल्तान में खेला जाएगा, जबकि भारत अपने अभियान की शुरुआत 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ श्रीलंका के कैंडी में करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान पीसीबी अध्यक्ष जका अशरफ ने 15 अगस्त को बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों को एक आधिकारिक निमंत्रण दिया गया था। बीसीसीआई सहित एशिया कप में हिस्सा लेने वाली टीमों के सभी बोर्ड सदस्यों ने पाकिस्तान जाने की पुष्टि की है। बिन्नी और शुक्ला दोनों को चार सितंबर को पीसीबी द्वारा लाहौर में आयोजित होने वाले आधिकारिक रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया गया है। मौजूदा स्थिति के अनुसार, संबंधित बोर्ड प्रमुखों के बीच कोई आधिकारिक बैठक नहीं होने वाली है। संभावना है कि बिन्नी और शुक्ला अपनी चार दिन की यात्रा के दौरान 3 या 5 सितंबर को गद्दाफी स्टेडियम में मैच में भी मौजूद रहेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन हाईब्रिड मॉडल पर होगा। यानी कि टूर्नामेंट के शुरुआती चार मुकाबले पाकिस्तान में होंगे, जबकि फाइनल सहित शेष 9 मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट की 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें सुपर-4 स्टेज में जाएंगी।

ग्रुप-ए: भारत, नेपाल और पाकिस्तान।

ग्रुप-बी: श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान।

पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के घर आई नन्हीं परी : पत्नी हेजल कीच ने दूसरे बच्चे को जन्म दिया, नाम रखा- ऑरा

नई दिल्ली ।
पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की पत्नी हेजल कीच ने दूसरे बच्चे को जन्म दिया है। युवराज ने दूसरी बार पिता बनने की खुशी सोशल मीडिया पर शेयर की। उन्होंने पत्नी और दोनों बच्चों के साथ एक तस्वीर पोस्ट कर लिखा, हम प्रिसेंस ऑरा का वेलकम करते हैं। 41 साल के युवराज सिंह दूसरी बार पिता बने हैं। उनकी पत्नी ने पिछले साल जनवरी में ही दोनों के पहले बच्चे को जन्म दिया था। युवराज और हेजल कीच की शादी 2016 में हुई थी।

ऑरा के साथ तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की

युवराज सिंह ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर नवजात की फोटो शेयर की। फोटो में उनकी पत्नी हेजल और उनकी गोद में बेटा ओरियन भी था। तस्वीर के साथ युवराज ने लिखा, रातों की नींदें खराब होना अब और खुशनुमा हो गया, हम हमारी प्रिसेंस ऑरा का स्वागत कर अपने परिवार को कम्प्लीट करते हैं। ऑरा शब्द का मतलब- वो इंसान जिसमें ऐसे विशेष गुण हों, जो उसके अलग होने का आभास कराए। ऑरा का मतलब प्रभामंडल भी होता है, इसे हिंदी में आभा भी कहते हैं।

25 जनवरी को पहली बार पिता बने थे युवी

युवराज सिंह पिछले साल 25 जनवरी को पहली बार पिता बने थे। उनकी पत्नी ने लड़के को जन्म दिया था, जिसका नाम दोनो ने ओरियन रखा। ओरियन तारों के समूह को कहते हैं। युवराज ने ओरियन के बारे में बताया था, ओरियन एक तारों का समूह हैं और पेरेंट्स के लिए उनका बच्चा ही उनका तारा है।

2016 में युवराज-हेजल की शादी हुई

युवराज सिंह ने 30 नवंबर 2016 को बॉलीवुड एक्ट्रेस हेजल कीच से शादी की थी। दोनों ने सिख रिति-रिवाज से चंडीगढ़ में शादी की। दिल्ली में दोनों ने रिसेप्शन रखा और गोवा में पार्टी दी थी। शादी के करीब 5 साल बाद दोनों को पहला बच्चा हुआ था। युवराज सिंह 2011 के वनडे वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उन्होंने भारत को विजेता बनाने में अहम योगदान दिया था। इसी टूर्नामेंट के बाद उन्हें कैंसर की शिकायत हुई।

एशिया कप 30 अगस्त से श्रीलंका और पाकिस्तान में होगा: भारत को बैटिंग भी करने वाले गेंदबाज की तलाश, पाक सबसे कम तैयारी से उतरेगा

कोलंबो।
एशिया कप 30 अगस्त से 17 सितंबर तक श्रीलंका और पाकिस्तान में खेला जाएगा। अगर आईसीसी इवेंट को छोड़ दिया जाए तो यह दुनिया का सबसे बड़ा लिमिटेड ओवर टूर्नामेंट है। इस बार एशिया कप इसलिए भी ज्यादा अहम है क्योंकि यह वर्ल्ड कप के एक महीने पहले खेला जा रहा है। इसके जरिए सभी टीमें अपनी वर्ल्ड कप की तैयारी को मजबूत करेंगी। ऐसे में जानते हैं वनडे वर्ल्ड कप के नजदीक आने से पहले डिफेंडिंग चैम्पियन श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान को एशिया कप में किन सवालों से जूझना पड़ेगा इस साल दो बार दो महाद्वीपों में श्रीलंका वनडे में 80 से कम स्कोर पर ऑल आउट हो गया है। वर्ल्ड कप क्वालिफायर में स्कॉटलैंड ने श्रीलंका को 245 पर ढेर कर दिया था। टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ 213 और 233 रन पर आउट हो गई थी। निश्चित रूप से श्रीलंका ने इन स्कोर का बचाव किया, लेकिन ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उनके गेंदबाजी आक्रमण ने विरोधी बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल दिया था। उनकी बल्लेबाजी खासकर टॉप ऑर्डर निराश करता है। पांचवें पर असलंका को छोड़कर अन्य निराश करते हैं। भारत, पाक की मजबूत बल्लेबाजी होने से श्रीलंका के गेंदबाजों को दिक्कत हो सकती है। उन्हें एशिया कप में इसका हल तलाशना होगा। बांग्लादेश के पास शाकिब और मेहदी हसन जैसे दो बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। ऐसे में टीम के पास एक अतिरिक्त स्पेशलिस्ट बल्लेबाज या गेंदबाज को खिलाने का विकल्प है। पूर्व कप्तान तमीम इकबाल का मानना है कि अतिरिक्त गेंदबाज उनके आक्रमण को और मजबूत करेगा, लेकिन आठवें बल्लेबाज को खिलाने से जो रन जुड़ेंगे, वे अहम होंगे। बांग्लादेश ने हाल ही में अतिरिक्त बल्लेबाजों को टीम में रखा। मेहदी ने पिछले दिसंबर में भारत के खिलाफ नंबर-8 पर 38* व 100* रन का विजयी योगदान दिया था। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि बांग्लादेश किस कॉम्बिनेशन से वर्ल्ड कप में उतरेगा। एशिया कप टेस्टिंग का अच्छा मौका रहेगा। पाकिस्तान के पास गेम टाइम कम है। यानी वर्ल्ड कप से पहले उन्हें तैयारी के लिए काफी कम मैच मिले हैं। 2019 वर्ल्ड कप से बाद अब तक उन्होंने सिर्फ 28 वनडे खेले हैं। वे इतनी कम तैयारी के साथ वर्ल्ड कप में कभी नहीं उतरे थे। साथ ही इस दौरान उन्होंने जिन विरोधियों के साथ मुकाबले खेले, वे भी उस स्तर के नहीं रहे।

बीडब्लूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप- एचएस प्रणय ने मेडल पक्का किया

मेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में पहुंचे, वर्ल्ड नंबर-1 विक्टर एक्सेलसेन को तीन गेम में हराया

कोपेनहेगन।
एच एस प्रणय ने डेनमार्क के कोपेनहेगन में खेली जा रही वर्ल्ड चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क के वर्ल्ड नंबर 1 विक्टर एक्सेलसन को हराया। रोमांचक मुकाबले में प्रणय ने 3 गेम में 21-13, 15-21,16-21 से दो गेम जीत कर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

इसी के साथ प्रणय ने भारत के लिए 2023 चैंपियनशिप का पहला मेडल सुनिश्चित किया - बैडमिंटन में वर्ल्ड चैंपियनशिप में तीसरे और चौथे खिलाड़ी के बीच मैच नहीं होता है, बल्कि दोनों को ब्रॉन्ज मेडल दिया जाता है। इसलिए सेमीफाइनल में पहुंचने पर मेडल पक्का हो जाता है। दूसरी ओर दुनिया के दूसरे नंबर की सात्विक चिराग की शटलर जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क की 11 नंबर की किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन की जोड़ी ने सीधे गेम में 21-18, 21-19 से हरा दिया इस चैंपियनशिप से प्रणय के अलावा भारत के सभी खिलाड़ी बाहर हो गए है।

एच एस प्रणय ने वापसी की - क्वार्टर फाइनल में एक्सेलसन के खिलाफ प्रणय ने बुरी शुरुआत की। प्रणय पहला गेम हार गए, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल एक घंटे और 8 मिनट में 13-21, 21-15, 21-16 से जीत लिया। आखिरी गेम रोमांचक रहा। प्रणय ने क्विक गेम खेलते हुए शुरुआत की पर मुकाबला बराबरी का रहा, पहले दोनों खिलाड़ियो ने 1-1 पॉइंट पर एक दूसरे पर बढ़त बनाना शुरू किया। इसके बाद प्रणय ने 7 -6 के स्कोर पर लगातार 5 पॉइंट्स लिए और रिदम को तोड़ा। स्कोर 12 - 6 हो गया। एक्सेलसन के घर डेनमार्क में उनका ऐसा प्रदर्शन देख घरेलू फैंस ने उनका मनोबल बढ़ाया और इसके बाद एक्सेलसन ने लगातार 2 पॉइंट्स लिए। स्कोर अब 12-8 हो गया था। प्रणय ने एक पॉइंट लिया। एक्सेलसन ने स्मैश लगाया और स्कोर को 13-9 पर ले आए। फिर 2 पॉइंट लिए और 13-11 का स्कोर हुआ। इस समय प्रणय प्रेशर में नहीं आए और जोरदार वापसी करते हुए 16-11 तक लीड बना ली। 16-11 से स्कोर 18-14 पहुंच गया। प्रणय ने अग्रेशन दिखाया और 21-16 से मैच जीत लिया। कई मौकों पर प्रणय पूरी तरह कॉन्फिडेंट नजर आए। जैसे 14वें पॉइंट के लिए उन्होंने तुरंत रिव्यू चैलेंज लिया और बढ़त बनाते चले गए। प्रणय ने डिसाइडिंग गेम 21-16 से जीता।

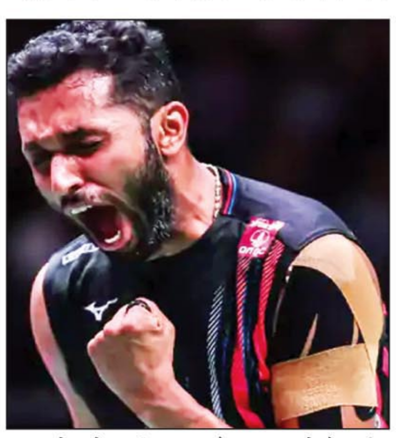

वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रणय का पहला मेडल - यह वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रणय का पहला मेडल है। मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाले प्रकाश पदुकोण, साई प्रणीत, किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन के बाद 5वें भारतीय बन गए।

सात्विक ने सर्विस में गलतियां की - एस्ट्रुप और रासमुसेन ने मैच की शुरुआत 5-1 की तेज बढ़त के साथ की। 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने सात्विक-चिरग की एक और गलत शॉट के साथ 10-5 की बढ़त बना ली और फिर 5 पॉइंट्स के आसान लीड के साथ खेल में आगे बढ़े। सात्विक और चिराग ने पहले गेम के बाद के चरणों में अपनी लय हासिल की और अपने शॉट्स ढूंढना शुरू कर दिया, लेकिन सात्विक की सर्विस गलती से डेनमार्क की जोड़ी को चार गेम पॉइंट मिल गए। जोड़ी पहला गेम 21-18 से हार गई। दूसरा गेम भी पहले की तरह ही चला। इसमें शुरुआत में ही एस्ट्रुप और रासमुसेन ने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद सात्विक चिराग 5-4 तक स्कोर ले कर आए। मुकाबला 15-15 से बराबर हो गया। दोनों छोर से गलतियां हुईं लेकिन डेनमार्क की जोड़ी ने अच्छा खेल दिखा कर 21-19 से मैच जीत लिया।

लक्ष्य का अभियान हुआ खत्म - दूसरी ओर भारतीय स्टार शटलर लक्ष्य सेन का अभियान प्री क्वार्टर फाइनल में ही खत्म हो गया। उन्हें थाईलैंड के कुनालवुत वितिदसार्न से हार का सामना करना पड़ा। इस वर्ल्ड नंबर तीन खिलाड़ी ने लक्ष्य को 68 मिनट तक चले मुकाबले में 14-21, 21-16,13-21 से हराया।

ट्रीसा-गायत्री टॉप सीड से हारे - ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की विमेंस डबल्स जोड़ी टॉप रैंक की चीनी खिलाड़ी चेन किंग चेन और जिया यी फैन की जोड़ी के खिलाफ 42 मिनट में 14-21, 9-21 से हार गई। यह गायत्री-त्रेसा और चीनी जोड़ी के बीच यह केवल दूसरी भिड़ंत थी, जिसमें भारतीय पिछले साल जर्मन ओपन में दुनिया की नंबर एक चीनी टीम से हार गए थे।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

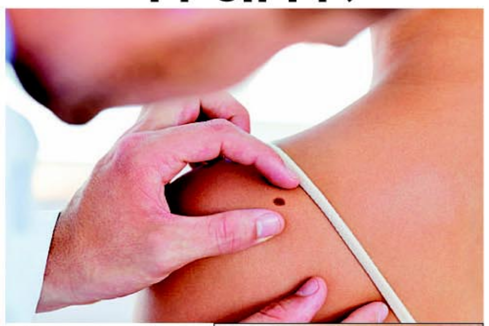

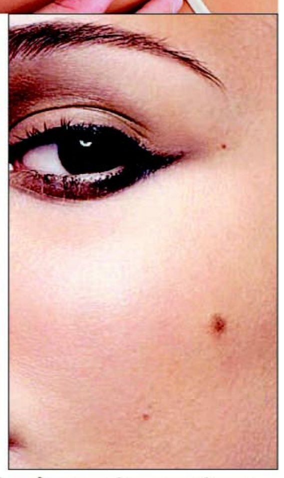

चाहे ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरु हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है।अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ठीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गोरे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बदलना शुरु हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिये निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

भोजन बनाते समय की मानसिकता...

अन्न को ब्रह्म कहा गया है। इसका निरादर देवता का अपमान है। इसलिए अन्न को भोजन के रूप में तैयार करने की प्रक्रिया भी पूजा-अर्चना से कम नहीं है। अन्न के खेतों से थाली तक पहुंचने की यात्रा में कई पड़ाव हैं। कमाने, पकाने, परोसने और खाने वाले व्यक्तियों की मानसिकता अन्न के पोषक तत्वों को प्रभावित करती है। रसोई बनाने वाला इस प्रसंग का सूत्रधार है। खाना बनाते समय उसकी मानसिकता क्या है, खाने वाले के प्रति उसकी भावनाएं अच्छी हैं या नहीं इन सबका प्रभाव भोजन पर होता है। अगर उसे भोजन बनाने का काम मुसीबत नजर आता है, अगर उसे भरपेट भोजन नहीं मिलता है तो निश्चित रूप से भोजन में नकारात्मक तरंगें पैदा होंगी। अच्छे से अच्छा व्यंजन भी अपाच्य बन जाएगा।

सितंबर के मुख्य त्योहार...

- सितंबर को स्नान दान आदि की भाद्रप्रद की अमावस, कुशोत्पाटिनी अमावस, पिठौरी अमावस।
- सितंबर को भाद्रप्रद शुक्ल पक्ष प्रारंभ, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रथम प्रकाश (प्राचीन परम्परा अनुसार)।
- सितंबर रविवार को हरि तालिका तृतीया, गौरी तृतीया, श्री वाराह अवतार जयंती, सामवेदि उपाकर्म, मुसलमानी महीना जिल्हिका शुरू, श्री गुरु रामदास जी का ज्योति ज्योत समाए दिवस।
- सितंबर सोमवार को सिद्धि विनायक श्री गणेश चतुर्थी व्रत, कलंक चौथ यानी पत्थर चौथ। इस दिन चंद्रमा को न देखने का विधान है।
- सिंतबर मंगलवार को ऋषि पंचमी, श्री दंडी स्वामी जी महाराज श्री शंकराश्रम जी महाराज का निर्वाण दिवस।
- सितंबर गुरुवार मुक्ता भरण सप्तमी, संतान सप्तमी, 16 दिनों के श्री महालक्ष्मी व्रत प्रारंभ।
- सितंबर रविवार को सायं 5 बजकर 5 मिनट पर गुरु (तारा) पश्चिम में अस्त और 7 अक्टूबर को उदय होगा। 13 सितंबर मंगलवार को पद्मा एकादशी व्रत, फूल डोल महोत्सव, श्री वामन अवतार जयंती वामन द्वादशी।
- सितंबर गुरुवार अनंत चतुर्दशी व्रत, अनंत चौदश मेला बाबा सोढल जी (जालंधर, पंजाब), कदली व्रत।

दु:ख से मुक्ति...

दु:ख, तकलीफ, आपदाएं इंसान की जिंदगी के साथ जुड़ी हुई ऐसी अप्रसंगिक घटनाएं हैं जो क्षति पहुंचाकर हमें विचलित कर देती हैं। कभी कभी तो अविवेकी इंसान सहनशक्ति के अभाव मे अपने होश खो बैठता है। मुसीबतों को टालने की कोशिश करते हुए भी हमारा मन विचलित हो उठता है। आगे बढ़ने के सारे दरवाजे बंद होते देखकर सिर पकड़ कर बैठने के सिवाए कोई ओर रास्ता नजर नहीं आता। आखिर ऐसा क्यो होता है? क्या है दु:ख से मुक्ति का उपाय? इस आलेख में हम यही जानेंगे।

जीवन के सुख-दुःख को देखने का हमारा चश्मा अलग-अलग होता है। दूसरों के सुख बड़े लगते हैं तो अपने दुःख भी बड़े। अपने छोटे से छोटे दुःख को गाने की ऐसी लत लगती है कि मानो एक हम ही हैं जो दुखों को झेल रहे हैं। बात यहीं तक नहीं रुकती, हम केवल यह नहीं चाहते कि लोग हमारे दुःख को सुनें, हम उनकी सहानुभूति का फायदा भी उठाना चाहते हैं। अपने दुखों की आड़ में अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं। मैंने जिंदगी देखी है..., तुम्हें क्या पता दुख क्या होता है..., मेरी किस्मत में सुख कहां..., ऐसी ही कई बातें कहते हुए हम बिल्कुल दार्शनिक हो जाते हैं। ऐसे ज्ञानी, जिन्हें अपना राई बराबर दुःख पहाड़ नजर आता है।

हो सकता है कि आपके पास संसाधनों की कमी हो, बीमारी या परिवार की उपेक्षा झेल रहे हों, पर यह सच है कि संघर्ष सबके जीवन में होता है। लेकिन व्यक्ति के सहने की क्षमता और प्रवृति के आधार पर इसका अनुभव हर किसी को अलग होता है। अपने दुःख दूसरों को बताना मन की सेहत के लिए अच्छा होता है। पर उसकी नुमाइश करना या अपने दुःख से लाभ कमाने की कोशिश करना, व्यक्तित्व की कमजोरी है। मन की हीनता और दुर्बलता है। यह दूसरों का ध्यान अपनी ओर खींचने की प्रवृत्ति है।

नमक जैसा है दु:ख

एक बूढ़ा जेन मास्टर अपने शिष्य की शिकायत करने की आदत से परेशान था। एक सुबह उन्होंने शिष्य को कुछ नमक एक गिलास पानी में मिलाकर पीने को दिया। मास्टर ने पूछा- कैसा है यह? शिष्य ने कहां, यह कड़वा लग रहा है, इसे पीना असंभव है। इसके बाद वे दोनों झील के किनारे गए। मास्टर ने उतना ही नमक झील के पानी में डाल दिया। शिष्य को फिर पानी पीने के लिए कहा और पूछा कि अब ये कैसा लग रहा है? शिष्य ने कहा, ये पानी बिल्कुल ताजा है। इसमें नमक का पता ही नहीं चल रहा। मास्टर ने कहा, जीवन में दु:ख भी नमक की तरह है। इसकी मात्रा भी समान ही है। पर इसकी कड़वाहट निर्भर करती है कि हमने इसे किस बर्तन में डाला है। जब दु:ख हो तो शिकायत की जगह अपने नजरिए को बड़ा कर लेना चाहिए।

अच्छी नहीं दु:ख की लत

दुखों की निरंतर चर्चा करना हमें अपने नकारात्मक अनुभवों से बाहर नहीं आने देता। हमें हर छोटी सी समस्या बड़ी दिखती है। हर समय दिमाग अतीत की गलियों में घूमता रहता है। ऐसे में जितना हम अपने दुख दूसरों के सामने रखते हैं, उतने ही नकारात्मकता और दुखों की ओर बढ़ जाते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है की जिंदगी का रोना भी कोई रोना है, जिंदगी रोकर काटो या हंसकर वह तो कट ही जाती है। सुख और दु:ख जिंदगी के खेल है। इन्हें खेल की तरह खेलते हुए चलने का नाम ही जिंदगी है। अगर दुखों को नजरंदाज न किया जाए तो जीना मुश्किल हो जाता है। दु:ख का प्रत्यक्ष रूप से जितना बड़ा दिखाई देता है अंदर से वह उतना हो खोखला और कमजोर होता है। अगर विचारों को मजबूत बनाकर रखा जाए तो दु:ख हवा के झोखे के साथ गायब होने वाले पानी के बुलबुलों की तरह होते हैं। दुख, तकलीफ, आपदाए इंसान की जिंदगी के साथ जुड़ी हुई ऐसी अप्रसंगिक घटनाएं हैं जो क्षति पहुंचाकर हमें विचलित कर देती है। कभी कभी तो अविवेकी इंसान सहनशक्ति के अभाव में होश खो बैठता है। मुसीबतों को टालने की कोशिश करते हुए भी हमारा मन विचलित हो ही उठता है। आगे बढ़ने के सारे दरवाजे बंद होते देखकर सिर पकड़ कर बैठने के सिवाए कोई ओर रास्ता नजर नहीं आता। आखिर ऐसा क्यो होता है? कारण यह है की हमारी नकारात्मक सोच और चिंतन हम पर हावी हो जाते है। कहते है की इंसान जैसा सोचता है वैसा ही बन जाता है। अगर सोच सकरात्मक होगी तो दु:ख मे भी कही न कही सुख की अनुभूति होगी।

समस्या का सामना करें

भीतर के सत्य की खोज करने वाले कुछ वैज्ञानिकों ने देखा कि मन को और काम में लगाना यानी समस्या से दूर भागना है। पलायन सही उपाय नहीं है, समस्या का सामना करना चाहिए। मन में जब विकार जागेगा, तब उसे देखो, उसका सामना करो। जैसे ही आप विकार को देखना शुरू कर दोगे, वह क्षीण होता जाएगा और धीरे धीरे उसका क्षय हो जाएगा। यह अच्छा उपाय है। दमन एवं खुली छूट की दोनों अतियों को टालता है। विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबाने से उनका निर्मूलन नहीं होगा। और विकारों को अकुशल शारीरिक एवं वाचिक कर्मों द्वारा खुली छूट देना समस्याओं को और बढाना है। लेकिन अगर आप केवल देखते रहोगे, तो विकारों का क्षय हो जाएगा और आपको उससे छुटकारा मिलेगा।

विकारों से सामना आसान नहीं

अपने विकारों का सामना करना आसान नहीं है। जब क्रोध जागता है, तब इस तरह सिर पर सवार हो जाता है कि हमें पता भी नहीं चलता। क्रोध से अभिभूत होकर हम ऐसे शारीरिक एवं वाचिक काम कर जाते हैं जिससे हमारी भी हानि होती है, औरों की भी। जब क्रोध चला जाता है, तब हम रोते हैं और पछतावा करते हैं, इस या उस व्यक्ति से या भगवान से क्षमायाचना करते हैं– हमसे भूल हो गई, हमें माफ कर दो। लेकिन जब फिर वैसी ही स्थिति का सामना करना पड़ता है तो हम वैसे ही प्रतिक्रिया करते हैं। बार-बार पश्चाताप करने से कुछ लाभ नहीं होता। हमारी कठिनाई यह है कि जब विकार जागता है तब हम होश खो बैठते हैं। विकार का प्रजनन मानस की तलस्पर्शी गहराईयों में होता है और जब तक वह उपरी सतह तक पहुंचता है तो इतना बलवान हो जाता है कि हम पर अभिभूत हो जाता है। हम उसको देख नहीं पाते। जब भी मन में कोई विकार जागे तो शरीर पर दो घटनाएं उसी वक्त शुरू हो जाती हैं। एक, सांस अपनी नैसर्गिक गति खो देता है। जैसे मन में विकार जागे, सांस तेज एवं अनियमित हो जाती है। यह देखना बड़ा आसान है। सूक्ष्म स्तर पर शरीर में एक जीवरासायनिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप संवेदनाओं का निर्माण होता है। हर विकार शरीर पर कोई न कोई संवेदना निर्माण करता है।

आत्मनिरीक्षण की विद्या

ऐसे में आत्मनिरीक्षण की विद्या हमें भीतर और बाहर दोनों सच्चाईयों से अवगत कराती है। पहले हम केवल बहिर्मुखी रहते हैं और भीतर की सच्चाई को नहीं जान पाते हैं। अपने दु:ख का कारण हमेशा बाहर ढूंढते हैं। बाहर की परिस्थितियों को कारण मानकर उन्हें बदलने का प्रयत्न करते हैं। भीतर की सच्चाई के बारे में अज्ञान के कारण हम यह नहीं समझ पाते हैं कि हमारे दुख का कारण भीतर है, वह है सुखद एवं दुखद संवेदनाओं के प्रति अंध प्रतिक्रिया। हम सांस को भी जान सकते है और भीतर क्या हो रहा उसको भी। सांस हो या संवेदना, हम उसे मानसिक संतुलन खोए बिना देख सकते हैं। प्रतिक्रिया बंद होती है तो दु:ख का संवर्धन नहीं होता। उसके बजाय, विकार उभर कर आते हैं और उनकी निर्जरा होती है, क्षय होता है। जैसे जैसे हम इस विद्या में पकते चले जाय, विकार शीघ्रता के साथ क्षय होने लगते हैं। धीरे धीरे मन विकारों से मुक्त होता है, शुद्ध होता है। शुद्ध चित्त हमेशा प्यार से भरा रहता है–सबके प्रति मंगल मैत्री, औरों के अभाव एवं दुखों के प्रति करुणा, औरों के यश एवं सुख के प्रति मुदिता एवं हर स्थिति में समता।

लगातार प्रयास जरूरी

एक सामान्य व्यक्ति अमूर्त विकारों को नहीं देख सकता– अमूर्त भय, अमूर्त क्रोध, अमूर्त वासना आदि। लेकिन उचित प्रशिक्षण और प्रयास करेगा तो आसानी से सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाओं को देख सकता है। दोनों का ही मन के विकारों से सीधा संबंध है। सांस एवं संवेदनाएं दो तरह से मदत करेंगी। जैसे ही मन में कोई विकार जागा, सांस अपनी स्वाभाविकता खो देगा, वह हमे बतायेगा–कुछ गडबड है! और हम सांस को डांट भी नहीं सकते। हमें उसकी चेतावनी को मानना होगा। ऐसे ही संवेदनाएं हमें बताएंगी कि कुछ गलत हो रहा है। चेतावनी मिलने के बाद हम सांस एवं संवेदनाओं को देख सकते है। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा। यह शरीर और मन का परस्पर संबंध एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक तरफ मन में जागने वाले विचार एवं विकार हैं और दूसरी तरफ सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाएं हैं। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता ही है। इस प्रकार, सांस एवं संवेदनाओं को देख कर हम विकारों को देख रहे हैं। पलायन नहीं कर रहे, विकारों के आमुख होकर सच्चाई का सामना कर रहे हैं। शीघ्र ही हम देखेंगे कि ऐसा करने पर विकारों की ताकत कम होने लगी, पहले जैसे वे हम पर अभिभूत नहीं होते। हम अभ्यास करते रहें तो उनका सर्वथा निर्मूलन हो जाएगा। विकारों से मुक्त होते हम सुख एवं शांति का जीवन जीने लग जाएंगे।

खुद को जानना जरूरी: आवश्यक है, खुद को जानना, जो कि हर संत पुरुष की शिक्षा है। केवल कल्पना, विचार या अनुमान के बौद्धिक स्तर पर नहीं, भावुक होकर या भक्तिभाव के कारण नहीं, जो सुना या पढ़ा उसके प्रति अंधमान्यता के कारण नहीं। ऐसा ज्ञान किसी काम का नहीं है। हमें सच्चाई को अनुभव के स्तर पर जानना चाहिए। शरीर एवं मन के परस्पर संबंध का प्रत्यक्ष अनुभव होना चाहिए। इसी से हम दु:ख से मुक्ति पा सकते हैं। अपने बारे में इस क्षण का जो सत्य है, जैसा भी है उसे ठीक वैसा ही, उसके सही स्वभाव में देखना समझना जरूरी है। भगवान बुद्ध ने यही सिखाया–जीवन जीने की कला। उन्होंने किसी संप्रदाय की स्थापना नहीं की। उन्होंने अपने शिष्यों को मिथ्या कर्म-कांड नहीं सिखाएं। बल्कि, उन्होंने भीतर की नैसर्गिक सच्चाई को देखना सिखाया। हम अज्ञानवश प्रतिक्रिया करते रहते हैं, अपनी हानि करते हैं औरों की भी हानि करते हैं। जब सच्चाई को जैसी-है-वैसी देखने की प्रज्ञा जागृत होती है तो यह अंध प्रतिक्रिया का स्वभाव दूर होता है। तब हम सही क्रिया करते हैं–ऐसा काम जिसका उगम सच्चाई को देखने और समझने वाले संतुलित चित्त में होता है। ऐसा काम सकारात्मक एवं सृजनात्मक होता है, आत्महितकारी एवं परहितकारी।

विकारों से बचें

दु:ख को दूर करने के लिए पहले हम यह जान लें कि हम अशांत और बेचैन क्यों हो जाते हैं। गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब हमारा मन विकारों से विकृत हो उठता है तब वह अशांत हो जाता है। हमारे मन में विकार भी हो और हम सुख एवं सौमनस्यता का अनुभव करें, यह संभव नहीं है। ये विकार क्यों आते है, कैसे आते है? फिर गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब कोई व्यक्ति हम से मनचाहा व्यवहार नहीं करता उसके अथवा किसी अनचाही घटना के प्रतिक्रियास्वरूप आते हैं। अनचाही घटना घटती है और हम भीतर तनावग्रस्त हो जाते हैं। मनचाही के न होने पर, मनचाही के होने में कोई बाधा आ जाए तो हम तनावग्रस्त होते हैं। हम भीतर गांठे बांधने लगते हैं। जीवन भर अनचाही घटनाएं होती रहती हैं, मनाचाही कभी होती है और जीवन भर हम प्रतिक्रिया करते रहते हैं, गांठे बांधते रहते हैं। हमारा पूरा शरीर एवं मानस इतना विकारों से, इतना तनाव से भर जाता है कि हम दुखी हो जाते हैं। इस दुख से बचने का एक उपाय यह कि जीवन में कोई अनचाही होने ही न दें, सब कुछ मनचाहा ही हों। या तो हम ऐसी शक्ति जगाए, या और कोई हमारे मददकर्ता के पास ऐसी ताकद होनी चाहिए कि अनचाही होने न दें और सारी मनचाही पूरी हो। लेकिन यह असंभव है। विश्व में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसकी सारी इच्छाएं पूरी होती है, जिसके जीवन में मनचाही ही मनचाही होती है, और अनचाही कभी भी नहीं होती। जीवन में अनचाही होती ही है।

किसी और काम में लग जाएं

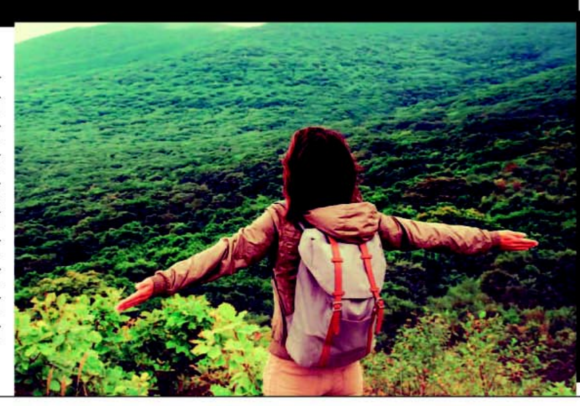

कैसे हम विषम परिस्थितियों के पैदा होने पर अंधप्रतिक्रिया न दें? कैसे हम तनावग्रस्त न होकर अपने मन को शांत व संतुलित रख सकें? भारत एवं भारत के बाहर कई ऐसे संत पुरुष हुए जिन्होंने इस समस्या के, मानवी जीवन के दु:ख की समस्या के, समाधान की खोज की। उन्होंने उपाय बताया- जब कोई अनचाही के होने पर मन में क्रोध, भय अथवा कोई अन्य विकार की प्रतिक्रिया आरंभ हो तो जितना जल्द हो सके उतना जल्द अपने मन को किसी और काम में लगा दो। उदाहरण के तौर पर, उठो, एक गिलास पानी लो और पानी पीना शुरू कर दो–आपका गुस्सा बढेगा नहीं, कम हो जायेगा। अथवा गिनती गिननी शुरू कर दो–एक, दो, तीन, चार। अथवा कोई शब्द या मंत्र या जप या जिसके प्रति तुम्हारे मन में श्रद्धा है ऐसे किसी देवता का या संत पुरुष का नाम जपना शुरू कर दो। मन किसी और काम में लग जाएगा और कुछ हद तक तुम विकारों से, क्रोध से मुक्त हो जाओगे। लेकिन यह उपाय केवल मानस के उपरी सतह पर ही काम करता है। वस्तुत: हमने विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबा दिया, जहां उनका प्रजनन एवं संवर्धन चलता रहा। मानस के उपर शांति एवं सौमनस्यता का एक लेप लग गया लेकिन मानस की गहराइयों में दबे हुए विकारों का सुप्त ज्वालामुखी वैसा ही रहा, जो समय पाकर फूट पड़ेगा।

आयुर्वेदिक उपायों से करें नकसीर का इलाज

गर्मी के दिनों में नाक से खून बहने की समस्या हममें से कई लोगों को परेशान करती है। इस समस्या को नकसीर के नाम से भी जाना जाता है।

अगर आपके नाक की एक तरफ से बिना चेतावनी के, खून बहने लगता है, तो वह मौसम, शारीरिक व्यायाम, छींकें, और सर्दी-जुकाम के कारण होता है। अगर आपकी उम्र 50 से अधिक है और आप अनवरत रूप से रक्तस्राव के शिकार हैं तो अपने रक्तचाप का परिक्षण कराएं, क्योंकि उच्च रक्तचाप रक्त पात्रों को हानि पहुंचाता है, जिससे प्रचुर मात्रा में रक्तस्राव होने लगता है।

नकसीर के लक्षण और कारण

संक्रमण, उच्च रक्तचाप, रक्त को पतला करने की औषधि का सेवन करना, मदिरापान, नाक में हल्की सी चोट, नाक को ज़ोर लगाकर साफ करना, सर्दी-जुकाम या फ्लू, कोकेन का अधिक मात्रा में प्रयोग करना, साइनस संक्रमण वगैरह।

लक्षण

एक या दोनों नथुनियों से रक्तस्राव, उनींदापन, नकसीर के कारण सदमा या असमंजस।

नकसीर के आयुर्वेदिक उपचार

- फिटकरी के पाउडर को गाय के घी के साथ मिलाकर नोज ड्रॉप्स की तरह नाक में डालने से नकसीर को रोकने में सहायता मिलती है।
- थोड़ा सा कपूर, धनिए के पत्तों के रस में मिला दें और इस मिश्रण को नाक में डालें। इस मिश्रण को नाक में डालने से नाक से खून बहना जल्दी बंद हो जाता है।
- 20 ग्राम आंवले को पूरी रात पानी में सोख कर रखें, और सुबह उस पानी को छान कर पी लें और आमला की लेई को अपने माथे और नाक के आसपास मल दें। इससे भी नाक का खून रुकने में आपको काफी मदद मिलेगी।
- लाल चन्दन, मुलेठी, और नाग केसर को समान मात्रा में मिलाकर चूरा बना लें और उसमे से 3 ग्राम चूरा दूध के साथ लेने से भी आपको नकसीर में लाभ मिलेगा।
- अनार के सूखे पत्तों का चूरा बनाकर सूंघने से भी नाक से रक्त का बहना काफी हद तक रुक सकता है।
- आम की गुठली के रस को सूंघने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।
- 2 ग्राम केले के पेड़ के पत्ते, 20 ग्राम क्रिस्टल शुगर और 1-1/2 लीटर पानी का मिश्रण दिन में एक बार पीने से गंभी से गम्भीर नकसीर में भी लाभ मिलता है।
- एक दो बूंदें नींबू का रस नथुने में डालने से भी नाक से रक्तस्राव काफी हद तक रुक जाता है।
- एक ग्लास पानी में एक चुटकी नमक डाल दें और इस पानी को नाक में स्प्रे करें। ऐसा करने से नाक में से रक्तस्राव कम हो जाता है।
- जब नकसीर होता है तब यह पक्का कर लें आस पास का वातावरण शुष्क तो नहीं है। अगर है तो किसी अच्छे एयर ह्यूमिडीफायर से वातावरण को नम रखें जिससे आपके नाक की कार्यशीलता हल्की हो जाएगी और नाक से रक्तस्राव नहीं होगा।
- नाक के बाहरी हिस्से पर आइस पैक लगाएं। यह बहुत ही सरल और असरदार तरीका है नाक से रक्तस्राव रोकने का।
- गीला तौलिया अपने सर पर रखने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।

नकसीर के अन्य उपचार

- कुर्सी पर शांत रूप से बैठें और अपना सिर पीछे की तरफ न झुकाएं, और सामान्य स्थिति में रहने दें, ताकि रक्तस्राव गले के पीछे से नहीं बल्कि नाक से आसानी से हो सके।
- आइस पैक या आइस क्यूब नाक पर लगाने से भी रक्तस्राव को रोकने में सहायता मिलती है।
- अगर आप धूम्रपान के आदि हैं, तो उसे तुरंत रोक दें।
- शुष्क वातावरण में रहने से बचें। एयर कंडिशनर और एयर कूलर उत्तम होते हैं क्योंकि वे हवा में नमी को बनाए रखते हैं।
- गर्भनिरोधक गोलियों के प्रयोग में सावधानी बरतें, क्योंकि गलत गोलियों के प्रयोग से नाक से रक्तस्राव शुरू हो सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**